विज्ञापन ।



प्रगट हो कि, मैं शिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी मारवाडी मूँडवेवाला इन्दोरनिवासी यह खबर देता हूँ कि यह "कृष्णरुक्मिणी" विवाह महामहोत्सव अति परम पवित्र भवाब्धि उल्लंघनार्थ नौका हमारे स्वजातीय वैश्य माहेश्वरी तेला पदम भक्तने कैसा अच्छा बनाया था, परन्तु इसके गाने बजानेवालोंने अपनी आजीविका ही मानकर प्रिय मित्रोंसे भी गुप्त कर रक्खा गल सड तो गया पर हवा भी नहीं लगने दी। इसी तरहसे यह ग्रंथ अदृश्य होगया। फिर कई एक लोग ढूँढढाँढके लाकर चोरी छिपीसे लिख २ कर काम चलाने लगे पर महाघोर अशुद्ध छन्द अर्थभंग कर दिया पर तो भी भक्तजन सुन सुन और भक्तिरूपी सुधारस पान करके अपनी उत्कंठारूपी प्यासको बुझाने लगे और अपना जन्म सुफल मानकर धन्यवाद देने लगे। फिर बहुतसे लोगोंने चाहा कि छप जाय तो अच्छा हो। जब अधूरा और अशुद्ध भी कई एक जगह छप गया परन्तु जिन पुरुषोंने सम्पूर्ण ग्रंथका अमृतपान किया था उनकी प्यास उन अधूरोंसे कहाँ बुझे ? इससे हमने भक्तजनोंके हितार्थ बहुत द्रव्य खर्च करके जहाँ जहाँ सम्पूर्ण ग्रंथ (मारवाड जोधपुर, नागोर, बीकानेर) था वहांसे लिखवा २ कर ११ पुस्तकें इकट्ठी करीं व सबका अनुक्रम मिलाया और जहाँ छंदोभंग अर्थभंग भेदी आमिल टूटक फूटक अधूरा था वहाँ नवीन अंतरे दोहे सोरठे पद बनाकर सम्पूर्ण कर "बृहत्‌रुक्मिणीमंगल" नाम रक्खा। यह बहुत ही उत्तम ग्रन्थ है। आशा है कि भक्तजन इससे लाभ उठावेंगे जिससे कि मैं भी अपने परिश्रमको सफल समझूंगा ।

भक्तजन-कृपाकांक्षी--

स्वर्गीय शिवकरण रामरतन दरक माहेश्वरी.

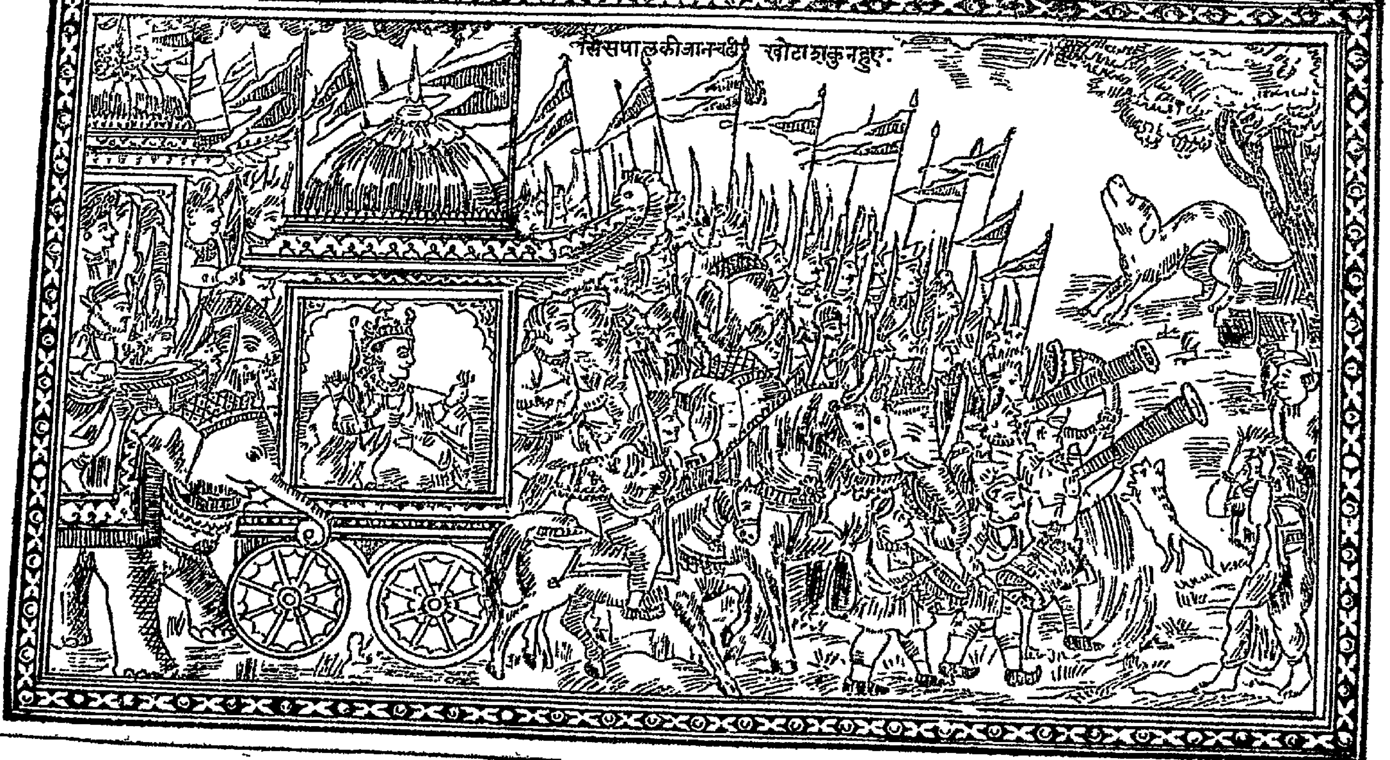
सरस्वती.
गणपती
ऋ.
रुक्मणी
श्रीकृष्ण
वैद्यपदम.
नारद
रुकमणी.
भीम.


राजाभिमकीस.
पांचपुत्र.
रुकम.
राणी
भाटने चंदेरी भेजे.
भाट


चंदेरी सिसपाल सभामें जोशी टीपा


दंतवक्र
सिसपाल
भाभी

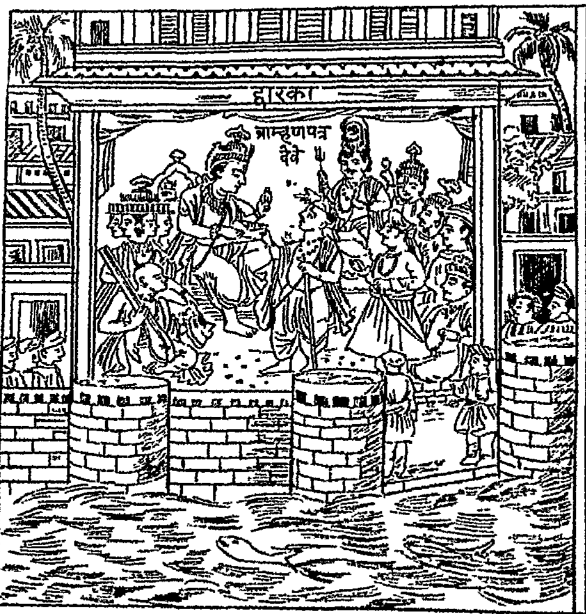

भाभी वरजे
भाट


सिसपालकीजानचढी खोटाशकुनहुए.

रु. म






द्वारका
ब्राम्हणपत्र देवे


सरूपा गारी गावै.
विप्रजीमे
बलदेवजी

रु. मं



श्रीकृष्णजान.

ब्राह्मणपाछोआयो

भीष्म.


माता
मंत्रि
रुकम
अंबिका
रुकमणीहरण


जुरायुद्ध
सिसुपाल
कृ. रु.


रुकमैयाकृष्णयुद्ध.
सिसपालचंदेरीआयो
भाभीतानादेवे.

कुंदनपुर

कृ. वी.

कृष्ण परण द्वारकाप्रवेश.

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्योनमः ॥ अथभ
क्तपद्मदासजीकृतरुक्मिणीमंगलं प्रारभ्यते ॥ दोहा ॥ गौ
रीसुतगणनायका, ऋद्धिसिद्धिदातार । करजोरेकरेबीनती,
दासपद्मबलिहार ॥ १ ॥ हरीभक्तिकरतेहुते, सदा लगाये
ध्यान । कृष्णाज्ञा जबहीं भयो, गावन लगे सुजान ॥ २ ॥
रुक्मिणीमंगलपदविषय,अपनी भाषा माहिं। ऐसीसुंदरातिन
लिखी, बांचतसबहरषाहिं ॥ ३ ॥ गवरीनंदन बीनवाँ, सुरपत
सुरतसुजाण ॥ कृष्णतणोंवीहावलो, रिधसिधप्रसिधप्रवाण ॥
रागमारू ॥ रिधसिधप्रसिधप्रवाणभणीजे कृस्नतणौंरोविहावो॥
सुंडाडंबरसीसचंद्रमा लालालोचनवारो ॥ १ ॥ थूहलगाथ
ठमकैचाले सिरसोहंदोभारो ॥ गवरीनंदनाविघनविहंडनदुख
खंडन सुखसारो॥ २॥दाँताँरुनमुखदिनकरझलखेडरफूलांदो

हारी॥ पहलेवेदपुराणअगोचरवरणीजैजसथारी ॥ ३ ॥ मूसा
वाहनकरधनुफरसीपहलेपूजातेरी ॥ पदमभणेंप्रणमेपायेलागूँ
आसापूरीमेरी ॥ ४॥दोहा॥ब्रह्मसुतानेवीनवाँ, सरस्वतिहंसा
रूढ॥वाणीमाताबेगद्यौ, मौमनमायामूढ ॥१॥ रागमारू ॥
वाणीमाताबेगकरौनीमुखमंडनव्याकरणी ॥ येकणकरधनुवी
णासौहेदूजेपुस्तकधरणी ॥१॥ तीजेअमीकमंडलझलवैचौथे
सोहेथाली ॥ आदअंतअवतारभवानी सेवगनेप्रतिपाली॥२॥
छंदपिंगलभेवनजाणूनहिजाणंव्याकरणी ॥ केवलभगतिक
रौकेशवकीकलमलमायाहरणी॥ ३ ॥कासमीरमुखमंडनदेवी
दुखखंडनसुखदाता ॥ पूरणब्रह्मपदमके स्वामीवरद्योसारद
माता ॥ ४॥दोहा॥जेमाताज्वालामुखी, जेजेजगतकरी ॥ बर
देअपणाभगतकौं, तुमसेकाजसरी ॥ १ ॥ पहलेध्याईपंडवाँ,

अरजुनछौटेभीव॥ नगरकौटनागररच्या,उंडीदिवाईनींव॥२॥
तुमगुनविद्यासरस्वति, जाचतनरसबकौय॥यहवरदीज्येपदम
ने,रुकमणिमंगलहौय ॥३॥ रागमारू ॥ बचनतुमारौसुभयौ
दुरगा धौलागढकीराणी ॥ बावनभैंरूचौसठजोगणालुगाडि
याअगवाणी॥१॥कृपाकरौतेरेजनऊपर निजमुखवेदवखाणी॥
सतजुगमैंतेंरक्षाकीनी कलजुगमैंसहनाणी॥२ ॥कंठांआणवि
राजौदुरगाहदैग्यानमृदुवाणी ॥ ब्रह्माघरब्रह्माणीसौहैइंद्रघ
रांइंद्राणी ॥ ३ ॥केशवकैघरलक्ष्मीसौहैरिषीमुनीजनध्यावै ॥
वडेवडेराक्षसतुमहतनियायहवेदनमैंगावै ॥४॥ अंबअराधेसेनर
सुखिया बचनसिद्धहोयजावै ॥ तेरीमहिमाकवलगवरणूं जन
पदमइयौगावै॥५॥दोहा॥संसारसागर अधिकजल, सूझतव
रनपार॥गुरुगोविंदकिरपाकरौ, गावैमंगलाचार॥१॥गुरुगोविं

दमताइये, हरिथरप्याब्रहमंड॥येकखंडब्रहमंडमें, जेथरप्यान
वखंड॥२॥सुरतेतीसूवीनवाँ,ब्रह्माविस्नुमहेस॥जटाजूटगंगाव
है, कंठविराजैसेस॥३॥ सावत्रीपतिवीनवाँ, आदिब्रह्मअवतार
॥सकलसृष्टिज्यानेरची, पंथचलावणहार ॥४॥ रागमारू ॥
ब्रह्मावेदानिगमरोनायक भूलांनेसमझावे ॥ चितदेसुनेकू
स्नकोमंगल मौख्यमुक्तिफलपावे ॥ १ ॥ मंगल सुनेमहासु
खउपजै मनइक्ष्याफलपावे ॥ कायाकष्टकदेनाहिंब्यापैजलपद
मइयोंगावे ॥ २ ॥ ॥ दोहा ॥ ब्रह्माजीकोसुमिरिये, जल
थलकियोविचार ॥ च्यारवेदचवदेभवन, सबकोसिरजनहार
॥१॥रागमारू॥च्यारूँवेदभवनचवदेमें सबमिलसिरजनहा
रौ॥ नारदसारदसनकसनंदन संकरसेसापियारौ ॥१ ॥चवदे ॥ २ ॥
इंद्रराजसबकरिहैं दिनब्रह्माकोसारौ ॥ वृधउमरब्रह्माबणिवे

ठौ प्रहरुद्रकोन्यारौ॥२॥ब्रह्माभवनतीनकौनायक अग्यास्र वरतावै ॥ हिरदेधरिकेसुनिहैं मंगल भगतिमुगतिफलपावै ॥ ३ ॥ मंगल सुण्याँ भगति होय आवै प्रभुकौदासकहावै ॥ कायानिर्मलसहजहोइजावै पदमइयोजसगावै ॥ ४ ॥ दोहा ॥ परमेश्वरकौंवीनवाँ, श्रीपतिअलखअभेव ॥ तीनूंलौकउपाविया, भवनचतुर्दसदेव ॥ १ ॥ रागमारू ॥ भवनचतुरदसदेवदामोदर जलथलजीवउपाया ॥ दसअवतारधऱ्या अविनासी आपगरभनाहिं आया ॥ १ ॥ परमेश्वरकूंवीनवाँजी थरप्याप्रथीअकासा ॥ चंद्रसूरताराजिनथरप्या पाणीपवन प्रकासा ॥ २ ॥ परमेश्वरकूंवीनवाँजीजिनथरप्याब्रह्मंडा ॥ जल थलजीवउपावियाजी सप्तदीपनवखंडा ॥ ३ ॥ मेघमालजिनथरपियाजीकराहियादिवसऊराते ॥ रजनीमेंता

राद्दरसाया विनसायापरभाते ॥ ४ ॥ शेषनागसिरधरणीथ
रपीजलपातालपठाया ॥ ऊपरजलधरनीचेकीनाविचविचकु
शवसाया ॥ ५ ॥ दानाँमारणदेवउधारण जुगजुगमेंहरिकी
याँ ॥ देवनिरंजनआग्यादीज्ये भक्तआपकीलीयाँ ॥ ६ ॥
सोइसोइरूपधऱ्यानारायण सोइसोइपरगटजाणों ॥कुरुनको
पांसिसपालउधाऱ्यौ रुकमणिव्यावबखाणों ॥ ७ ॥ कवलग
कहूँकहाँलौंबरणूंशेषपारनाहिंपाया ॥ पदमकहैतेरिलखीनजा
वैविनथंभेमंडछाया ॥ ८ ॥ व्यावतणीमृदुबाणीबोलाँ राग
रंगसुरगावाँ ॥ चंदनचर्चचतुरभुजपूजाँदासपदमबलिजावाँ
॥९॥ दोहा ॥ गौरीपतिनेवीनवाँ, नादेसुरअसवार ॥ जटाजूट
गंगाबहै,कंठभुजंगाँहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कंठभुजंगाँहार
विराजै अरुसोहैमृगछाला ॥ चंद्रलिलाटरवीज्यूंचिमकपन्न

गभूषणसाला ॥ १ ॥ सेलीसिंगीडमरूकरमैं औरवणी श्रम
माला ॥ ब्रह्माप्रगटकरेसृष्टीकूंविष्णू पौषणवाला ॥ २ ॥ पर
मगतीविसनूसैंतुमरीराक्षसवचनादिराया ॥ जौजौ राक्सहुये
भवनमैंतुमहीवचनसुनाया ॥ ३ ॥ नंदीगण अरुस्यामकार
तिकबीरभद्रमनभाया ॥ आदिप्रभूअवतारधारिके सबकूआ
ननिभाया ॥ ४ ॥ अजर अमर अविन्यासीकिहिये सर्वरिषिन
मनभाया ॥ पदमकहैप्रणमौशिवशंकर रुंडमालल्टकाया
॥५॥ रागमारू॥गौरिंगकौकंथभणीजेहसहसवचनउच्चारे ॥
जटामुकुटसिरगंगखलहलेखगअसुरांसिरडारे ॥ १ ॥ माथे
सेलीगलरुंडमाला करमैं डमरूराजे ॥ भांगधतूराविषमअ
हारीकंथगवरिकौछाजे ॥ २ ॥ उडुगणपतिजाकेसीसाविराजै
सुरतीबिचारनहोई । पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी पारबतीपति

साइ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ परमगुरूगुरुदेवजी, रहौकृपालसहाय ॥
तादिनकरमस्तकधरचौ, भागजुप्रगटचोआय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ गुरगौविंदकूंवीनवाजी अविन्यासी आदेवा ॥ तन
मनगुरपैवारणाँजी करूँगुराँकीसेवा ॥ १ ॥ गुरपूरेपरमातमा
जीगुरतुमदीनदयाला ॥ जबतुमकृपाकरौस्वामीजीमिटजा
यकालअकाला ॥ २ ॥ गुरुबडेपरमारथीजी सीसहाथधरदी
न्हाँ ॥ ध्यानधरचौगुरदेवतुमारौ जनअपणाँकरलीन्हौँ
॥ ३ ॥ गुरुमेरेमातापिताजीगुरुहैभाईबंधा ॥ अगमअगोच्चर
तुरतभतायातौडदियाजमफंदा ॥ ४ ॥ देवगुरुतुमआग्या
दीज्यौजडबुधदेवौबहाई ॥ पदमकहैगुरग्यानमतौवाभक्तिमु
क्तिफलपाई ॥ ५ ॥ गुरगौविंदकेसरणेआयौकुलकीलज्जाफे
री ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामीआसापूरौमेरी ॥ ६ ॥ ॥ राग

मारू ॥ कंठीतिलकबण्यौंहिरदांमैंमन आयौंबिसवासौं ॥
जबतुमकृपाकरीस्वामीजीकटगइजमकीपासौं ॥ १ ॥ ज
मकापाससहीतुमकाटेसरणतुमारीआयौ ॥ जबतुमकृपाक
रीस्वामीजी तबगुरुनामसुनायौ ॥२ ॥ दुखखंडनसुखदायक
स्वामी गुरतुमदीनदयाला ॥ दासपदमपराकिरपाकीज्यौ
अंतरकरौउजाला ॥ ३ ॥ यादांकियौहरिपदमने, लियाहजूरबु
लाय ॥ अग्यादीन्हीस्यामने,पीतांबर पहिराय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥ पायलग्यौहरिकेपदमइयौ बैठेजादवराई ॥ कृस्नरु
कमनीकीरतगावौ निजमुख आपसुनाई ॥ १ ॥ रुकमणि
कहैसखातुसुनियौराच्यियौ च्चितलगाई ॥ यौमंगलपरगटतुम
करियौपुरीद्वारकामाँई ॥ २ ॥ अग्यालेपदमइयौआयौनि
जमुखमंगलगाई ॥ ज्यूंअग्यादीकृष्णरुकमणी कियउचार

सुखदाई ॥ ३ ॥ सुरतेतीसूंअग्यादीज्यौ रायरंगसुरगावाँ ॥
पारब्रह्मतुमपारलंघावौंरुकमणिव्यावरचावाँ ॥ ४ ॥ दोहा ॥
रुकमणिमंगलगावताँ, हुवैंपवित्तरगाम ॥ कायाराकलमिस
झरे, हौतसुचीसबधाम ॥ १ ॥ नरनारीमंगलसुनैं, हरिचर
णाँचितल्याय ॥ नारीअमरापुरबसे, नरवैकुंठाँजाय ॥ २ ॥
व्यावलौभागीरथी, श्रीभागवतपुराण ॥ बोलेराणीरुक्मणी,
सुनियौभगतसुजाँण ॥ ३ ॥ कूडमतीनाभाखियौ,कथियौसो
हौपरवाँण ॥ यहकीरत श्रीकृस्नकी, समझरकरौबखाँण
॥ ४ ॥ म्हेंम्हारीमतसूंकहूँ,लीज्यौस्यामसुधार ॥ पदमभणैं
प्रणमूँसदा,भक्ताँप्राणअधार ॥ ५ ॥ गननायकगनराजकूँ, वि
नवाँबारंबार ॥ आरंभ्यापूरणकरौ, रचद्यौमंगलचार ॥ ६ ॥
॥ रागमारू ॥ गवरीनंदगणेसमनाऊंसबकूंसीसनवाऊं ॥

सुरतेतीसूं अग्यादीज्ये रुकमनिमंगलगाऊं ॥ १ ॥ कृस्न
रुकमणीअग्यादीन्हीं निकटहजूरबुलायौ ॥ नंदकंवरराधा
वरजूकौ पदमइयोजसगायौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ सदाभवानी
दाहिनी, कीज्योमौरिसहाय ॥ कीरतगाऊं श्रीकृस्नकी, ली
ज्यौआपवणाय ॥१॥ रागमारू ॥ लीज्योआपवनायभवानी
निजसेवककरजानौं ॥ कृस्नकौपासिसपालसंघारण रुकम
निव्यावबखानौं ॥ २ ॥ पूरबजनमकीसीताकहिये लछमी
जनमसुजानौं॥रामचंद्रअवतारकहीजे वसुदेवपुत्रबाखनौं ३॥
जहाँजहाँभीरपरीभगतनमेंपरमधामसूंआये ॥ पदमभणेप्र
णमेंपायलागूंजादवनाथकहाये ॥ ४ ॥ इतिमंगलाचरणअष्ट
पदी ॥ अथकथाप्रारंभः ॥ रागमारूकौदोहो ॥ दक्षिणदेशसु
हावणौं, राजाभीवनरेस ॥ गढचौरासींगंजणा, शेसपचायण

देश ॥ १ ॥ रागमारू ॥ शेषपचायणदेशभणीजे पाचपुत्रयेक
बाई ॥ त्रिभुवनतारणजगतउधारण सिंधुसुतायहआई ॥१॥
कुलीछतीसूंजातभणीजेघरघरमंगलचारी । चावउछावसक
लनगरीमैंब्राह्मणवेदउचारी ॥ २ ॥ रतनजडितकेभवनबनेहैं
मोतिथनलूवाँलागी ॥ कुन्नणपुरकेभवनदेखिकेभयेविप्रअनु
रागी ॥ ३ ॥ तिनकेपुरबजनमालियोलिछमीघररुकमण अव
तारा ॥ भींवनरेश्वर अधिकदानादियनौपतबाजैंद्वारा ॥ ४ ॥
पंडितवेगबुलायाराजाजनमनखत्रदिखाई ॥ ब्राह्मणकहैनख
तरकरडा नामरुक्मणीबाई॥५॥वारशनिश्वरसिद्धजोगहैस्वा
तनखत्तरजाई ॥ ६ ॥ लक्ष्मीकौअवतारहुवौहै रुकमणनाँवध
राई ॥ राजासैंजौसीइमबोलैअठसिधनौनिधछाई ॥ ७ ॥
गलीगलीमैंनारकेलहैंबागरहेगरणाई ॥ घरघरबंदरबाललगा

ईसुगंधरहीलिपटाई॥८॥ राजाभींवघरबँटतबधाईहाटबाटरंग
छाया ॥ चौहटडासिणगारकरायासखियनमंगलगाया ॥९॥
हगमगरहैंअधिकच्चतुराईपुरषनबालगौपाला ॥ छलमीमंद्र
बसेसबहीकेब्राह्मणकियेनिहाला ॥ १० ॥ अधिकअधिकसुं
दरच्चतुराईघुडलागिण्यानलेखा ॥ कुन्नणपुरासिंणगारऔपमा
गावैपदमनसेखा ॥ ११ ॥ दोहा ॥ सुजससुण्यौंस्वरलौकमें,
नारदअपणेकान ॥ वीणामैंझीणासुरां, करतचलेगुणगान ॥
॥ १ ॥ छंद ॥ एकसमेनारदगुसाईभवनभीषमकेगये ॥
करजोरराजाभीमठाढौमुनिकेसेआवनाकिये ॥ १ ॥ आरती
बहुभाँतिकीन्हीजोरकरपूजाकरी ॥ ताहिदिनराजाभीषमनें
आसिकामांगीखरी ॥ २ ॥ रागमारू ॥ नारदकहैंसुनोनृप
मेरीलछमीरुकमणबाई ॥ द्वारावतीसगाईकरदौऔराठिका

णौनाहीं ॥ १ ॥ छपनकौटजदवनकौराजा नंदजुकोलालक
न्हाई ॥ श्रीगिरधरसूँकरौसगाई जादवजोडेनाई ॥ २ ॥
दानौमारणदेवउधारण लियौमनुजअवतारी ॥ देहवच्चनरण
वासपधारेदासपदमबलिहारी ॥ ३ ॥ छंद ॥ रुकमणीकीमा
तवौली पुत्रीचरणालागरी ॥ मनभावतावरदेहिंनारद पूर्वप्र
गटेभागरी ॥ १ ॥ मनमेंसकुचकछुहराखिकै करजोरतबैठा
ढीभई ॥ कृस्नवरतौकूवरौयहआसिकानारददई॥ २ ॥ राग
मारू ॥ नारदबच्चनकहैरुकमणकौनंदनंदनवरथारौ ॥ साँव
रिसूरतमाधुरिमूरत पीतापितांबरवारौ ॥ १ ॥ रुकमणिकहैं
सुनौरिषिराजाकथाहरिकीसहनाणाँ ॥ गौकुलमाँहीग्वालघणे
राकैसैंनिश्चयजाणाँ ॥२॥ मौरमुकटकानाँबिचकुंडलकौस्तुभ
मणिसहनाणाँ ॥ शंखचक्रअरुच्यारभुजाहैंगरुडासनअहना

णाँ ।३।च्यारुंहिंभुजाच्यारहीआयुधनंदजसौदाप्यारौ ।।पदम
भणैरुक्मणिकूंछुपकहिवरसाकूस्नमुरारौ ।। ४ ।। छंद।। रुक
मणीकौंवरदेनारदआपमुनिभोजनाकिय ।। ताहिदिनतैंकवरि
रुकमनिहरिमिलनकेव्रताकिये ।। १ ।। रुक्मनीयूंहदैठानी
कृष्णमौंकूंबरजुले ।। दासपदमकगयेनारद अंबकाहीरवर
मिले।। २।। रागमारू ।। राणीकहैइकंतपधारौप्यारीरुक्म
णबाई।। होसरवग्यआपकूंसूझैबरथौमोहिबताई ।। १।। नार
दकहैचंदेरी राजादंतबक्रसेभाई ।। जरासिंधसेकाका कहिये
चहुंदिशफिरदुहाई ।। २।। करेराजासिसपालधरापति नवखं
डमैंनाहिंछांनौं ।। पदमभणेनारदइमभाखे सत्यबचनवरमानौं
।। ३ ।। दोहा ।। नारदकहैराणीसुणौचंदेरीकौराय।। डाहल
सूसंगपणकरौदीन्हागुपतबताय ।। १।। नूपकूंकृष्णबताविया,

राणीकूंसिसपाल ॥ नारदद्रुवध्यानाखग्यौकरदानाँकौकाल॥
॥ २ ॥ दानवबधियादेवदुखपृथ्वीकरीपुकार ॥ भूकौभारउ
तारणें,लियौकृष्णअवतार ॥ ३ ॥ वार्ता ॥ राणीकूंयाप्रकार
सौंकहकेनारदजीअपणेस्वस्थानपैं जातेभये ॥ दोहा ॥ राव
रणवासपधारिया,मिलीसहेलीद्वार॥ किंणरीबाईडीकरी,किंड
रीराजकंवार ॥ १ ॥ सखीभणेंसुणुराजवीसाँभलभींवभूवार॥
याछैबाईरुकमणीभीषमगृहअवतार ॥२॥ जबराजासाँसौंकि
यो,च्चिंताबहुतकराय ॥ द्रकहैम्हारीजीविणाँ,जनमअकारथजा
य ॥ ३ ॥ बाईरुकमणिकारणेंराजाजौंवैबींद । पलपलदेखत
तनघटेनैणनआवैनींद ॥ रागमारू ॥ तालछपकौ ॥ नैणानीं
दपलकनहिंझंपै च्चितवतरेंनविहावै ॥ चंद्रवदनचूडामणिकार
ण सुरतसाँवरोआवै॥१॥असुराँमैंसगपणमतिकीज्योवेतौहैंस

बफिटा॥मथुरामह्लअखारेजीत्यादेवद्वारकादीठा॥२॥ वसुदेव नंदनअसुरनिकंदनतीनलोककोराजा ॥ पदमभणेराजाइम भापैसरेहमारेकाजा ॥ ३ ॥ सोरठा ॥भीषमसुताजनामियाँ क्रस्नसमर्पणियाँ ॥ कहतसुनतपातककटैमंगलरुकमणियाँ ॥ १ ॥ दोहा ॥ चंद्रवदनचूडामणी,भीषमगृहअवतार ॥ बंधूरुक्मइयौभलो, मंत्रिशिरोमणिसार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ कुंदणपुरमेंभींवनरेश्वर पांचपुत्रअधिकारी ॥ जिणसूंछौटीथे रुक्मणी लछमीकेअवतारी ॥ १ ॥ रुक्मइयोअरुरुक्म कंवरहै रुक्मकेसबलभारी ॥ रुक्मारथरुक्मांगदकहिये छट्ठीराजदुलारी ॥ २ ॥ राजाभींवकंवररुक्मइयौमंत्रकरेवाँ बैठा ॥ इककन्याँकूंसौवरजुगता सौवरकितनाहिंदीठा ॥ ३ ॥ रुक्मइयौकहसुणोराजाजीथेतोसगलीजाणौं ॥ म्हाँनैंतौबा

लकवुधआवै पिछलीतुमहिपिछाणौं ॥ ४ ॥ राजाभणेसुणौरु
कमइयाबरबनवारीजानौं ॥ छप्पनकौटजदुवनकौराजाजाद
वंसबखानौं ॥ ५ ॥ त्रिभुवनमांयनिधैकरदेख्योउनसमको
इयनलागै ॥ पदमभणेराजायूंबोलैरुकमैयाकेआगे ॥ ६ ॥
दोहा ॥ कंवरकनौधरयूंभणौं, टीकमयहडोजाँन ॥ गोकुलग
ऊचरावतौ,भलोसरायौकान्ह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ वृंदावनमें
गऊचरावैमिडवाल्यौरेसाथे ॥ कामनिमौहैबंसिबजावै जी
मेडणरेहाथे ॥ १ ॥ परनारीकेपल्लेझूमेमाँगेदानमहीकौ ॥ तुम
जुकहौत्रिभुवनकोराजाचौथोखंडअहीकौ ॥ २ ॥ छत्रिवंसह
तनापुरवौख्याफिरबडवाल्यौजानौं ॥ जिनकाकुलकीलज्जा
आवे तिनकोकहाबखानौं ॥ ३ ॥ दरशनकालोवौलेकूडोतनमन
धरुअभिमानौं ॥ पदमभणेरुकमइयोभाषैभलीसरायौकान्यौं

॥४॥ दोहा॥भींवभणेसुतमोहरा, थेछोमूढगिंवार ॥ औरांके भुजदोंयछैं,हरजीकेभुजच्यार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चत्रभुजने च्यारूंभुजसोहैगरुडासनगोविन्दा ॥ ब्रह्मादिकसनकादिक थरप्यासूरजअहनिसचंदा ॥ १ ॥ वासाकिकेशिरधरणीथर पीजलपाताळचलायो ॥ जलथलपवनअपरबलपानीविचावि चमुळकबसायो ॥ २ ॥ ज्यूंमरजादआपहरिबाँधीहुकमीका मचलायो ॥ पदमभणेंप्रणमेपायेलागूंविनथंभआभोछायो ॥ ॥ ३ ॥ दोहा ॥कंवरभणेसुणराजवी सांभलभींवभुवाल ॥ पुरवचंदेरीराजवी बरबरस्यांसिसपाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दमघोषराजाकोनंदनधनकोवारनपारा ॥ शिवकिरपातेंलि छमीपांईसोहैराजदवारा ॥ १ ॥ मंडारीकोठारीसोहैहस्तीतु रीअपारो ॥ आपांसंअधिकाबरलीजे अडवडियांआधारो

॥ २ ॥ सबलांसेतीसगपणकीजे पाणीपहलीपाजै ॥ कंवरभ
णेंसुनज्यौराजाजीगवल्यासूंकुललाजै ॥ ३ ॥ दूसमघोषरौ
पुत्रभणीजे इसोवली येकहानौं ॥ जिनसंगच्यढेपंच्यायणक्षौ
हणरूडीवाकीजानौं ॥ ४ ॥ जाकूंनिवेनिनाणूंराजापूरबतणौं
नरेशा । पहलीतोसबजाहूजीत्याकौंसलिथासबदेशा ॥ ५ ॥
समंदतणेजाअसरणेबैठौ नगरवसायोमांहिं ॥ डरतौघोबाहर
नांहिंआवेमांनूंमिलगयोछांई ॥ ६ ॥ कालजमनकेआगेभागौ
थांसूंकिसडोछांनौं ॥ पद्मभणेरुकमइयो भांडे भलोसरायो
कान्हौं ॥७॥दोहा॥भींवभणेसुतमांहरा,तुमहोनिपटअयांन॥
नखपरगिरवरधारियो, कुबज्याराख्यौमांन ॥१॥ सीतारीबा
हरच्यढयौं, सायरबांधीपाज ॥ धनुषबांणकरधारिके, देवसुधा
र्याकाज ॥ २ ॥ रागमारू ॥ सायरपाजसहीकरबांधीबांदररीं

छमिलाया ॥ कुंभकरणमहिरावणमाऱ्या आगेअसरसँताया १
रावणरूपदेखसीताकोअसुरकुवद्दबुधिआई ॥ रावणकेदशम
स्तकछेदे बंधतेतीसछुडाई ॥ २ ॥ बीभीषणनेंराजातिलकदे
कनकमाल पहिराई ॥ जनकसुताजबलेकर आया घरघर
बँटीबधाई ॥ ३ ॥ असंख्यजुगाँअवतारभगतहितसाखवेदमें
गाई ॥ पदमभणेंभीषमयूंभाखवहअबजादूराई ॥४॥ दोहा॥
भींवँभणेंसुतमाँहरा, रुकमणियहबरसाज ॥ जिनेअघासुर
मारिया, वृक्षअमौलिकभांज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ वृक्षअमौ
लिकप्रभुनेताऱ्यासकटासुरसंघाऱ्या ॥ नरकूबरदोऊँबलवं
तातिनकोमूलउखाऱ्यौ ॥ १ ॥ जमनाँजलमें कालीनाथ्या
बलिइजगरकूंमाऱ्यौ ॥ कंसमारधरणीसिरचूऱ्यौ जदुवन
कोकियोउबारौ ॥ २ ॥ बीरकुबलियाकुंजरमाऱ्यौ मुष्टिकम

ह्लअखाडे ॥ असुरकंसचाणूरपछाडची असुरातणेपंवाडे ॥
॥ ३ ॥ येहअवतारपँवाडाभाख्या यूंम्हेथेताजाँणू ॥ छपन
कोटजादवकोराजा जिणरोवखवखाणूं ॥ ४ ॥ तीनलोकअरु
चवदाभुवनमें नहींकिसीसेछानों ॥ पदमभणेभीषमयूंभाखे
वरबनवासीजानौं ॥ ५ ॥ दोहा ॥ कंसजतेडीपूतनाँ,जहरल
गायोगात ॥ सिसुमारनआवतभई,सुनइन्दरजकीबात ॥ १ ॥
रागआसावरी ॥ लालकौंमैंमुखदेखनकौंआई ॥ टेक ॥
रातबसीअसुरनकीनगरीदेहमाहदुखपाई ॥ पुरषनका मूंढा
नहिंदेख्याअडसटतीरथन्हाई ॥ १ ॥ जबमैंध्यानधर्‍योवैकुं
ठमैंबैकुंठखालीपाई ॥ २ ॥ येताबालकदेख्यावृजमैं इनम
जोतसवाई ॥ जोम्हेथाराबुराचींतऊँ आँखिनकीसुंहखाई
॥ ३ ॥ चितसुदजाणजसोदाराणींपलनादियाबताई ॥ चिष

लगायथनमुखमेंदीयोसूतखैंचेजदुराई ॥ ४ ॥ पडीजायजव
डोढजोजनमेंअसुरनसंक्याआई ॥ पदमभणें प्रणमेंपाये
लागूं मातांकीगतिपाई ॥ ५ ॥ छंद ॥ व्यावबैरअरुप्रीतली
यकबरीबरसूंकीजिये । राजतखतबिराजकेक्यूंग्वालकूंसुतदी
जिये॥जातकुलकेहींणसबमिलव्याहकैसेंदीजिये ॥मानबच्चन
मूंवालभीषमभूलयहमतिकीजिये ॥ दमघोषकोसिसपालरा
जातहि कन्यादीजिये ॥ जातसूरसुजातसुंदरजायसगपण
कीजिये ॥ तायकन्यांदेतसोभावचनमोरपतीजिये ॥ १ ॥
रागमारू तालछपकौ ॥ भरीसभामेंइंद्रकोप्यावृजसूंभेटन
आई ॥ यावृजऊपरजलबरसावोसबकूंदेवोबहाई ॥ १ ॥
आवरछनकौंआदिलेकेच्यारूंपुत्रबुलाई ॥ वरस्योघनअंतर
मुरधारा परबतलियोउठाई ॥ २ ॥ राजाभींवभणेंरुकम

इयाकिंणराजाकौंदीजै ॥ औछेजगेसगापनकरताँमाँनवडाई
छीजै ॥ ३ ॥ पूरेसगेसगारतकरताँ वाकेसरणेरीजै ॥वसुदेव
नंदअसुरदलगंजन उनकौंकन्यादीजै ॥ ४ ॥ बिलमनकरो
हुकमउरधारौ पीछौंज्वाबनदीज्ये ॥पद्मस्यामतेरागुणगावै
काम्मभलेराकीज्ये ॥ ५ ॥दोहा॥ चमाकिकनीघरउठिचल्यौर,
घर जायपूंछीमाय ॥ तखतचंदेरीछोडिके, लूगपण अकुलक
राय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सातवरसकीबाईरुकमणीसखिसं
गखेलणजावै ॥ कौटिकअरुणअंगकीसोभा विद्युतरूपलजा
वै ॥ १ ॥ राणीकेमनाचिंताउपजीकुँवारिबडीअबहोई ॥ पुत्र
बुलायरुकमनेंभाषेबरसौधीज्योकोई ॥ २ ॥ राणीकहैसुणौ
रुकमइयारुकमाणिबींदाविचारौ ॥ साखाँसिरेसरीखौ सगप
णकारजसुधरेथारौ ॥ ३ ॥ कहरुकमइयौसुणहेजननीराजा

मंत्रिपठावाँ ॥ बडाघराणाँबाईब्यावाँतौजगमैंजशपावाँ ॥४॥
चंदेरीसिसपालधरापतिजिणनेकौकबुलावाँ ॥ पदमभणेयूँ
कहअभिमानी राजदुवारेजावाँ ॥ ५ ॥ रागमारू तालछपकौ
॥ रावऔरवरहेरमात: थारेमनकांइभावै ॥ माखनचौरछा
छकोदानीं तिनकौंरावसरावै ॥ १॥ गजदलठाटगढाँरीतपूरीत
खतचंदेरीसोहै ॥ च्यारकूँटनवखंड विचालेइसडो औरनको
है ॥२॥ नेमधरमकीसबविधजाँणैं नगरधरमकीपाजा ॥ सुँ
दरवरसिसपालभणींजेतायनझंपैराजा ॥ ३ ॥ रुकमइयाका
वचनसुणसुणहिवडामाँहींसाल्यौ ॥ देखोमातराजाभीषम
कीकरेजँवाईग्वाल्यौ ॥ ४ ॥ मातासुतमिलमंत्रविचारोदोष
नलागेकोई ॥ करोसगाईदेरनकीजैहोनीहोयसोहोई ॥ ५ ॥
रुकमइयाकावच्चनसुनेसुनगाढोमतोडपावो ॥ विप्रबुलायरु

लगनलिखबोन्येंदेरीपहुंचाबो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ रामरणबासुप
धारिया,राणीसूंनतजाय ॥ रुकमकंवरउचारदियो,करताको
टलपाय ॥ १ ॥ रागमारू ताल छपको ॥करताकोटलपाय
नरेस्वरबिघनाओछीबाणी ॥ राणीअणेसुणोराजाजीम्हेंथा
रीमतजाणी ॥ १ ॥ राणीअणेसुणोराजाजीयेहीबातमनप
रो ॥ रुकमइयोथारीपतरायेवेठानेंठामूंलो ॥ २ ॥ राणीअ
णेसुणोराजाजीथारीबातनमाहें ॥ थांनेराजाबडपणदीन्हों
नेठकरोठकुराई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ येकजायरमेंदोमता,भलोका
यसेंहोय ॥ पुरूषतुम्हेंदेवता,सुतपूजैंजोय ॥ १ ॥ भीमक
वाच ॥ रागमारू ॥ नांय चोखोअपणोंकळजारेयेसीमुन्हमूंक्हा
रो ॥ पिताबचनसूंखलामहिंमानेंरुकमकंवरआपगारो ॥ १ ॥
राजाअणेंसुणोराणीतुमयहबातनांसोहें ॥ चतुमअणेंसुणोआवे

लागूंकरदेवौविनकोई ॥ २ ॥ रागआसावरीतालदीपचंदी ॥
कहातेरेवृन्दावनमनमान्यौ ॥ टेक ॥ राणीजीजनकेराजादे
वृन्दभयोकुमजान्यौं ॥ १ ॥ जातपांतकुलनाकेनांहीं सोतेकम
जिनठान्यौं ॥ २ ॥ वृंदावनमेंगऊचरावैकांधेकामरकोन्यौं
॥ ३ ॥ चहुमभोंरांणीयोंथाहे नौनमुकटवाकोबान्यौ ॥ ४ ॥
॥ रागसोरठ ॥ मोलोराणींमाथरीहोगिरधारीनेवरणाव्यां
॥ टेर ॥ सतकुकमइथोथेकलमानेकहसिसपालखुलाव्यां ॥
॥ १ ॥ वोसिसपालचंदेरीकोराजाम्हेत्रिभुवनपतिव्यास्यां ॥
॥ २ ॥ जोहरिम्हारेमनवचमानेअरचेठामातिपास्यां ॥ ३ ॥
प्राणतजूंपणमाहींछाडूंहकमतीरथवेठास्यां ॥ ४ ॥ पदम
स्यामजोहरिनाहिंआवैतोमरस्यांबिनव्यास्यां ॥ ५ ॥ दोहा ॥
राणीसूंराजाकहै,सुणोंप्राणआधार ॥ तीनलोकपतिकृस्नकी,

रुक्मणिंहैवरनार ॥ १ ॥ रागमारू तालछपकौ ॥
तीनलोकक्केनाथक्केसौंकेताकियापंवाडा ॥ मारेदानवदेवउ
बारेअनगिनदैत्यखंपाडा ॥ १ ॥ बालरूपहोयहतीपूतनांपह
लप्रवाडाकीया ॥ माईसऊयासिरीधरजोसींचिप्रजानजिवदी
या ॥ २ ॥ मह्लअखाडेहस्तीमान्याकरसेंदशनउपारो ॥
कालीनागनाथकरल्यायायानखपरागिरवरधारो ॥ ३ ॥ मान्यो
कंसकेसगहकेसोजनप्रहलादबचायौ ॥ उग्रसेनपराकिरपाकी
नींराजाकरबैठायौं ॥ ४ ॥ दोहा ॥ भगतजानिहरिअवतरे,
राजादशरथधाम ॥ परणींसीतांपैजकर,धनुषचढायोराम ॥
॥ १ ॥ रागमारू ॥ धनुषचढायाकियादोयकुटका राजासबमु
खजौंहे ॥ सुरनरमुनिजनरहेअचंबे ब्रह्माकामनमौहे ॥ १ ॥
रावणकादशमस्तकछेद्या दियौंबभीषणराजा ॥ परसरामछ

त्रीवंसकाटच्या शस्त्रअवधपुरसाजा ॥ २ ॥ वाराहरूपहोय
प्रथिलयायौ जाणैसकलजिहानां ॥ मच्छरूपहुयवेदनिका
ऱ्या ब्रह्माकरेबखाना ॥ ३ ॥ बावनहोयकरपृथ्वीमापी
बलिपातालपठायो ॥ नृसिंहरूपहोयहत्यौहिरणाकुसजन
प्रह्लादबचायौ ॥ ४ ॥ जहाँजहाँभीरपरी भगतनमेंवहांआ
पचालिआयो ॥ पदमभणेंबुह्माअवतारी बहुताकामबनायो ॥
॥ ५ ॥ रागसोरठ तालठुमरी ॥ राजाबरहेऱ्यौकारौका
नौ ॥ टेक ॥ जानीतुमारीअकलरावजी बूधसमैंविणछानौं ॥
॥ १ ॥ साठीबुद्धगईअबथाँकीपुत्रकहैसोमाँनौ ॥ २ ॥ बृंदा
वनमैंधेनुचराई माँग्यौमाहिकोदानौं ॥ ३ ॥ भटकतफिरचो
गोकुलगलियनमैं कैसोरावबखानौं ॥ ४ ॥ अबहोतजौराव
हटअपना लोगहँसीघरहानौं ॥ ५ ॥ अरिभयमाँनबस्यौसिं

धूमैंवौन्हौंसुंनाहिंछानों ॥ ६ ॥ यौंमिलसगालनंदैरीकोराजा
लालनमहौंकौरानौं ॥ ७ ॥ उनकौंतनौंगालधीकैंतैंलाजनेक
उरआनौं ॥ ८ ॥ व्याहनआवैवंदैरीगिरमालि थक्कुतुमनिऋष्य
जानौं ॥ ९ ॥ पद्मभर्णेरागीगौंसुमावथेमागौंमतमाजौं ॥ १० ॥
दोहा ॥ राणीकहइराजासुणौं, थेहीअरजमहाराज ॥ तुमनेका
मालामर्जौं, कँवरसुधारैकाज ॥ १ ॥ राजासुंरांणीकँवर,
मंनीजाडैहात ॥ करजोन्याविनतीकँरा, सुणौनोनेमनलाल ॥ २ ॥
रागमारू ॥ सुणौनवेखबरबातहमारीव्याहतणीसुअराखौ ॥
भलीबुरीमैंरहौनिराछानोमकैंवरासिरनह्वाखौ ॥ १ ॥ ऊकमइ
यौभाँतिमरसेराजाकहीसुनीनहिंमानैं ॥ कुछअभिमानवडाई
रावैवेकैमनहिंजानैं ॥ २ ॥ अमुरतणाँदलकपरहरव्योला
डयोत्रिभुवनराइ ॥ पूरणब्रह्मपद्मकेस्वामींजिनथहसाहि

चपाई ॥ ३ ॥ रुकमनीवचन ॥ दोहा ॥ बंधुमातमानीनहीं,
पिताकहीसौबात॥कृस्नतजेसिसपालकौं,पाणीग्रहणकरात ॥
॥ १ ॥ रुकमइयाकीबातसुण,रुकमणिन्धकौरिसाय ॥ नैन
मूंदेऔंसूपड़े,सरवरज्यौंबणजाय ॥ २ ॥ कहुलोनीरसवाहलयूँ,
कैआवैगोपाल॥ प्राणतजूँयाबीरपै,नहिंपरणूँसिसपाल ॥ ३ ॥
रागमारू ॥ सौंवणकीवेलीजसहेल्यौंसबमिलकरहाँवणन्धा
ला ॥ कनकभुनकपगनेवरबाजैसुघडसहेल्यौंसँगहाली ॥ १ ॥
औरसहेल्यौंईरौतीरौंरुकमणणीस्वयमारी ॥ जबजरुमाहीरू
वणलागीयाबकियागिरधारी ॥ २ ॥ मुजापकड़हरिलाड़लौ
नीयाकौंदृणातबिचारी ॥ कौनदेसमैंजनमतुम्हारोकौनघरा
अवतारी ॥ ३ ॥ कुँनकौंपुत्रमैंजनमहुआरौभीवघरौंअवता
री ॥ नानीरुषीचणमायसौलखणदिव्याजातभँवारी ॥ ४ ॥

बाचादेहभींवकीकँवरीजबथेघरांपधारो ॥ बाचातौम्हेजबही
देऊंरूपचत्रभुजधारो ॥ ५ ॥ रूपचत्रभुजधाऱ्याहरिनेसोभा
अनतअपारो ॥ औरांनेंतौ धुडलासोहैकृष्णगरुडअसवारो ॥
॥ ६ ॥ शिवबाचाअरुब्रह्माबाचाबाचाकृस्नमुरारी ॥ जनम
जनमकासाहबमेराहूँअरधंग्याथाँरी ॥ ७ ॥ कहैकृस्नजीसु
णोरुकमणीथेतौखुसीरहीज्यो ॥ माबटाकोइमतौउपावैकाग
दबेगोदीज्यो ॥ ८ ॥ कहैरुकमणीसुणोकृष्णजीथाथेभलीसु
नाई ॥ लगनसाँकडेसावोदेवैकागजपहुँचेनाँई ॥ ९ ॥ काग
दलिखामिस्सरनेदीज्यो येकमजलआयरेसी ॥ येकघडीओ
रयेकरातमैंकागदआयरदेसी ॥ १० ॥ वाचादेयभींवकीकँव
रीरंगमहलमेंधाई ॥ औरसहेल्याँकबकीआई तेकयौंवारल
गाई ॥ ११ ॥ जलमेंमाताम्हाँवणलागी आगयेकृस्नमुरारी॥

वाँदेखतबाहरनहिंनिकसीलाजकरीअतिभारी ॥ १२ ॥ फिट
फिटहेम्हारीबाईरुकमणीकुलकूँकाठलगायौ । बडाघराँरीबेटी
होयकरजायग्वालबतलायौ ॥ १३ ॥ फिटफिटहेम्हारीमा
यसुलखणी उठउठजायपरारी ॥ पदमभणेंभणमैंकहरुक
मणम्हारौवरागिरधारी ॥ १४ ॥ दोहा ॥ पंडितबेगबुलाइया,
लीन्हानिकटबिठाय ॥ लगनलिखावौराजरा, नीकासौधबना
य ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सगला दोषनछोडौजोसी निरमल
सावौकाढौ ॥ पत्रीदेखरपाटौमांडौघडीमोहौरतसाधौ ॥ १॥
जोसी भणैंसुणौराणीजी निरमलसाहौकाढचौ ॥ इणसावामैं
चूकनहापिण सुकनाँस्वामीआडौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ कँवरक
है मंत्रीसुणौ, रावबुलावौतेज ॥ लगनलिखायोबाईराजको,
देवाँचँदेरीभेज ॥ १ ॥ रागमारू ॥ मंत्रीभेजदियोहलकारौ

सुरसतभाटबुलायौ ॥ रुकमकँवरजीयांदाकियाछैंसुनतवचन
उठधायौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटसवेलौआयोचोपदारगुदराया॥
जांयसभामेंमुजरोकीन्हौंटीकोहातधरायौ ॥ २ ॥ बाइरुक
मणिकोलगनालिख्योछे नृपकोमतीसुनावौ ॥ जावौगुपतक
हौमातीकिणनैंतीखाखडनैं धावौ ॥ ३ ॥ विसटालासूंकामन
हींछैसिसूपालकरदीज्यौ ॥ कहपदमइयौकँवररावसूं अरुमु
खवंचनांकाज्यौ ॥ ४ ॥ दोहा ॥ टीकौडाहलतोडियौ, पुरमैं
मंगलचार ॥ राजाभींवअरुरुकमणी, दोनूंकरैविचार ॥ १ ॥
॥ रागमारू ॥ बोलैरुकमणिसुणमहाराजाथधाऱ्यौगिरिधा
री ॥ रुकमइयेराणीडाहलसूंकरीसगाईम्हारी ॥ १ ॥ बोलै
राजासुणबाइरुकमणिपरणास्यांवनवारी ॥ छपनकोटिजाद
वसंगआसीवलदाऊहलधारी ॥ २ ॥ तेतीसक्रोडदेवताआ

सीशिवनंदीअसवारी ॥ सिसुपालाकीसैन्यांमारेभूकौंभार
उतारी ॥ ३ ॥ भगताँहेतधरैअवतारोदासजाणकरआवै ॥
सबलाँनैछाँडैगिरिधारीअबलांमानबधावै ॥ ४ ॥ दुष्टानैंतौ
कालौदीखैभक्ताँभूधरगोरौ ॥ पदमभणैभीषमयूँभाखैबरवन
बारीतोरौ ॥५॥ दोहा ॥ सुरसतभाटचढाविया,तुरीअमोलक
आँण ॥ पवनजवेगउतावला,वेगावेगपिलाँण॥१॥रागमारू॥
तुरीपलाणौवेगकरौनैवाटांविलमनकीज्यौ ॥ बटवाल्यासैवा
तनकीज्यौवेगाकागददीज्यौ ॥ १ ॥ सुरसतभाटचंदेरिनैचा
ल्याफूल्यौअंगनमाई ॥ विधवानारिडुसकती कन्यासौंही
आडीआई ॥ २ ॥ तिलकविहूंणौमिलौपांडियोउरधाकेसा
नाँरी । मालमुकदमैंमिल्यौचौधरीउँधेघडेपिणियारी ॥ ३ ॥
मूंडमूंडियामिल्यामौडियाविनमुद्राकाजोगी ॥ छुरीमारग

तराडामिलियासाँम्हांमिलियासोंगी ॥ ४ ॥ ल्यालीजरखदू
डियामिलियाखोटासुगनखवांरी ॥ सुरसतभाटखाटमैंऊभौ
लीन्हाँसुकनविचारी ॥ ५ ॥ इतरातौउणआँख्यादेख्याऔर
सुण्याभीकानां ॥ म्हारैतौघरकुसलरहीज्योपडौबींदकीजा
नां ॥ ६ ॥ येतौसकुनपालसबहूवाजायरकरसूंकाँई ॥ सुरस
तसुकनसोचमनमाँहींमुतलबअगलौनाँहीं ॥ ७ ॥ दोहा ॥
सुरसतसकुनबुराहुवा, चंदेरीकी ओर ॥ बाँवींबोलेकोचरी
फौहीकूकैमोर ॥ १ ॥ रागमारू ॥ तखतचंदेरीजायरपौंचा
भीतरभेदजनायो ॥ कागदलेडाहलकरदीन्हौंदूतकठासूंआ
यो ॥ १ ॥ दसहजारहेवरलिखभेज्या कागदरुकमपठा
यो ॥ कुंदनपुरमैंकँवरसूरमौंसबहीसीसनिवायो ॥ २ ॥ कुं
दनपुरकाटेवासुनके फूल्यौअंगनमायो ॥ पदमभणप्रणमं

पायेलागूंटीकोरुकमपठायौ ॥ ३ ॥ दोहा ॥ कागदडाहल
वाँचियां, मनमैंकियोविचार ॥ येकागदनाहिंभींवराकागद
लिख्याकँवार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ राजाभींवजीग्वालसरावै
कंवरसरावैथानैं ॥ साँचीबातकहाँम्हेथाँनैंकागदलिखियाछा
नैं ॥ १ ॥ रावजरासिंधतेडियाजीमेलाहुवासबआई ॥ दोनूं
राजाछत्रपतीजबबैठातखताबिछाई ॥ २ ॥ विप्रटाली
कीबीनतीजीसुणौंनरेस्वररावौ ॥ कुंदनापुरनिहचैजुधहोसी
पाखरसेलसँभावौ ॥ ३ ॥ जरासिंधजक्षयूंउठबोल्यासुणल्यौ
सभामँझारी ॥ जादूकटकविडारोंपलमैंपरणांभींवकंवारी
॥ ४ उमरावांजबबीडौलीयो पाखरसेलसँवारी ॥ इतनीसु
नकरदम्मघोषजी आयेसभामँझारी ॥ ५ ॥ कुंदनपुरकोटेवौ
आयोसबकूंबाँचसुनावौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंजोसीबे

गबुलावौ ॥ ६ ॥ दोहा ॥ डाहलजोसीतेडिया, लीनौंतुरतबु
लाय ॥ कुंदनपुरकी पत्रिका, म्हाँनैंबाँचसुणाय ॥ १ ॥
॥ रागमारू ॥ सतकावचनकहाँसुनराजानिगमहोयनहींझु
टा ॥ इसैमोहोरतालिखीपत्रिकाआवौभागअफूटा ॥ १ ॥
जोसीकहैसुनौराजाजीकह्योहमारोकीज्यै ॥ मृतकजोगमैं
सावौलिखियौआगैपाँवनदीज्यै ॥ २ ॥ डाहलराजाबलकर
बोल्योजोसीथेघरजावौ ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूँजोसी
औरबुलावा ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पीपाजोसीतेडिया, रंगतखतबै
ठाय ॥ कुंदनपुरकीपत्रिका, म्हाँनैंबाचसुनाय ॥ १ ॥ राग
मारू तालछपकौ ॥ पीपाजोसीटेवाबाँचै सुणरेडाहलराई ॥
वैतौआपकृष्णकीनारी थारेलायकनाँहीं ॥ १ ॥ क्याँनैंरा
जाकरौसागतीक्याँनैंजानबनावौ ॥ रिषिपंचकमैंलिखीपात्रि

काफेरालेणनपावौ ॥ २ ॥ डाहलराजाबलकरबोल्यौजोसी
थेघरजावौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेंलागूंजोसीऔरबुलावौ
॥ ३ ॥ दोहा ॥ संमनजोशीतेडिया, रंगतखतबैठाय ॥ कुंद
नपुरकीपात्रिका, म्हाँनैंबाँचसुणाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पो
थीखोलरपाटामांडाघडीमोहौरतकाढौ ॥ यहसावामैंचूकन
हींहै सकुनस्याँमहीआढौ ॥१॥ दसूंदोषसावाकाछाँटूँरासाँव
गमिलाई ॥ कुँवररावकाकरूँजौरवा नवग्रहकरौसहाई ॥ २ ॥
लातपातयामित्रउपग्रहयुतीवेधभीनाहीं ॥ क्रांतिसाम्ययेका
गलदीखै मृत्युपंचकहैमाँहीं ॥ ३ ॥ संमनजोसीमनमैंडरपै
सिसपालौबलखावै ॥ जेहुंसावोखोटौकहसूंनगरीबारकढावै ॥
॥ ४ ॥ थालौडीपरभदराअटकीपतराखम्हारोसाँई॥ पदमभ
णैंजोसीइमसोचैफेरालेणनपाई ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रावरसोडैप

धारिया, लीन्हौंअपनौंसाथ ॥ कुंदनपुरकाभाटनैं, भलाजि
मावौभात ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बहुविंजनपकवानमिठाईमि
सरीखीरमिलानी ॥ कुंदनपुरकासरसभाटकीखूबकरीमिज
मानी ॥ १ ॥ घुडलापाँचसातदसदीन्हाँभलौमनोरथकी
न्हा ॥ पद्मभणैंसिसपालभाटकौंमुखमाँग्योसोहिदीन्हौं
॥ २ ॥ दोहा ॥ रावरनवासपधारिया,बाभीसूँ बतलाय ॥
टीकोआयोरुकमालरौथारैमनकांइभाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥
सुरसतभाटसंगलेआयोडोडचाँभीतरधायो ॥ कुनणापुरको
टीकोआयोभावजनैंबाँचसुनायो ॥ १ ॥ बाभी भणैंसुणौ
म्हारादेवरयाकाँईबातउठाई ॥ नांवजु नाँहींभींवराजको
म्हारैमननहींभाई ॥ २ ॥ बाभीभणैंसुणौजीदेवरकुंनणपुरम
तिजावौ ॥ इणअवसरथेरहौजीवताफेराहिरावकहावौ ॥ ३ ॥

थेपीयरउठजावौबामीम्हेंकुंदनपुरजास्यां ॥ भीषमकँवरिपर
णघरल्यावाँथाँरेपगाँलगास्याँ ॥ ४ ॥ म्हेपीयरतौजबसैंचा
ल्याजबथेजानबनणावौ ॥ अबही बातसमेटोदेवरक्यूंथेलो
गहँसावौ ॥ ५ ॥ आतुरहोयसिसपालोबोल्योकेडवाकांईसु
नावा ॥ छपनकोटनैंबाँधघरल्याऊंतौम्हनैंरंगचढावौ ॥ ६ ॥
थारोरंगम्हेजबहीजाणाँ जबथेपरणपधारौ ॥ सोवनचूडलौ
घरघरपडसी अपजस होसी थारौ ॥ ७ ॥ वा अरधंग्याहारि
की लिछमी थे देवरमतिजावो ॥ म्हारी कहीबुरीमतमाना
लाज खोय घर आवो ॥ ८ ॥ बहुतककही येकनाहिं मानीद
म्मघोषराजारो ॥ पदमभणैंबामीयूंबोलैभलोनहोसीथारो ॥
॥ ९ ॥ दोहा ॥ बामीकासुणकरबचन, लागीडरबिचलाय ॥
रोसभऱ्योपीछोफिऱ्यो, मनानकोधसम्हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥

बाभीमैंगुणअधिकाजाण्याजदम्हेमिलबाधाया ॥ कुंणनपुर मींषमकँवरीकाटेवाबाँचसुणाया ॥ १ ॥ सुणकरटेवारोसभ रीअतिनैणानीरवहाया ॥ होतबहौणहारकाँईथारोइसडावच नसुनाया ॥ २ ॥ रंगमँहलसिसपालपधार्‌याउत्तरतापाछिता या ॥ बाभीनगरीसेतीपूछ्चौकडवाबोलसुणाया ॥ ३ ॥ इण नगरीसूँबोलाँनाहींकरस्याँमनराचाया ॥ पदमभणैडाहलअ भिमानीक्रोधभरेभरधाया ॥ ४ ॥ दोहा ॥ डाहलकोमनऊँ मग्यो,जरासिंधपैंजाय॥कागदआयोबिद्रभदेसतैं,थांनैकिस्यौ सुहाय ॥ १ ॥ पंडितम्हांनैयूंकहे,टीकोद्योफिरवाय ॥ बाभी म्हाँनैयूंकहै, जास्यौतौपतजाय ॥ २ ॥ कहोतौटेवोझेलल्याँ, कहोतोद्याँफिरवाय॥ जरासिंधराजाबली,तुमहींकरोसहाय॥ ॥३॥ रागमारू॥ जबैजरासिंधयेसैबोल्याबोल्याछैगरवाई ॥

उठकरपाँवधऱ्योधरणीपरतवधरणीथँरराई ॥ १ ॥ दसूंदिशा
मैंचीरीभेजीद्यौरेनंगारेडंका ॥ भलीभाँतिपरणायरल्याऊँ
तोरैजरासिंधबंका ॥ २ ॥ हातकलमकागदमंगवायौमंत्रीस
बैबुलावो ॥ गादीरूपतखतकुलमंडलजरासिंधपैआवो ॥ ३ ॥
जबेजरासिंधयेसैंबोल्याबोल्यागहबरदानौं ॥ चहूंदिशामेंका
गदफेराज्यूंभटआवैजानौं ॥ ४ ॥ चापरकरौवेगखतफाडौ
कोकौरावखुमाणां ॥ यकलाखसाढ्यासाँचरिथाँछूटापवन
विवाणाँ ॥ ५ ॥ मौजाँधणींपरेवाँथाँनेंलिखियाजायबँचावौं॥
रविकेनीचेबिनबढबाल्यानवखंडाँफिरजावौं ॥ ६ ॥ रामरमीं
तौपीछेलिखज्यौबेगलिखौअसवारी ॥ येअवसरयेसौहीजाँ
णाथाँनैंसरमहमारी ॥ ७ ॥ कागदलिखोबाँचताँपहलीकाँनैं
घणीबखानो ॥ जीमाँउठहरचलूँचँदेरीइतनीहीकरमाँनो ॥

॥ ८ ॥ सायबलगसबहीन्हअबोमलीबणावौसाजा ॥ पाय
चलंतापहुंच्यारहियोलिखीजरासिंधराजा ॥ ९ ॥ दोहा ॥
टीकोआयोरुकमालरो, गढपालियाँरंगचाव ॥ हँसिहँसिमांडे
राजवी, बंधूनैंसिंधराव ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बंधूनैंसिंधराव
लिखावो थैहलथंमनआवो ॥ मंत्रीनैंम्हाराजकहतहैहमेसरी
खंजावो ॥ १ ॥ सिंधमंत्रीजबचालियाजीभेटचापवनाविधा
ना ॥ मांनसरोवरपारकेराजाराजकरेसुरताना ॥ २ ॥ कर
सुलतानसहीकेराजासिंहमंत्रीअढआवौ ॥ सबलतेजहूंराय
रराजासूतीजागजगावो ॥ ३ ॥ मंत्रीजायदियापरवानाअग
तछ्छाहबचायो ॥ कुंदनपुररुकमालकुँवरकोटीकौलेभटआ
या ॥ ४ ॥ टीकामैंदुबध्यासीदीलैनांवभीबरौनाहीं ॥ थाँके
तीसनमंगजकीयाम्हाँसूराजीनाहीं ॥ ५ सुनमंत्रीकाबच

नजयहडायूँदंताधरबोलै ॥ रविकेनीचेनवखंडमाँहींनहींसिस
पालोतोलै ॥ ६ ॥ चाँपरकरौबेगचढवाकीसबैसँवारोहाथी ॥
नोडुँखंडानैजाधरराजाचढयादंतधरसाथी ॥ ७ ॥ दोहा ॥
नादहुवानवखंडमैं, चढियादेशविदेश ॥ नौमतखानाबाजियाँ,
थरहरकंप्याशेष ॥१॥ रागमारू ॥ कंप्याशेषमहेशगिरकंप्या
छिपगये जम्मदवारा ॥ कुंडनदेसनरेश्वरचढियादलाँवारन
हिंपारा ॥ १ ॥ गिगनमंडलमैं नौमतबाजैबादलबरणानैजा॥
पहरकवचआयुधकरधारेचढेदंतधरराजा ॥ २ ॥ मधुरबोल
नकीबबहुतगुँजाराकामाणिसबहीमोहैं ॥ तखतांऊपरनचैता
थफारंगबरातासोहै ॥ ३ ॥ हिंदलतादरबारपहूंतावँटियारंग
अपारा ॥ छत्रांछत्रपतीमिलसोहै अहविरदांकामारा ॥ ४ ॥
घणेंचावसिसपालजऊठ्योतडभडऊठ्यासारा ॥ जरासिंध

सूँबाथाँमिलियाजाजमहुवाजुँहारा ॥ ५ ॥ डेराआयबागमैं
दीयादंतधराकेराजा ॥ पदमभणैप्रणमैंपायलागूंबाजैनौबत
बाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ खतपहुँच्यासिसपालका,बांचैचतुरसु
जाँण ॥ देशबंगालेगढपतीहुईपलाँणपलाँण ॥ १ ॥ रागमारू ॥
हुईपलाँणपलाँणबंगालेकरडाकागदझालौ ॥ द्वारूँधाकअरा
बोंसारा चंदेरानचालौ ॥ १ ॥ मंत्रीभणैबंगालेराजा बुधकी
बातविचारी ॥ उनराजामारतलिखभेज्या जानदूसरीत्यारी
॥ २ ॥ सुणकेमंत्रीबचनथेहड,रौसभरयारीसानाँ ॥ सिसना
लापइलीजंगझालौतौबंगालेरानाँ ॥ ३ ॥ ग्यारहलाखमांगम
रवाया आयुधअधकाझालौ ॥ बडेसाथचंदेरीचालौ दलदेख
जनैहालौ ॥ ४ ॥ सतराकुलीअसुरचढि छटयाहुवादसूँदिशमे
ला ॥ चकवेचढयाचौंसराबाज्याहुवाबंगालेभेला ॥ ५ ॥

डेराआयदियाबागमैंमिलकरबैठाराजा ॥ पदमभणेप्रणमें
पायलागूँ बाजैनौपतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ॥ घो
डागूँघरघुमघुमैं,दौनादलमैंसार ॥ कछभुजकौचकवेच्चढ्यौ,
कुम्भकरणआकार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कुम्भकरणआकार
खंडकोराजरीतठुकराई ॥ अडवडियाआधारगुमानीदम्मघो
षराभाई ॥ १ ॥ ताजीखींचेलाखखँधारी हिरनूहीरहजारी ॥
कछभुजकेराजाकीशोभाअजबवणीअसवारी ॥ २ ॥ हिरणाँ
हिरहजारीछूटाअबलकखंदअमानाँ ॥ पृथ्वीबीजसमोदलथं
भनचढ्याराजकुलदानाँ ॥ ३ ॥ सबदलआँनमिल्यौचं
देरीदानौबैटबधाई ॥ कछभुजकाराजासूँबाँथाँमिल्योजरा
सिंधराई ॥ ४ ॥ डेरादियाबागकेभीतरकच्छभुजकेराजा॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंबाजैनौपतबाजा ॥ ५ ॥ दोहा ॥

साँचरियादलसूरवाँ,कोटिगयंदाँभार ॥ साँवतसंगलदीपरा,
चढ्याजानसिणगार ॥ १ रागमारू ॥ चढ्याजानसिण
गारजुगतसूंचारूं खूंटअवाजा ॥ संचरचढ्याचँदेरीसाम्हाँ
सिंहलदीपकाराजा ॥ १ ॥ समदाँवीचाफिरेदरियाईअसल
जातकाघोडा॥वाजीशीसझपेटीयालैडाणभरेजलहौडा ॥ २॥
माहींऔरमुरातवसोहैकोइचाढियाकोइपाला ॥ घोडाहींसघू
मताभाजैसोलेलालसुंडाला ॥३॥ कूदेमझफलंगाँआरेहातग
गनदिशचालै। कछियाकाछअजवअडरडतालवाँखसीकरचा
लै ॥ ४ ॥ दलकेदालफरूकेनेजादुहानाँकाआया ॥ दुखोती
नादिवसचंदेरीदाँनाँअंतनमाया ॥ ५ ॥डेराहियावागकेअंदर
संगलदीपकेराजा ॥ पदमभणैम्रणमैंपायेलागूंवाजैनौपतवा
जा ॥६॥ दोहा ॥ मारूदेशमंडोवरा, मुरडचल्यादलपाण॥

पवनतुरीपाखरधऱ्या,जंगीहौदाभाण ॥१॥रागमारू ॥ जानी
जोरमलाचढछूटाबजेनादघणघोरा ॥ उडतापंछीउडणनापा
वैराजाचढचामंडोरा ॥ १ ॥ ठिमाठिमानैनेवरठमकेपवनरू
पकेकाणाँ ॥ हस्तीऊपरफवैअँबाडीचढेराजसुलताना ॥ २ ॥
आभामाँहिंफरूकेनेजासीरसामिलचाढिधाया ॥ दलभंजन
दानांकुलमंडनचढचंदेरीआया ॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेअंद
रमंडोवरकेराजा ॥ पदमभणैप्रणमेंपायेलागूँबाजैनौपतबाजा
॥ ४ ॥ दोहा ॥ हौलरभईदिनानमें, चढियाथेरमझूल ॥
राजाचढयोकनौजको, सिंहवदनअवधूल ॥१॥ रागमारू ॥
वअवधूलदलाँपतिराजाउमदाजाँनबनाई ॥ साँचारिचल्याचं
देरीनैदलचढताँवारनलाई ॥ १ ॥ दलपंगलसँगलईबाइसी
अंधकारधंधकारा ॥ चंदेरीकन्नौजबिचालेबंदगयायेकलंगारा

॥ २ ॥ काँकडजायसबीदलपहुंचासाँढचावेगपठाया ॥ जरा
सिंधसूँजायकरकहियोसिंधरावचढिआया ॥३॥ तडभडभई
बडेदरबारोंसबहीसाम्हाँधाया ॥ रंगमहलसिसपालडाहलके
सिंधरावचढिआया ॥ ४ ॥ आदरमानबहुतसाकीन्हाँ भुजा
पकडबैठाया ॥ आधीगादीछोडजरासिंधतखतापरबैठाया ॥
॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहीकन्नौजपतकेराजा॥पदमभणै
प्रणमैंपायेलागूंबाजेनौपतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ मरहटरामे
वाडिया, मौरीभँवरभुजंग ॥ चढ्यासिंघानेकेहरी, हुवाहमे
लारंग ॥ १ ॥ रागमारू ॥ रंगजआभौलालगुलाबीचढ्या
जानराँमाझी ॥ तडभडियाआयासबराजाजानभलेरीसाझी
॥ १ ॥ पैंडेपैंडेनचैंउरबसीचलतीकरैंबिहारा ॥ देववधूमानुच
ढीबिवानोंगावैंमंगलचारा ॥ २ ॥ बाडीबागहवाईछूटेउडता

चलैंहिमामाँ ॥ जरासिंधमेवाडपतीकीहौदे हुई सलामाँ ॥
॥ ३ ॥ डेरादियाबागकेमाहींमेवाडपतीकेराजा ॥ पदमभणैं
प्रणमैंपायेलागूँबाजैनौमतवाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ गिरवरागि
रसागराँ, तारातखततंबोल ॥ खतपोंहोंच्यासिसपालका,
दूतगयारमकोल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दूतांजायदियापरवा
नादम्मघोषराभारी ॥ थाँचाल्यासिरवंधेसहरोवेगकरोअस
वारी ॥ १ ॥ लिखियाँबाचैंरावडाहलरादिनदोयपहलीआ
ज्यौ ॥ मांढेजानदुसरीआसीजुधकोसांमोल्याज्यो ॥ २ ॥
मिसलतहुईरावदरबारांचढचौरावबडबंका ॥ चहुँदिशचढी
चाँवरीफौजाँहुवानगारैडंका ॥ ३ ॥ चढचकडोलचँदेरीआ
यातारातंबोलकेराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायलागूंबाजैंनौमत
वाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ कुलीछतीसूंसाहनी, दलाँवारनहिंपार ॥

कहुमींकाराजाचढा, फौजाबहुतसिंगार ॥ १ ॥ रागमारू ॥
मंगळदेशमल्हारकूळढोमंजळदेशमल्हारा ॥ सालतखतके
केअबहूणींचढियाक्रोधअपारा ॥ १ ॥ काबुल औरकंधारका
राजादेशदेशाकेलगाणाँ ॥ रूमसूमनौंतासबदीन्हाछोडचले
कमठाणाँ ॥२॥ प्रीयादेशखुरासाँकापरबतराजसभाका ॥
बहुदलपतीसिंधकाराजासबदतणीलैसाजा ॥ ३ ॥ भजनके
चढचालाखलेहूणाँसोभारंगसभाका ॥ बजैत्रमालफरूके
नेजा हुवादिखणदिसहाका ॥ ४ ॥ यूँकरताँचंदेरीआयादल
दानाँकाछाया ॥जोजनसातजरासिंधराजातखतछोडकेधाया
॥ ५ ॥ डेरादियामहलकेमाँहींतारातबोलकेराजा ॥ पदमभ
णैंप्रणमैंपायेलागूँबाजैंनौमतबाजा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ सिद्धश्री
सर्वऔपमा, सकलगुणागुणसार ॥ तखतचंदेरीराजवी, सैणाँ

लिखूँजुहार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सैंणाँलिखूँजुहारराजवी
सब मंत्रीजुडआवौ॥ नूतासाथसमरालिखभेजोगढमुलतानप
ठावौ ॥ १ ॥ मतवालाजेसिंधकेराजाजंगजीतभिडवानाँ ॥
बखतभाँणराजारजपूतापुरपाठनकारानाँ ॥ २ ॥ चंचलचह
नपहनइंदकेरासाथरथैहडावानाँ ॥ मौकलचापचल्याचंदेरी
खतजायादियादिवानाँ ॥ ३ ॥ नलचाखोलदियादरवाजासि
द्धश्रीरमनाँही ॥ जरासिंधसिसपाललिखीहैराजाघणीबडाई
॥ ४ ॥ अबकेकान्हकुंदनपुरआवैनीकाअवसरआयो ॥ कंस
बैरभिडवाल्यासेती राजाभींवजगायो ॥ ५ ॥ सबहिसाथ
मतवालाल्याज्यो जबलगतुमरिदवाई ॥ पायचलंतापहुँ
च्यारीज्यौ लिखीजरासिंधराई ॥ ६ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
सिंधबलीराजाभणैं, भलीसिगारीजान ॥ गादीहीकसमस्त

की, तपैबगलसुलतॉन ॥ १ ॥ रागमारू ॥ तपैबगल
सुलतॉनराजवी संगचढ्याबहुदानाँ ॥ ऊगैभॉणछिपैरवितॉई
फेरदियापरवानाँ ॥ १ ॥दसौंदिशाकाराजाचढिया गढबंका
उलगाणाँ ॥ दानाँद्वारादिवीचकबंधी फिरगयाडाकाविवाणाँ ॥
॥ २ ॥ मंगलदेसमुलकमलयागरिपाँचूं देशपलाणाँ ॥ राजा
चढेहुकमकेतावैसातलाखवीवाणाँ ॥ ३ ॥ जंबूदीपगुजराततत
लेठीनवसतनेजाधरिया ॥ मानखानपोहोलाभकुलभीमील
भूपसाँचरिया ॥ ४ ॥ सेसाजलभूपालसिभरीरूपखंडकारा
जा ॥ करणाटकडूँगरपुरदानाँहुवावैरातीसाजा ॥५॥ धाराद्रौ
णदेसधुरमंडणकौकनदेशगलारौ ॥ सेतुबंधरामेश्वरराजाअरु
बाराहमलारौ ॥ ६ ॥ आभानेरअकलंदअखंडीअरुपून्यौंपरबं
धी ॥ दिलीदीपसुनपतकाराजाअसुराँजानडमंडी ॥७॥ नाग

रचालनिमंदीराजाखाँनदेसमुगलानाँ ॥ कासीरूपचंदक्कारा
जानवलदेशसुजाणाँ॥८॥ हतनाँपुरगिरनेरगुमानींरक्कबीजरा
रानाँ ॥ मानोस्यामसेरपरबतसैंचल्यादूसरादानाँ॥९॥अलव
रियाअँबालदेशराडाकीडीगादीसे ॥ मदरासीबंगालीतिलंगा
दाँतपंजाबीपीसे ॥ १० ॥ दानाँदलडाहलकूँमावै धरतीधरेन
पावैं ॥ जँमघँटकाजोरावरराजाबखतभाँणकेतावैं ॥ ११ ॥
हबसीऔरहिडंबीकालाजबराभँवराआया ॥ सिंधीअरबउमन
टचाढिधायाभँवरपटाँवलखाया ॥ १२ ॥साँतरहुईसहसनौ
कोटी गाढीजानासिंगारी ॥ असीलाखहलकासुंडाला राव
तणीअंबारी ॥ १३ ॥ सायरझालसँमदज्यूंऊठैघटाघूमती
आई ॥ ओलाज्यूंगोलाओलारियापडीनगारीघाई ॥ १४ ॥
चंदरूसूरछिप्यारजसेतीहोगइरातअँधेरी ॥ बिवरादियारा

वडाहलनैंमोकलचल्याचँदेरी ॥ १५ ॥ चावकरेचंदेरीरा
जाजरासिंधमनभाया ॥ नवयोजनमैंजरीबाफता जरासिंध
बिछुवाया ॥ १६ ॥ सतरकोटदरवानीचाकरबखतभाँणबैठा
या ॥ राजाकरैजाँनरामोहोलाचोपदारगुदराया ॥ १७ ॥
जरासिंधसेराजालखियायेकघाटसौआया ॥ पदमभणैंप्रण
मैंपायेलागूँ देवसँयोगमिलाया ॥ १८ ॥ दोहा ॥ मदछकि
यामातांफिरैं, जाँणबामडाभूत ॥ कलहजबाज्याँकाहला,
जाणकजमराहूत ॥ १ ॥ अधिकउम्हाऊअचपला, सायरजि
स्यासपूत ॥ झटकासूँबटकाहुवैं, थलबटकारजपूत ॥ २ ॥
(अथसिसपालाकेस्नानउबटणकीकथा) ॥ दोहा ॥ चंदन
चौकीउबटणाँ, दुलेहनाँसिसपाल ॥ निनाणवैंराजाजुड्या,
झलकेमोतियनमाल ॥ १ ॥ भावजमहलपधारिया, घूँमत

॥ २८ ॥

डासिसपाल॥मदमातौइमभाखियो, थारेउठीकाँईझाल॥२॥
॥ रागमारू ॥ ब्यावउछावमंगलनहिंगावोमुखडोक्यूंमुरझा
यो ॥ म्हारैतोशिरबँधेसेहरोथारेमननहिंभायो ॥ १ ॥ भाव
जमणैंसुणोरायजादाकुंदनपुरमतिजावो ॥ म्हासूं छोटीबहन
सुलखणीं तिन्हेंपरणघरल्यावो ॥ २ ॥ म्हांनैटीकोरुकमालप
ठायो कीन्हींघणीबडाई ॥ आयालगनम्हेंकिणाविधछोडाँ
म्हारीहैहलकाई ॥ ३ ॥ अबलगतोकछुहुईनहोसोचायकरो
हलकाई ॥ जोकुंदनपुरचढकरजासो रहैनमानबडाई ॥ ४ ॥
रुकमणिकोवरकृष्णसाँवरोत्रिभुवननाथभणीजे ॥ थक्यूंदेव
रजानबणावोकान्हकँवरपरणीजे ॥ ५ ॥ कालेकृष्णकीकरौब
डाईसोकाँईथोरैलागै ॥ दलदेखतडाहलराजाकोदौड पयादौ
भागै ॥ ६ ॥ तखतचंदेरीरावकहावो माथछत्रफिरावो ॥ बँधे

जौडथेपाछाफिरस्योकहाबडाईपावो ॥ ७ ॥ सुणहोदेवरबद
बदकाँछाँबिनपरण्याँहीआसौ ॥ बडेबडेतौभूपमरावोकुलकूँ
काँटलगासौ ॥ ८ ॥ ब्रह्मानैंसावित्रीसोहैइंद्रघराइंद्राणी ॥
शंकरनैंपारवतीसोहैकेशवकमलाराणी ॥ ९ ॥ बाभीकहीबुरी
करमानींभलीनमानीकोई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहोनी
होसोहोई ॥ १० ॥ दोहा ॥ बाभीकहसिसपालनैं, कुंदनपुर
मतिजाय ॥ देवरम्हारीमानल्यौ, आस्योजानखपाय ॥ १ ॥
रागसोरठ ॥ स्याणांजाण्यांराज बाभीथानेसाणांजाण्यांराज
॥ टेक ॥ छिप्यारह्याइतरादिनछाँनैंनीकाँजाण्याँआज ॥ १ ॥
जोकोइसीखतुमारीमानैंकैसैंसरेवाकोकाज ॥२॥ आईसगाई
कैसैंमोडाँ जायजगतमैंलाज ॥ ३ ॥ बडाघराँकाजायाउपनाँ
पूँछकराँथानैंकाज ॥ ४ ॥ ऐसीबातविचारोमनमैंपाणीपहली

राज ॥५॥ म्हांरौघरविख्यातजगतमैंजास्यांसैन्यांसाज॥६॥
जुधकरस्यांकुंदनपुरमाँहींग्वाल्योजासीभाज ॥ ७ ॥ पदम
भणैंबाभीसूँदेवरहोणीहोसीराज ॥ ८ ॥ दोहा ॥ दुमनौंमह
लांऊंतर्‌यो, बाभीलडसिसपाल ॥ मधुरबैणाविखमांनियां,
रोसभर्‌योरीसाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ जबासिसपालोपाटैबै
ठोमरदनतेलकरायो ॥ रंगमहलमैंकरेउबटणोसबहीसाजमँ
गायो ॥ १ ॥ भूषणबसनरतनकागहणांदीखैरूपसवायो ॥
बाँधसेहरोबनडोबैठोसारैसहरसरायो ॥ २ ॥ दासिखवासी
लूंणअवारेपंडितवेगबुलावे ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंबाभी
मनानभावे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ पंडितजोसीमिलघणां, मोहो
रतलगनकढाय ॥ मंगलगावैंकांमण्यां, आनंदघणांउछाय ॥
॥ १ ॥ रागमारू ॥ ॥ जरकसपागजरीरीजामोंझलकत

तुर्रोसोहे ॥ रतनपदारथके आभूषण निरखत कामन मो
हैं ॥ १ ॥ सिसपालासिरबँध्योसेहरोजानसबीजुडआई ॥
जरासिंधकहक्करौसतावीदुलहोवेगचढाई ॥ २ ॥ दुलहोबण्यो
निमतजान्याँकोमूरखमनहरषावै ॥ पदमभणैप्रणमेंपायेला
गूँकुलकूँकाटलगावै ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीसिसपालकी,
शोभाकहीनजाय ॥ रतनजडाऊसेहरो, मोतियनलूंबलगाय
॥ १ ॥ लूंबजसोहैमोतियाँ, घुडलाँसोवनसाज ॥ अणीचमक
ताज्यूँफिरै घूमतडागजराज ॥२॥ रागमारू ॥ जबशिसपा
लकिहुईनिकासी भावजडरीबुलावो ॥ काजरकोम्हारोनेगक
रावोआँखिनआँन अँजावो ॥ १ ॥ लिखीहोयभावजयूंबो
लीखोटीबातविचारी ॥ कायकोदेवरकजरोआँजूंथारीजगमें
होयखँवारी ॥२॥लिछमाँऊपरबांधसेहरोथेमिलजाँनबनाई ॥

इणमैंयेकनजीतोआवैसूजीकाँईबुराई ॥ ३ ॥ बेगमजातनहीं
गमथाँनैंकाँईथेग्वालबखानो ॥ अदबेजातअहीरकोजायोन
हिंकोइराजारानो ॥ ४ ॥ राजाभींवकोनाँवनहींछैकँवरजमे
लीपाती ॥ याकँवरीथेपरणपधारोतबाहिंसरावाँछाती ॥ ५ ॥
कहासिसपालसुणोंबाभीजीथेथारपीयरजावो ॥ म्हारा राजमैं
ठौडनहींहैबणहणबैलजुताबो ॥ ६ ॥ जबथेजानबणाई देवर
म्हेम्हाँरेपीयरजास्याँ ॥ कुंदनपुरसूंपरणपधारोलाडीनिरख
णआस्याँ ॥ ७ ॥ देवरजाथेमानोनाहींकारजसरसीकाँई ॥
बालिछमीहरिकीअरधंग्यापरणोंतोरामदुहाई ॥ ८ ॥ रिम
झिमकरतीमहलाँचढगईरोसभरीउरमाहीं ॥ थेकुंदनरपुरजा
वो परणबाथाँरेकाजलसाकूंनाहीं ॥ ९ ॥ काँइबोलोविषबा
णीभावजकडवाबैणनभाखो ॥ बिनकजरेईपरणपधाराँकाजर

थारोराखो ॥ १० ॥ रागसोरठ ॥ बाभीऊभीरंगझरोखेदेवर
नैंसमझावैरे ॥ टेक ॥ भींवकँवरिकेरूपलुभानोवातोहोतन
आवैरे ॥ १ ॥ त्रिभुवनपतिसोंवैरघालकैनाकोइजीतीजावैरे
॥ २ ॥ चौमासामैंउडेआगिया पांखघणीफरकावैरे ॥ ३ ॥
मनचाथेतोकरेउजारोसूरजखोडखडावैरे ॥ ४ ॥ कुंदनपुरसूं
भागरआवै मूरखमनपिस्तावैरे ॥ ५ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायं
लागूं मोतबीजघरआवैरे ॥६॥ दोहा ॥ बाभीउतरीमहलसैं,
देखजाँनकाभाय ॥ लाडनबरासिसपालनैं, बेरबेरसमझाय ॥
॥ १ ॥ रागहवाक्षी ॥ बनडोखूबबण्यो बनडाकीअजबबहार
बनडो ॥ टेक ॥ दंतवक्रअरुरावजरासिंध सिसपालासिरदार
॥ १ ॥ लटपटपागकेसरियाबागो फेंटोअजबधजदार ॥ २॥
पदमभणैंप्रणमैंपायलागूं बाभीसुरमोसार ॥३॥ रागसोरठ॥

मतकरहोदेवरनींकासी वाँहाँआवैगाव्रजवासी ॥ टेक ॥ हल
सूंतोथारीरेखसँवारैंमूसलसूंपधरासी ॥ १ ॥ राणीरुकमणि
कृष्णकँवरकी तुमेरकबहुँनआसी ॥ २ ॥ तुमहरिजीकोहोड
करतहौ काँहाँमघहरकाँहाँकासी ॥ ३ ॥ जिनराजनकोजोर
करतहौ काँमपड्याँभगजासी ॥ ४ ॥ बंधेमौडतुमपीछा
फिरहौ अहोकरेजगहाँसी ॥ ५ ॥ बहेबडेराजामरवासीकुल
कूंकाटलगासी ॥ ६ ॥ पदमभणैंभावजइमभाखै पीछेहीपिस
तासी ॥ ७ ॥ रागसोरठ ॥ हटजाभावजहटजायेघटजाय
लौमाँनतेरौ ॥ टेक ॥ उनकान्हांकीकरौबडाई नंदमहरको
चेरो ॥ १ ॥ मथुरामांहींजनमलियोहै गोकुलहुवौबडेरो ॥२॥
सतरेवारकोवदलोमांगूंअबकेअवसरमेरो ॥ ३ ॥ पदमभणैं
सिसपालोबोलै अबहीकरूंनवेरो ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ देवर

क्यानैंमूछमरोडोथेम्हारौकयौमतमोडौ ॥ टेक ॥ जबजाणाँथे
लाडील्यावो करौबाँधगँठजोडौ ॥ १ ॥ ब्रजनंदकोजुधमधमें
कूपहै आँखमींचमतदोडौ ॥ २ ॥ मेराकह्यातुमयादकरोगे
जबउलटामुखमोडौ । ३ ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूँनाँह
कतामनतोडौ ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ बाजैछेजंगीढोल
चंदेरीमेंबाजैछे ॥ टेक ॥ केसरियौबागोबण्यौ माथेबाँध्यो
मोड ॥ ग्यारेलाखपालखीडाहलकेजरासिंधसगजोड ॥ १ ॥
चंदेरीमेंपंचायणबाजैपडेनगाराँठोड ॥ पद्मभणैंप्रणमैंपाये
लागूँदलचढ्यादिखणकीओड ॥ २ ॥ रागसोरठकोलूर ॥
पियाडरलागेम्हाराराजथेजायकरौलाराड ॥ पियाडर० ॥
॥ टेक ॥ पांचसातमिलभामनींलेतसासपरसास ॥ सिंधरा
यनृपकीसुतादौडगईपिवपास ॥ १ ॥ भागेलादीसेपरतक

जीज्यूँदरपणप्रतिबिंब ॥ कौणसूरधीरीधराँ जीवारुकमणी
रणखंब ॥२॥ हलधरऊठेहाँककेजीकौनलडेबलवान ॥ सिंह
रूपहरिधारिहैंकोपकडेधनुबान ॥ ३ ॥ जरासिंधनरहैसही
जीहारिनिंदाकूंआग ॥ तुजकूंदोषनराजूवीजीउठीभावनीजा
ग ॥ ४ ॥लज्याखोयेघरआवस्योजीसबदललेसीमार ॥ कुंद
नाँपुरभारतरच्योजीकनकचूडकरधार ॥ ५ ॥ आसकरैछै
जोगण्याँजीसालगिरदमँडजाय ॥ शिवमालाऊणीसुणीजी
सोपूरीकरवाय ॥ ६ ॥ धाकाधाकणकामण्याँजीकनकचू
डकरधार ॥ देवरजिठाण्याँबापडीजीपचहारीसबनार ॥ ७ ॥
राजकरौनीराजवीजीतबलचंदेरीचंद॥पदमइसीभगवानसैंजी
कोजीस्यामतिमंद॥८॥रागसोरठ देस॥थेरीमतवरजौनारम्हानै
दास नहीं छै थाँनै॥ टेक ॥ कुंदनपुरसूंकागदआयोभीवराज

केछानैं ॥१॥म्हेजगजीतजोरावरराजापकरगहाँदेवाँनैं ॥ २ ॥
जरासिंधजोरावरराजातीनलोकमैंजानै ॥ ३ ॥ नंदरायकी
धेनुचराई नितहिसरावैवाने ॥ ४ ॥ बीनबजाईकामनमोही
काहाबडपनकान्हाँने ॥ ५ ॥जोवौग्वालतुच्छहमसेती जुध
मेंनहींजितानैं ॥ ६ ॥पारब्रह्मतौमुगतहोयभी कैसेंमुडाघरा
नें ॥ ७ ॥ तिरियाकहीतनकनहिंमानीमौतजआईहाँनैं ॥८॥
पदमभणैंपीछेपिसतासीजायपड्याँप्रभुपाँनैं ॥ ९ ॥ दोहा ॥
चढ्याचहूँदिशडाहला, हुईहलाहलजान ॥ दलकौकयादसूँ
देसरा, नौपतधुरेनिसाँन ॥ १ ॥ राजारंगचढाइया, कियाके
सन्याँसाज ॥ तलमलाटतुरीयाँकरैं, घूमतडागजराज ॥ २ ॥
रागसोरठ ॥ येजीमहाराजावींदमानों ॥ थानैंभावजदेछैता
नो ॥ टेक ॥ सिरीकृष्णबलदेवजीहरिहलधरदोउबीर ॥ ताकी

सरवरकौकरै थारेकोणसुभटरणधीर ॥ १ ॥ झेला ॥ वोछैनं
दमहरकौकानौं ॥ सोतौनाँपृथ्वीपरछानौं ॥ जिननखपरगि
रवरधाऱ्यो ॥ जिनडूबतब्रजहिंउबाऱ्यो ॥ १ ॥ बावनहोयब
लिकूँछल्या सुरपतिमौनबधाय ॥ हतीपूतनाप्रानसैं दिवीवि
मानपठाय ॥ झेला ॥ जिनमाऱ्यौअपनौमामौं ॥ वैनाताकछू
नजानौं ॥ तुमसुनौबैनयेककाँनाँ ॥ जिनमाऱ्यौरावणदानाँ ॥
॥ २ ॥ उनकेसबहीदेवसँग पाँडवसेजोधार ॥ थारेयेसासुभ
टकोसनमुखझेलैसार ॥ झेला ॥ नरसिंहरूपजिनधारचौ ॥
जिनप्रहलादउबारचौ॥३॥जिनहिरणाँकुशकूँमारचौ ॥ प्रभुन
खसैंउद्रबिदारचौ ॥ ३ ॥ मल्लअखारेमारियाँगजकेदशनउ
पार ॥ ऐसेबलिकेसाँम्हैनैंमतिजावौसिरदार ॥ झेला ॥ जि
नयेसाकियापँवाडा ॥ बलिद्वानवतिन्हैंखपाडा ॥ थारोदास

पद्मजसजाण्यौं ॥ प्रभुतुमरोविरदवखाण्यौं ॥ ४ ॥ रागदे
शकीहोरी ॥ गिरधरकहताँलाजनलाजे ॥ टेर ॥ म्हांमौंमारम
यौसूरमौंघराहिमैंराजेगाजे ॥ १ ॥ मल्लहोयकरमल्लपछाड्या
कहावीरतासाजे ॥ २ ॥ हमसैंजंगजुड्याजुथहोसीजवजरी
ठसौवाजे ॥ ३ ॥ हमरीओरजरासिंधराजासवराजनासिरताजे
॥ ४ ॥ जबडनलागेप्रानापियाराकटकेफुरकेभाजे ॥ ५ ॥ पद्म
मभणैंवाभीसेंदेवरयूँकहमहलाँजाते ॥ ६ ॥ दोहा ॥ महलप
धारौथाँहरे, केपीहरडठजाय ॥ बिनपूछ्याँमाखौमती, वेगम
जातकवाय ॥ १ ॥ आतुरहुयमहलाँघिरी, नैंनरहेझरलाय ॥
होनहारहोवैसही, कोटजकरौउपाय ॥ २ ॥ साहाणींवेगवुला
विया, हुकमहुवौदरबार ॥ कुंदनापुरनेसाकती, घुडलाबण
सिंगार ॥ ३ ॥ साहाणींसबभेलाहुवा, जुड्याजुभूपअवल्ल ॥

सिसपालजरासिंधबोलिया छाडअणीरावदह्ल॥४॥ अथघोडाँ
कीजात॥रागदंडक॥ सौवनीसाजपलाँणिरेपलाणि ॥ राजाक
हसाँणियाँसौवनीं०॥ सीहडासूरसीमंगसीमारवागिरझडास
रसासंजावरे । घोडाआपाटियाभूतियाभूसलाखानाजादीदेसि
यामोतीडामसकीडाकावलीचमाकियाकिलंगणा किलाचिया
लौटणा लखेरियाहजारियाबजारियागुमानिया पलाणिरेपला
णिराजाकहैसाणिया॥१॥ बरवरागिरवरानागीनाँसागराहल
दियामहँदिया उच्चेसुराचलेखरारथजूताकेकाणस्याइयासपे
दियाढढणाजलहराघणवदलासिणगाररे ॥ राजाकहसाणि
याँसौवनींसाजपलाणिंरेपलाणिं॥ २ ॥ऊँचाआलौलाचंचला
अचपलावीजियाखीजियारीझिया रावसाणीवारनलावरे ॥
चीरीचहुँदिससाँचरीआयारावसवरायरे॥सिसपालजरासिंध

उमँगियाजाणवण्यागजराजरे ॥ दौडजलदताकीदसूंसाह
णीलयावौवाजरे ॥ राजकहसाणियाँसौवनीसाजपलाणि
रेपलाणि ॥ ३ ॥ अथसवारीवर्णन ॥ दोहा ॥ पवंगपलाण्या
नौलखा, हुयचुडलाँअसवार ॥ करीनिकासीकँवरकी, घणछ
कलीयाँलार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ चडघोडीसिसपालकुदावे
हातासांगफिरावे ॥ अरजुनभींवगवाल्यासाथेम्हादेव्याँसर
मावे ॥ १ ॥ इसडौकुणदुथणीकौजायौम्हारैजोडैआवे ॥
जरासिंधसेजोधादेखतजीवलेयभगजावे ॥ २ ॥ देवाँदइतन
हींकोइदानाँछेपनकोटकमांहीं ॥ पंडवजोधाग्वाल्याकेसंग
आयकरैलाकाँई ॥ ३ ॥ म्हेनाहिंमुडाँभिडाँजमसेती कालपुर
षनैमाराँ ॥ चंडीचक्ररुद्रयेकादशसनमुखहोयसँहाराँ ॥ ४॥
काँकडचढतासकनविचारेहिरणजडावाआया ॥ खरडावाको

चरनरसौंगीजंबुकसाँम्हाधाया ॥ ५॥ घायलाहजकनफडा
जोगी अरुलकडचाँकोगाडौ ॥ तिलकबिहूँणाब्राह्मणामिलि
यासरपाफिरचोसबआडौ ॥ ६ ॥ छाणौंहातधुकंतौधूँवौंसा
म्हाँमिलियासोगी ॥ खोटाशकुन कह्योनहिंमान्यौंहौंणहार
सोइहोगी ॥ ७ ॥ जीवणिसारसचीलहाचिकारीमिल्योपीसि
यौआटौ ॥ पदमभणतशिवकर्णसुभटासिसपालश्रवणदियो
दाटौ ॥ ८॥ रागमारू ॥ देशदेशकाराजाचढियाघुडलाँरेठ
मकारे ॥ कंप्याशेषसमंद्रखलभलियाधूडौंलग्याआधारे ॥ १ ॥
निनाणवैंछत्रफौजकीशोभाहसत्याँडोरसवाई ॥ सोवनिसाज
फिरअहराखी राजामनाँउछाही ॥ २ ॥ दीखेभूपसाँगभलकं
तासिसपालौंबतलावै ॥ दम्मघोषकीआँणभणीजेनिजराँऔ
रनआवै॥ ३॥पिचाणवैंछौंहणचढाचालैंभूतलमेयहठाटाँ॥ ढल

केढालफरूकेनेजाऊजडागिणैंनबाटाँ ॥ ४ ॥ छत्तीसूंबाजालँग
घुरतासुरणाईरणतूरा ॥ पवनपहेलाबहुतसुहेला पुरुषजछाँई
सूरा ॥ ५ ॥ अलबालियाअसवारअचपलाभालाबीजलझंपै ॥
फौजाँचढीरावडाहलकीशेषधरादलकंपै ॥ ६ ॥ येकयेकसैंइध
काव्याले सहजाँसाँगउजाली ॥ यूँकरताकुंदनपुरआयालिये
रुकमइयेझाली ॥ ७ ॥ नगरनवेलेडेरादीयाचौरीचहुंदिस
चाली ॥ मातासैंजुभणैरुकमइयो मनमैंकरौकुसाली ॥ ८ ॥
साठलाखकुंजरसिणगारचा तुरियाँअंतरपाई ॥ पदमभणैप्र
णमैंपायेलागूं जानकुंदनपुरआई ॥ ९ ॥ दोहा ॥ साम्हेले
सिसपालके, चढियारुकमकँवार ॥ घुडलासिलेसँवारिया,
चालाकीअसवार ॥ १ ॥ रागसोरठ वा विहाग ॥ वनानैडेरा
देवैछैजीरुकँमकँवार ॥ नवलमहलकंचनमणिजडिया थंभा

रतनजुहार ॥ मोतियनझालरडोहीपडदादुलहानैंदियोछैउ
तार ॥ १ ॥ साईवानचाँदणीताणीरावटिअंतअपार ॥ नवन
वखनदलबादलतंबू जडियाछैरतनजुहाँर ॥ २ ॥ सोलाचौ
बद्दुचौबछचौबा चौववतीससँवार ॥सुघडफरासबिछायतकी
न्हीं मध्यसिंघासनढार ॥ ३ ॥ डेरॉंडेरॉंधराम्रिसरूंद्वाताकि
याअंतअपार॥सौजसौजचा औरगेंदवा लीना सबसंसार॥४॥
जाणअजाणटल्यौनहिंकोई दीन्हाँसहुमनुहार ॥ कहुरगाम्र
रुक्मालकुँवरयूँकियोबहुतललतकार ॥ ५ ॥ हरख्यालोगस
कलनगरीकाबिलखीराजकँवार ॥ पद्मभगताशिवकरणभ
णइमैंहूणबिधजानडतार ॥ ६ ॥ दोहा ॥ ईंधणघासरुदाना
पाणीऔरपठायापान ॥ ठामठाममैंदाघीसक्करजुगतडतारी
जान ॥१॥ रागमारू ॥ जितनापाँवधरयाधरणीपर सोम्हा

रोसिरधारचा ॥ बाजारागछतीसोबाजैहीरालालअँबारचा ॥
॥ १ ॥ रुक्मइयौकहसुणौराजवीथेम्हारामाँनबधारचा ॥
धिनाधिनआजादिहारौङगौथेमलघराँपधारचा ॥ २ ॥ उभय
ओरजान्क्कविहद्वावैमंगलगावैनारी ॥ रुक्मइयोसामानम
रावै कौरवराकीत्यारी ॥ ३ ॥ कँवरबीतसासाँमाँकीयासी
धाधिरउअपारौ ॥ जाँनआईसिसपालकीकौरवराकीवारौ ॥
॥ ४ ॥ कँवरजसेसूमेलियौ कौरवराकीलारौ ॥ सतरालाख
देकौरवरामैगहणाअनतअपारौ ॥ ५ ॥ मलोमाहौरतकाढ
ज्यौतोरणहायअँबारौ ॥ पदमभणैप्रणमैपायेलागूबेगाआयप
धारौ ॥ ६ ॥ कौरवरौदेकँवरासिधायौकरेयडाँसूबारा ॥ थेम्हा
रेरावजीभलाँईपधाऱ्याआछीआईम्हारीसाता ॥ ७ ॥ ससि
वरणौसिसपालभणीजे येसौ रावनकाई ॥ चंदबदनसीसो

भाजाकीनैनभरैभरजोई ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हसत्याँनेजाफर हन्या, घुडलागुंथरमाल ॥ सौवनसाजजुभलकिया, चँवरढु लैसिसपाल ॥ १ ॥ गौखचढीदलजोविया, राजा भींवसेन जीरीनार ॥ वरनैंदिखाऊँनाईथाँ, हरीआवोम्हारीराजकँवार ॥ २ ॥ खिजतीरुकमणिधूँमणैं, मामतभाखौआल ॥ चव दाभवनकाराजवी, बरवरस्याँगोपाल ॥ ३ ॥ रागमारू ॥ चवदाभवनरारावमणीजवरवरस्याँपरवाणी ॥ केयादेहदहुँ दावानल परणूँ सारंगपाणी ॥ १ ॥ सारंगहाछिपरेज्यूँसारंगधूँ डाहलियोदीखे ॥ नीरबिनानलनीज्यूँसूकेयूँहरिबिनाबिसूकै ॥२॥मानसरोवरहंसादेख्याँ कागनिजरनाहिंआवै ॥ समंदरा सूँसीरपड्योजव नाडूल्याँकुण न्हावै ॥३॥ गलमोतियनकी मालापहरीमिणियाँकौनविसावै ॥ हस्तीऊपरबैठाचालेतुरंग

कहामनभावै ॥४॥ जामुखडातें अमृत पीयोंपरतनजहरपि
यावै ॥ जिनलेपाटपितांबरपहऱ्या कौंबलिया नसुहावै ॥
॥ ५ ॥ चौमासेमैंउडेआगियापांखघणींफरकावै ॥ मन
चायेतोकरैउजारौ सूरजखोडखुडावै ॥ ६ ॥ पीतांबरसैंप्रीत
पहलकीतारकमोहनमोहै ॥ पदमभणैंथाऊभीन्हालेगौखचढी
दलजोहै ॥ ७ ॥ रागझिझोटी ॥ क्यौंकँवरीबिलखी जोफि
रोमनमौजकरौदुखकूँबिसरौरी ॥ भावजहातालिंथेहरदीपट
बैठअटानपटामसरौरी ॥ अंगकेआलसदूरकरौमुक्ताफलले
सिरमांगभरौरी ॥ भूषणभांति अनेक भरैझटची रकुँलैसनगा
रकरौरी॥व्याहन आयोचँदेरिधरापति छूटिलटालकारफिरौ
री ॥१॥ हेजननी मतिमंदमहादुख भारचढेमुखबंदकरौरी ॥
सुमेराडिगौधरतीजो फटौ रविचंदगिगन्नसौंआनपरौरी ॥

गंगजमनउलटीजोवहै सिसपालसेतीकरनौजुरौरी ॥ मेरो
मतौनंदनंदनसूंकोउजानौंभलौभावैंमानावुरौरी ॥ लाजकेऊ
परगाजपरौ ब्रजराजमिलेसोइलाजकरौरी ॥२॥ रागमारू ॥
कॉइतूंभूलीरुकमणिवाईसोचकरैमनमाहीं ॥ थौडाहलचंदे
रीकोराजाकान्हौयासमनाहीं ॥ १ ॥ रुकमणिभणैंसुणौमेरि
मातासुणियेबिनतीम्हारी ॥ सिंघराचरमैंसालजपैठौ थौइच
रजमोयभारी ॥ २ ॥ अबकेसायकरौसाँवरियाभीरपरीअति
भारी ॥ पदमइयोतेरोजसगावैभगताँप्राणअधारी ॥ ३ ॥
रागसोरठ मल्हार ॥ माईमानै भावैनहींसिसपाल ॥ टेर ॥
मनमेरोगिरधरसूंबासियोडाहालियोजंजाल ॥ ॥ माई० ॥
॥ १ ॥ गुपतसँदेसौलिखूँस्यामनैदीनानाथदयाल ॥ २ ॥
सारदूलकोभोजनस्वामीलियाँजातहैस्याल ॥३॥ जोमनगो

पियनकोवसकीन्हौंवंसीकीटेरउच्चार ॥ ४ ॥ पदमकहैप्रभुत
पतबुझावौ कुंदनपुरपगधार ॥ ५ ॥ छंद ॥ तोरेमिल्याँमन
कीभावना सखिहुई पूरनआसरी ॥ ढ्लिगीरमतहोयरुकम
णीतू यानेबेठौआयरी ॥ आपौलियाँसूँनाहिंपरचूघुरावैद
नवायरी ॥ कंचनकायामैंआगजारूँहौमडारूँहौडरी ॥
॥ २ ॥ दूसराअवतारधारूँरहूँकेशवसंगरी ॥ साथीहमा
रासाँवरासखिम्हैंउणरीअरधंगरी ॥ ३ ॥ कहैरुकमणीइया
मसरणौवचनवंदगोपालकी ॥ जनमजूजेतीसरेवरवरूँमित्रद
यालरी ॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ प्यारीलीन्हींकंठलगाय नैनायूँ
झरे ॥ टेक ॥ राणीकहैअतीसुखपावाँमनमैंबोहोताचावे ॥
चिरंजिवौबंधू रुकमइयौ यहडौबरथारेल्यावे ॥ १ ॥ रुकमण
कहैसुनौरीमाता कहौनैवातविचार ॥ चवदाभवनकोराजवी

वौम्हारौभरतार ॥ २ ॥ म्हारौवरअतहीसुघडवोछैराजकवाँर ॥ तुमगोरीबाईकेशवकालौवोछैनंदकोगँवार ॥ ३ ॥ यहराजाखधोतसमानासूरश्यामसैंप्रीती ॥ पद्मभणैंरुकमणवरमोहनमतकहोबातअनीती ॥ ४ ॥ राग खट ॥ बाई रुकमयूँभणैरुडोबरम्हारोबनवारी ॥ टेक ॥ अंतरचौवामोरासिखरगिरअंतरद्वायणमूसे ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरपारिजातअरडूसे ॥ १ ॥ अंतरसूरनषत्तरअंतरअंतरधरणीअकासा ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरचंदनरूँखजवासा ॥ २ ॥ अंतररैनदिवसहरिअंतरअंतर विषअभिचुरडे ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरनागरबेलीकुरडे ॥ ३ ॥ अंतरपापपुण्यहरिअंतरअमृतविषरीबेला ॥ हरिसिसपालअहेडाअंतरभणैपद्मइयातेला ॥ ४ ॥ राग खमायची ॥ बाननहौमारीराजकँवारी ॥

॥ टेक ॥ रुकमइयेसिसपालबुलायौफेरॉहोयअबारी॥ १ ॥
रुकमणनेंकक्यौनाहिंमानैंघरमैंहोयखँवारी ॥ २ ॥ क्रोधवंत
रुकमइयौबोल्यौपकरबैठावौनारी ॥ ३ ॥ प्रानघातअबकर
हूँअपनाँमरसूँखायकटारी ॥ ४ ॥पदमरथ्यामरुकमणअबस
मझीजानतहूँबीराघाततुमारी ॥ ५ ॥ रागकाफीकीठूमरी ॥
बीराम्हाँसूँबुरीरेकरी ॥ लियोलियोसिसपालबुलाय०॥टेक ॥
बुद्धितिहारीन्चालगीतुमतुमलियासम्हाय ॥ औगुणतौतैंहि
तकररा०खोगुणकूँदियोबहाय ॥ १ ॥ अंबमौरनीचानिवैंएरं
डऊपरजाय ॥ करओछासूंप्रीतिडी फिरपीछेपसताय ॥२॥
मनमोतीघननैनको जाणोंयेकसुभाय ॥ फाटपीछेनाँमिले
कोटजकरौउपाय ॥ ३ ॥ हरदीजरदीनाँतजे खटरसतजेन
आम ॥ असलीतौऔगुणतजेगुणकूँतजेगुलाम ॥ ४ ॥ बटसूं

पातलछाँइयाँ ऊगंताँदोयपान ॥ वौमनतौजवहीगयो तवहि
वुलाईजान ॥ ५ ॥ डूंगरियाको बाहलौ औछाँतणौसनेह ॥
वहताँवहैउतावला तुरतादिखावैछेह ॥ ६ ॥ कडवाकदेनभा
खिया मीठावोलणियां ॥ पदमइयोस्वामीभणै भाखैरुकमणि
यां ॥ दोहा ॥ राजाभींवअबोलिया, कँवरसूँबोलैनाह ॥ सभा
देखसिसपालकी, दुखपावैमनमांह ॥१॥ रागमारू ॥ मनहीं
माहिं बहुतदुखपावैकान्हकँवरकदआवै॥ म्हारैतौमनआनंदउ
पजैमनरुकमणकेभावै ॥ १ ॥ आडीभौमद्वारकादूरीसंदेसा
पहुंचावै ॥ कुंदनपुरआयोसिसपालौहारिकूंजायसुनावै ॥२॥
रुठदेवदनकँवरउठबोल्यो राजाकाईजोवौ ॥ ऐसारावऔरन
हिंकोईम्हांनेकांईविगोवौ ॥ ३ ॥ राजाभींवझझकनैउठयारु
कमइयातोयमारूं ॥ कदवेकृष्णकुंदनपूर आवैं कदहूंरासा
११

सारूं ॥ ४ ॥ केमरहूंअपणीअपघातौं जोसिसपालौपरणैं ॥
पदमरश्यामसुखदायकनायक रहूंश्यामकेसरणैं ॥ ५ ॥
दोहा ॥ सुणं वचनभूपालके, लीन्हींतुरीमँगाय ॥ पाँचलाख
असवार लै, चढ्योजानमैं आय ॥ रागमारू ॥ च
ढ्योजानमैंआयकँवरजी पाँचलाखअसवारौ ॥ राजाभींवकु
वणाबरपरवै थारोकाँईबिचारौ ॥ १ ॥ भलोबिचारभलीकहैक
रस्यां वांनैंतोकिहैजाणा ॥ नावैंसुण्यावाहरनहिंआवै काँईघ
णोवखाणा ॥ २ ॥ भींवरावकोजासीतेड्योतुरतघडीअस
वारौ ॥ भलौमोहोरतकाढौज्योम्हानेंफेरांहोयअवारौ ॥ ३ ॥
जोसीलगनबिचारियाजी आजमोहोरतनाहीं ॥ डेरःजावो
कहौकँवरनैं थानैंसूज्योकांई ॥ ४ ॥ कहैजरासिंधकहोजोसी
नैंम्हेतौचढकर आया ॥ म्हारेनावँनहींछौसावोक्यांनेकँवरबु

लाया ॥ ५ ॥ जोसीकैहैजरासिंधराजा कौनबडोथेबूझ्यौ ॥
क्यौकंवरकेकांकणबांध्योथांनेकांईसूझ्यो ॥ ६ ॥ कालयौगवा
ल्यौ करौबराबर वो म्हारेकदतोलै ॥ म्हेतौसारासिंहसरीखा
यूँसिसपालौबोलै ॥ ७ ॥ जबब्रह्माजीघडीलगाई सतादिवस
कीएकौ ॥ बातकरौबीवादकरौमत लिजरमेरेमरदेखौ ॥ ८ ॥
सातदिवसको दिवसबणायोसातदिवसकीरातौ ॥ इतरे तौ
श्रीकृष्णपधारेतितकेफिरलेजातौ ॥ ९ ॥ कालाश्यामसूकलनैं
सूझैं मगतांभूधरगोरौ ॥ पद्मभणैप्रणमैंपायेलागूं दधिमाख
णकोचोरौ ॥ १० ॥ दोहा ॥ माताबूझेकँवरिनै, बाईथेबिल
खाकाई । सभादेखिसिसपालकी, सुखपावोमनमाहीं ॥ १ ॥
रागमारू ॥ मनहीमाहिंबहुतसुखपावो ज्यूंम्हेईसुखपावाँ ॥
साँहणवाँहणहस्तीघोडा भलीभांतिमुकलावा ॥ १ ॥हरख्यो

कँवरबहुतमनमाहीं जानभलीपुरआई ॥ कोंकणचांधासिस
पालाआया मांहजरासिंधराई ॥२॥ वोमथुरामैंजनमलियोहै
घेररपरौकढायौ ॥ बाहरबासकरणनहिंपायोसमंदरबीचबसा
यौ ॥३॥सतरेवारवोआगेभागौ बारअठारवींआई ॥मनहटछा
डकरोऊबटणो मानोरुकमणिबाई ॥४॥ नटवरभेषग्वालन्थां
मोह्लीझूठौमाखनखायौ ॥ मामोंमारसूरवौहूवा कबकोराव
कहायौ ॥ ५ ॥नाकविंधायबजायतालियाँ छोकरियांसँगना
च्यो ॥ फंदीदेयगुलाचांखाई काछनटवरीकाछ्यौ ॥ ६ ॥
कन्यांबहलखादनहिंम्हाके बेदपुराणांभासे ॥ मातबंधूअरज
करेछै पतभाईकीराखे ॥ ७ ॥ जबगुनवंतीगुनकरबालीका
न्हकुँवरवरम्हारो ॥ पदमभणेरुकमणयूँबोले कयो नामानूंथा
रो ॥ ८ ॥ राग सोरठकीलूर ॥ येसेभणेरुकमणीबाई ॥सो

हीवींदहमाराबाई ॥ टेक ॥मच्छरूपहरिधारे॥शंखासुरदानाँ
मारे ॥ जिनवेदब्रह्माकादीन्हाँ ॥ सतजुगमेंसाकाकीन्हाँ ॥
॥ १ ॥ कच्छरूपहरिधारे ॥ मधुकैटभदानाँमारे॥देवनकूंअ
मृतपायौ ॥ असुराँकौजहरपिलायौ॥२॥बाराहरूपहरिधारे ॥
हरिणाक्षसदानाँमारे ॥ जिनवसुदंताधरराखी ॥ जाकासुरन
रमुनिजनसाखी ॥ ३ ॥ नरसिंघरूपहरिधारे ॥ जिनहरिणा
कुसकूँमारे ॥ प्रभुनखसौंउद्रविडारे ॥ तबजनप्रह्लादउबारे॥
॥ ४ ॥ जिनबावनरूपहरिधारे ॥ राजाबलिकेघरपधारे ॥
जिनदोयपैंडभरवाई ॥ तीजीकूँठौरनपाई ॥ ५ ॥ पर्सरामरू
पहरिधारे ॥ जिनसहस्त्रबाहुसंघारे ॥ जिनक्षत्रिनिक्षत्रकर
डारे ॥ जिनब्राह्मणराजदिलारे ॥६॥ जिनरामरूपहरिधारे ॥
जबरावणदानाँमारे ॥ सागरपरसिलातिराई ॥ जबलंकाविभी

षणपाइ ॥ ७ ॥ कृष्णरूपहरिधारे ॥ कंसासुरदानाँमारे ॥
बसुदेवकीबंधछुडाई ॥ देवनकीकैदमुडाई ॥ ८ ॥ बुद्धरूपह
रिधारे ॥ जीवनपरदयाबिचारे ॥ थारोजसपदमइयोंगावै ॥
कछुभक्तबधाईपावै ॥ ९ ॥ रागसोरठ ॥ स्वामीरुकमणपाप
कमायौ ॥ जाकेबरसिसुपालोआयौ ॥ टेक ॥ केम्हें मुखा
बिमडठाया ॥ अनदौसाँदौसलगाया ॥ केमैंकुलकीआँतज
कीन्हीं ॥ दुरबलकूंदाननदीन्हीं ॥ १ ॥ केमैंहरिकीभगतन
जाणीं ॥ सतसंगतनाहिंपिछाणीं ॥ केमैंचरतीगऊबिडारी ॥
केमैंकँवारिकन्यामारी ॥ २ ॥ केमैंसाधूनणदसताई ॥ केमैं
पुत्रबिछौवामाई ॥केठोकरसेंगऊउठाई ॥ केमैंझूठीचुगलीखा
ई ॥ ३ ॥ केसाधाँरीनिंद्याकीन्हीं ॥ केम्हेंझूठीहामलदीन्हीं ॥
दिवलासूँदिवलौजोयौ ॥ पगल्यासूंपगल्योधोयौ ॥ ४ ॥ केम्हें

आलेपीपलतौडचौ ॥ केमैंउपलासूँउपलौफौडचौ ॥ यहपा
पांकरीकमाई ॥ जाँसूँबरसिसपालकहाई ॥५॥ केम्हैंकाटीब
रतकुवाकी॥केम्हैंझूठीदीन्हीसाखी॥काँईपापणमायकमायो ॥
जासूँबरासिसपालौआयौ ॥ ६ ॥ केम्हैंमारचौसगौजवाँई ॥
केकन्याकोद्रव्यलेखाई॥येसैंपदमभणैंजदुराई ॥ अंतरजामी
करौसहाई॥७॥ रागबिहाग ॥ दधसुतजायरेविण्देस॥टेक॥
देसकहियेनंदनंदनसूंकह्जभूपनरेस ॥ १ ॥ कहोतोपतियाँलि
खूँक्थाँनै तुमहिसुघरसुरेश ॥२॥ नंदनंदनजगतवंदनधरचो
नटवरभेस ॥ ३ ॥ काजअपनसुधारस्वामीदस्तऔखोपेस
॥ ४ ॥ चीरफारूंकंथाओढूंकरूँजोगनभेस ॥ ५ ॥ सेल्हिसैं
गोभासिमुद्राछुटेसखूँकेस ॥ ६ ॥ प्रेमअमृतसीतलधारा
यौहियेउपदेस ॥ ६ ॥ कमलनैनीबिरहनीका कहियोएकसँ

देश ॥ ८ ॥ स्यालतौसिसपालडाहलछायरह्योयादेस ॥९॥
दासपदमपरकिरपाकीजेकाटौकरमकलेस ॥ १० ॥ दोहा ॥
द्विजदेख्यौनृपभीष्मकौ, रुकमणिराजकँवार ॥ यहपातियाँ
लैजाउगो, नहचेकियौविचार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सैनादेवी
जबविप्रकूँजी आयौद्विजवरनेरौ ॥ सीसनवायचरणगहिबो
ली सुनोबैनथेकमेरौ ॥ १ ॥ तुमब्राह्मणपुरीद्वारिकाजावौ
येहिपातियाँलेजावौ ॥ त्रिभुवननाथबसेवहाँमाधवसंदेसोपहुँ
चावौ ॥ २ ॥ जोहरिवेगपधारेकुनणपुर तौगुणभूलूँनतेरो ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं तेरेदुखकौकरूंनिवेरौ ॥ ३ ॥दोहा ॥
कहोबाईकैसेकरूं, भूभारीदिनतीन ॥ कबजाऊंद्वारावती,
म्हैंवृधब्राह्मणदीन ॥ १ ॥ यहशंकातूंछोडदे, वहसामर्थकर
तार ॥ दीनानाथ दयाल हैं, बिगरी लेत सुधार ॥ २ ॥

रागमारू ॥ डूबतहीगजराजटेरसुनहरिकहतेहीआयौ ॥ क
हाँवैकुंठकहाँवोसरवर येकपलकमेंधायौ ॥ १ ॥ डूबतहीगज
राजउबारयो वैकुंठधामपठायो ॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूं
द्विजसुनकेहरखायो ॥ २ ॥ रागखमावची ॥ आवोमेरेव
मनां, अंगनानिपाऊँ ॥ टेर ॥ अंगनानिपाऊँ चरणपखालूं
आचमनकारिपीऊँ ॥ १ ॥ जिनगलियाँतुमहमरेआवोपलक
नसेंपगझारूं ॥ २ ॥ ऐसाहैकोइक्रष्णमिलावेतनमनवापरवा
रूं ॥ ३ ॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूं चितसेंनेकनटारूं ॥४॥
॥ दोहा ॥ नैननकीपातीकरूं, अँसुवनकोछिरकाव ॥ स्याम
सनेहीआवियो, देपलकाँपरपाव ॥ १ ॥ पावधरोपलकांपरैं,
अतिआतुरहोयआव ॥ पुत्रीभीमकठोरहै, येसैंमनसमझाव
॥ २ ॥ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ म्हैंतोथांनदीनबंधुदीनानाथ

जान ॥ टेक ॥ ॥ म्हैंतौतुमरोबिरदसुनकेगहलीनौंहटमाँन ॥
॥ १ ॥ लिख्योलगनबरातआई दियो मंडपतॉन ॥ २ ॥
साजदलसिसपाल आयौ बाजानजतनिसान ॥ ३ ॥ निना
णवैंराजछत्रधारी जरासिंधसमान ॥ ४ ॥ हेबरगयंदबहौ
तल्यौ बहुकियो अभिमान ॥ ५ ॥ जबसुनूंगीकृष्णआवत
तबकरूंजलपान ॥ ६ ॥ बंधुरुक्मइयेब्याहरचायो छाँडकर
कलकान ॥ ७ ॥ कोटितारेमहापापी अज्यामेलसमान ॥८॥
निसदिनमेरेध्यानतुमरो अहोसारँगपान ॥ ९ ॥ आँवनहो
यतोआवसाँवरा असुरतोडेतान ॥ १० ॥ पदमकेस्वामीबेग
दरसद्यो नातरतजिहैप्रान ॥ ११ ॥ राग केदारौ ॥ होद्विज
द्वारकालौंजाय ॥ टेक ॥ द्वारकामें श्यामसुंदर सँदेशोपहुँ
चाय ॥ १ ॥ प्रेमपतियाँलिखीकरसूं बेगदीज्यौजाय ॥ २ ॥

चित्तमेरासससीसुन्दर संगरहूँजदुराय ॥ ३ ॥ रुकमइयाने
व्याहथरप्यो पितापूछिनमाय ॥ ४ ॥ लिख्यौलगनवरात
आई दियोमंडपछाय ॥ ५ ॥ कुंदनपुरमैं होतइचरजस्याल
रोकीगाय ॥ ६ ॥ स्यालियौसिसपालडाहलसिंघ भकालि
याँजाय ॥ ७ ॥ छत्रधारीभूपराजा म्हारोनअचेरचोआय ॥
॥ ८ ॥ जोडदलसिसपालआयो जरासिंधहैसाय ॥ ९ ॥
म्हैहूँनिर्बलअबलनकोई कहूंबेदनकाय ॥ १० ॥ हंसकोम्हेअंस
लीयोकागक्यूँमंडलाय ॥ ११ ॥ मेरोतौकछुनाँयबिगरोबिरदतु
मरोजाय ॥ १२ ॥ गरुडचढगोविंदआवौ पद्मबलिबलिजाय
॥ १३ ॥ रागसोरठ ॥ गरुडचढआवौजीगोविंद ॥ टेक ॥
भौंवरावकीभीरचढौहरपणराखौनँदनंद ॥ १ ॥ इणअवसरदु
रजनदुखमेटौ कीन्हो कंस निकंद ॥ २ ॥ बलिछलकेपाता

लपठायो खुसांभयाहरइंद ॥ ३ ॥ बाँकीनैंसूधीकरदीन्हीं
कुबजाहुईमहमंद ॥ ४ ॥ मुजनुगणींकागुणऔगुणकूं जान
तहौब्रजचंद ॥ ५ ॥ पदमभणैशिवकर्णविनयसुन डुबतर
ख्यौगयंद ॥ ६ ॥ राग सोरठ ॥ प्रभुजीथेआज्यौजाँणअनाथ
॥ टेक ॥ पतियाँलिखतमेरीछातियाँफटतहैं कलमनठहरत
हाथ ॥ १ ॥ भाईरुकमइयोकपटकमायो औरमिलीमेरीमात
॥ २ ॥ छलकरकेसिसपालबुलायौ बहुतसुभटलेसाथ ॥ ३ ॥
निकसत प्रानहियौकमलानैकंपतमेरोगाथ॥४॥ सिसपालासि
रबंध्यौसेहरौ उतरीआनबरात ॥५॥ येकनिमखकीढीलनकी
ज्यौजादवल्याज्यौसाथ ॥६॥ मनशिवकरणपदमदरसनविन
निकसप्रानयहजात ॥ प्रभुजीथेआज्यौ ॥७॥ राग जैजैवंती ॥ ॥५६॥
जायदीज्यौजीमोहनकूंम्हारीप्रेमभरीसीपाती ॥ टेक ॥समै

देखकेबातचलइयो कहज्यौसभासुहाती ॥ १ ॥कृष्णनाँव
सैंप्रीतलगीहै कलनपडतादिनराती ॥ २ ॥ जोनहिंआवैप्रान
तजूंगी करके मरूं अपघाती ॥ ३ ॥ यामनमेंनहच्चेकर
जाणौ आनसंगनहिंजाती ॥ ४ ॥ म्हेंअपनौमनठानरहीहूँ
और कछुनसुवाती ॥ ५ ॥ तेरेबिरदकौलौगहसेंगे सममेंगई
नहिंआती ॥ ६ ॥ यहसिसपालकालसोलागे जमसे लगतब
राती ॥ ७ ॥पद्मकेस्वामीबेगदरसद्यौसीतलहोयगी छाती
॥ ८ ॥ राग केदारौ॥ करहिजद्वारकालगगवन॥ टेक ॥रुक
मणीकीले अंगूठी चलेजैसेंपवन ॥ १ ॥ कुंदनपुरमेंन्याव
नाहीं अबगतिलागीहवन ॥ २ ॥ इश्वरजएकासिहनीसें स्या
रच्याहैरमन ॥ ३ ॥ जोडदलसिसपालआयौ पौलतोरणछवन
॥ ४ ॥ पदमसामीभणैरुकमणि बिलमैंकारनकवन ॥ ५ ॥

॥ दोहा ॥ पाती लिखद्विजकूँदई, चरणनिवावैसीस ॥ यह
पतियाँरसनाँकहौ, जबमेटौजगदीस ॥ १ ॥ ब्रह्मनींअति
व्याकुलभई, नैनरहेजलधार ॥ जीभडलीछालापड्या,
कृष्णपुकारपुकार ॥ २ ॥ रागलावनी ॥ रुक्मनीजोकरुणा
करे लग्नलिखविप्रहातधरदीन्हा ॥ ॥ टेक ॥ गजनेंव्याप
त्रिकालिखी नाथसुमर्णोकियोअपर्णांमनमें ॥ तुमधायेपवन
केवेगचक्रजायदियोग्रहाकेजलमें ॥ टींटोडीकरपुकारनाथ
मेरेबच्चारहेढोडलमें ॥ मेरेसुतकेनहींहैंपंखयजीलेकैसेउ
डूँगिगनमें ॥ झेला ॥ तुमसुनियौटेरमुरारी ॥ रहेभीवँधरेअ
वतारी ॥ गजघंटाटूटपरीअंडनपरमेहरकरीरंगभीना ॥ रुक्
मनीजोकरुणाकेरलग्नलिखविप्रहातधरदीना ॥ १ ॥ अचक
मचकपगधरतलचकगतशोभावरणिनजाई ॥ हैरूपरंगमेंजं

गकेललतपतसीरुकमनबाई ॥ छतियाँपेसोवेचक्रअधरदाड
मसीदंतललाई ॥ दीपकसिनासिकाझिलेनैनबिचभ्रकुटीकी
शोभाछाई ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंब्रजवासीब्रजराजदुर
सकोप्यासी ॥ बनीबनाब्रजराजसाँवरामहर करौरंगभीनाँ॥
रुकमनीजोकरुणाकरे लखिलिखाविप्रहाथधरदीनाँ ॥ २ ॥
हैतीनाद्निोंकीअवधकालसिसपालडाहलगलफासी ॥ म्हेंध
रुंतिहारोध्यानकुंदनपुरआवोनाथब्रजवासी ॥ बिनदेख्याँनहिं
चैनाचितमेंरहुंनितभौतउदासी ॥ तुमआयेबिनमहाराजजग
तमेंहोयाबिरदकीहाँसी ॥ झेला ॥ येजीअरजसुणौंगिरधारी ॥
म्हेंचरणकमलबलिहारी ॥ हरिनंदसुतब्रजराजसाँवरावेग
दरसदेदेनारुक० ॥ ३ ॥ ॥ सोरठ ॥ हरहर जोसीतेडिया
आप्यापंचकिरोंड ॥ हराबिनहतलेवोजुडेतोम्हानेंलागमोटी

खोड ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पातीगूझलिखीगुणवंतीसंदेसोपौ
चाज्यो ॥ बाटोंजाताबिलममतकीज्योबीस्वंभरनैल्याज्यो ॥
॥ १ ॥ पीतांबरसूंप्रीतपहलकीसोहूंसबहींजाणूं ॥ रावणमा
ररामप्रतिपाली सोगुणबादबखाणूं ॥ २ ॥ रामरूपहोयआगे
परणीसुरनरआयरुबैठा ॥ तोडचोधनुषकियादोयटुकडाज
बत्रिभुवनपतिदीठा ॥ ३ ॥ साथजनमसाथीसाँवरिया टीक
मथारीतरणीं ॥ प्रथमप्रवाडाजनकसुताघररामरूपहोयपर
णीं ॥ ४ ॥ सातजनमसाथीसाँवरिया इसकारणमनमोयो॥
गोखचढीहरआँसूडारैनैनभरभरजोयो ॥ ५ ॥ कृष्णकुंजाय
रकागददेहूंइणबिधरंगचढाऊँ ॥ रुकमणकंथकुंदनपुरल्याऊँ
अनंदबधाईपाऊँ ॥ ६ ॥ निश्चयजायद्वारकामाहींकृष्णकुंदन
पुरल्याऊँ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंआनँदमंगलगाऊँ॥७॥

।।दोहा।। श्रीगणेशकौंसुमिरिकै,द्विजहरख्यामघजाय।।सकुन
हुवासबहीभला,आनंदउरनसम्हाय ।।१।। राग कालिंगडौ ।।
आजरासकुनभलाहौम्हाँनेसाम्हाँमिलियाराज ।। टेक ।। सूध
तिलकम्हाँनेंबिप्रजमिलियौ मंगलगावतिदासी ।। सकलश
स्त्रलियाँक्षत्रीमिलियौ मिलसीद्वारकावासी ।। १ ।। गाडाभ
रयाधानकामिलिया औरछतीसूँबाजा ।। कँवरचढयाकेका
णाँमिलिया मिलसीद्वारकाराजा ।। २ ।। मंगलमुखीजसाम्हौं
मिलियौ बेंडौलेपिणियारी ।। हिरणडारम्हाँनेंहरख्यौमिलियौ
मिलसीकृष्णमुरारी ।। ३ ।। सकुनबिप्रनेंहुवाजनीकाहरीमि
लनसहनाणा ।। पदमणेंप्रणमैंपायेलागूं कीन्हाँविप्रप्रयाणाँ
।। ४।।रागमारू ।। रुकमणतोब्राह्मणनेपरले संदेसोरेपठायो ।।
जोजनपाँचसातजायसूतो शिवजीकेमनभायो ।। १ ।। सिरी

कृष्णासिंहासनबैठाशिवजीमतौउपावै ॥ कुंदनपुरतैंब्राह्मण
चाल्यौ वौइतलगकबआवै ॥ २ ॥ भणैंकृष्णजीसुणौसदा
सिव थेमनकीसबजाणौं ॥ मालबिराणौघरमैंधारिके सूतौखू
टीताणौ ॥ ३ ॥ भणेसदाशिवसुणौकृष्णजीथतौअंतरजामीं॥
ब्राह्मणकहियेदुरबलविरधा नांहिंविप्रमैंखामीं ॥४॥ पारखतां
कूंआग्यादीन्हीथे ब्राह्मणकूंल्यावौ ॥ ब्राह्मणसूताकाचींनि
द्राल्यावतमतीजगावौ ॥ ५ ॥ जायपारखतदईपरकमाँविप्र
बिवाँनबिठाया ॥ धरविमानमैंआयउतार्‍या सोवतनायज
गाया ॥ ६ ॥ आयउतार्‍यातीरगोमती छिडक्यासीतलपा
णी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं जबलगबिप्रनजाणी ॥ ७ ॥
रागमारू ॥ उठ्योविराम्हणनिरखनलागौ देख्यागढांकैला
सा ॥ बारेजोजनसरबसोनाका गढमढपौलप्रकासा ॥ १ ॥

राजद्वारस्वामीजीपूछै बोल्यावचनकुमारा ॥ कोहैदेसकौ
नयानगरी कहोनीकौनबिचारा ॥ २ ॥ यहरतनागरपासगो
मती जादूजुगतनरेसा ॥ हरख्यावदनथरीहरजोसी कीन्हाँ
नगरप्रवेसा ॥ ३ ॥ हरख्योविप्रभींवराजाकाद्वारावतीहूँआ
यो ॥ भींवकँवरिकाकारजसरसी यहाँब्रजराजबतायो ॥ ४ ॥
छपनकोटकीअतिठकुराई बाजाअनहदबाजैं ॥ कंचनझलके
कोटकाँगरा गढाँगढाँकेराजैं ॥ ५ ॥ थतौमिसरजगतकागुरु
हौलेकरआथासावो ॥ केशौरायकँवरकीपोली सीधाचाल्या
जावो ॥ ६ ॥ पोलीजायप्रीतसूँठाडो भीतरभेदजणायो ॥
कागदलेकरकृष्णकरदीन्हो आसिरबादसुणायो ॥७॥ जबह
रिमिसकरपूछणलागा विप्रकहाँसूँआयो ॥ विद्रभदेसकुंदन
पुरनगरी भींवाकिकँवरिपठायो ॥ ८ ॥ भणैंकृष्णजीसुणोवि

राम्हणआयाकेदिनमाहीं ॥ लावौबहुतसाँकडोत्थायासह्य
तौदीखेनाहीं ॥ ९ ॥ कहैविराम्हणसुणोकृष्णजीकँवरजुकुव
दउठाई ॥ कौकथाराजचँदेरीराजा जानदूसरीआई ॥ १० ॥
कहैकृष्णजीसुणोविराम्हण आछीबातबणाई ॥ राजाभीष
कएककरुकमणी सोयदोयजानबुलाई ॥ ११ ॥ रुकमणतणी
वीनतीथतौसुणियोजादूराई ॥ पदमभगतपरकिरपाकीज्यो
संसोमेटोआई ॥ १२ ॥ दोहा ॥ हरिपूछेहरिदासने,
कहोदेशनगरकीबात ॥ आनँदमैंथारे.राजवी, कहोरुक
मणिकुसलात ॥ १ ॥ विदर्भदेशसुहावणो, रुकमणि
तणौनिवास ॥ मंगलगावैंकामण्याँ, लीलारासविलास ॥२॥
रागमारू ॥ लीलारासगोविंद गुणगावैं धरमतणौविवहारौ ॥
जितलगहदराजाभीषमकी सरबसुखीसंसारौ ॥ १ ॥ बाडी

बागमहलऔरमंदिरकूवाबासतलायो ॥ अष्टसिद्धिनवनिधी
सरससे आनँदमंगलगायो ॥ २ ॥ पूजाबिबदबेदधुनउचरेज
ग्यजपैमनहरषे ॥ परसनइंद्रकोटतेतीसूं मुखमांग्यूंजलवरषे
॥ ३ ॥ कँवरकुलखणकयोनमान्योचीरीदईचँदेरी ॥ डाहल
जानजोरपुरआयो कँवरिगहापणतेरी ॥ ४ ॥ येहीअरजएक
करूंबिनती सुनलीजैअबमेरी ॥ पद्मभणैप्रणमैंपायेलागूंस
रणगहीप्रभुतेरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हरिपूछेहरिदासनें, केहदे
रूपकँवार ॥ कहोसत्यद्विजवरसही, भाखोबैणबिचार ॥१॥
दधिसागरमेंऊपजी, कमलासुनौबिचार ॥ जाणोदेवीजानकी,
बहुरिलियोअवतार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ दोउकुलवंशसभामें
राजाजैसेचंदउजारो ॥ ऊगेरवीछिपैंसबउडगणकँवरीरूपअ
पारो ॥ १ ॥ बिरछाँमेंज्यूंपारजातहै मानसरोवरसारो ॥

परबतमैंजैसेंहेमासिखरहैडंगरअनतअपारो ॥ २ ॥ घोडामें
ज्यूँऊचीसरवा अहिरावतगजसारो ॥ देवगणामेंइंद्रभणीजे
रंभारूपसँवारो ॥ ३ ॥ ब्रह्माघरसावित्री सोहै रुद्राघरारु
द्राणी ॥ आदविष्णुअरधंगीसोहैइंद्रघरांइंद्राणी ॥ ४ रुक
मणतणेरूपकीशोभा कहतनआवैपारो ॥ सिंधुसुतालक्ष्मी
सीशोभावत्तीसूँआभारो ॥५॥ रुकमणितणेरूपरीसंख्याकह
तनआवेबाणी ॥ कबलगकहूँकहाँलौंबरणूँ वैश्यपदमबाखा
णी ॥ ६ ॥ अबश्रीकृष्णगोत्रपूछतेहैं ॥ दोहा ॥ कौणसा
खकिणरीसुता, किणघरजनमीआय ॥ गोतमातनखसकल
विधि, द्विजवरद्योसमुझाय ॥ १ ॥विप्रउवाच ॥ रागमारू ॥
नानीखीचणमायसोलषणी दादीजातपवारी ॥ वंशपवारगो
त्रभीषमका जिणरीराजकँवारी ॥ १ ॥ इणविधगोतभविकु

लभाख्याआपकहेगिरधारी ॥ पदभणैंहोब्राह्मणयूंबोलैच्या
रौंगोतविचारी ॥ २ ॥ दोहा ॥ हरीदासनैंहरमिल्या, हर
खहुवामनमाय ॥ दरबारानैंपतघुरी, आनँदउरनसमाय ॥
॥ १ ॥ द्वारावतीकीकामणी, लीन्हींसकलबुलाय ॥ द्वादशषो
डशवर्षकी, फिरीचहूँदिशआय॥२॥ रुकमणिकीचरचासुणी,
गूंघटमैंमुसकाय ॥ छपनकोटजादूजुरचा, सबमिलबैठाआय
॥ ३ ॥ इतनीसुनिआनँदभयो, मोतियनचौकपुराय॥ चंदन
चौकीसाजसब, जादूपतिबैठाय ॥ ४ ॥ दुरबासाअक्षतति
लक,कलशगणेशपुजाय ॥ हरियेहरिकेतिलक्कर, कामणिमं
गलगाय॥५॥ रागमारू॥ जवहरियेफेंटासूंखोली रुकमणिकी
सहनाणी ॥हीरारतनअधिकअतिजाड्या इसीअँगूठीआनी
॥ १ ॥जवहरियेहरिकूँपहराई हरिअंतरमें जाणी ॥ यामुँद

रीतोजनकसुताकी अपनी औरपिछानी ॥ २ ॥ त्रेताजुगमैं हणुमतदीन्हीआसहनाणीम्हारी ॥ लंकाजारीबागबिधुंस्यो जदकीबातचितारी ॥ ३ ॥ रुक्मणिकीयहबीनतीजी सुनियोजादूराई॥दासपदमपरकिरपाकीज्यो संसौमेटोआई ॥४॥

॥ दोहा ॥जबहीरहलधरकूंकह्यो, डेराभवनादिवाय ॥ कंचनचौकीडारकै, सैन्यालेवोबुलाय ॥१॥ तातोपाणीउबटनो,मरदनअंगकराय ॥ सौडगलीचागेंदवा, जाजमद्योबिछवाय ॥२॥ हरख्योद्विजबरबैठियो, मनकरमान्योचाय ॥ दरसणकीन्हा स्यामका, फूल्योअंगनमाय ॥३॥

रागबिहाग॥ हरिनैपत्रिकाद्विजदई ॥ टेक ॥ रुक्मणीकीलिखीपातीसीसपैंधरलई॥१॥ बांचपातियाँहरषमनमेंआनंदउपजेसई ॥ २॥ ॥जानासिंगारौ बलभद्रभाईचित्तचालनभई ॥ ३ ॥ द्वारिकामेंहोतमंगलभौ

मरतनाँछई ॥ ४ ॥ दासपदमअनंदघरघरच्चरच्चाइणाविधभई
॥ ५ ॥ लावनी ॥ रुकमनीबचनकीरच्चना ॥ पतियाँबांचत
छैलछकनियाँ ॥ टेक ॥ पढप्रथमसिद्धसिरीसीलसवंउपमाज
नुजगतकेहेरी ॥ पुनिपुनिप्रणामअपरंचचरनदरसणच्चखचा
हघणेरी ॥ इतकेसुणसाँचेसमंचारम्हेंअरधंग्यात्रियतेरी ॥
जनमानजनमकीलगीलगनपगपरीप्रीतकीबेरी ॥ झेला ॥
रुकमइयेकुमतउपाई । दुष्टनकी सैन्यबुलाई ॥ पितुबच्चन
निरादरकरतअक्रमीं ॥ मानतनहींसिकानियाँ ॥ रुकमनीब
च्चनकीरच्चना ॥ १ ॥ जमकीसीधारबरातकालसिसपालसं
गसंजिआई ॥ दुरयोधनसमदुरबुद्धिकोटखलउमँगेजगदुख
दाई ॥ ममप्राणघातहितकरतप्रतिग्याप्रभुतामानबडाई ॥
पितुभीषमकोप्रणराखोल्योतुमखबरतुरतयदुराई ॥ झेला ॥

कुंदनपुरघेररहहै। सबनैकरशस्त्रगहेहैं। हरिभक्तपिताकीयेज
घटैनारदमुनिसत्यकथानियाँ ॥ रुक्मणी० ॥२॥ पापीयेह
प्राणपुकारकरेघनश्यामदरसकेप्यासे॥ हटतजैनघटतैंकदौनि
दुरवनबैठेविकटमेंवासे ॥ वासेमुखरहैंउदाससैहदुखरोवतदी
र्घउसासैं । सुधलीज्यौगिरधरनलालमतिराखियोआसनिरासैं
॥ झेला ॥ निशिदिवसबरससेंबीतें । दुखसुखजगतकीरीतें
म्हेदासितुमारेसरणतुम्हारोमनभ्रमवयूंललचानियाँ ॥ रुक्म
णी० ॥३॥ पनघटोमिटैकुलकाणबिरदउलटैकुललोगहसैंगे ॥
अबअंसकलानिर्वंशहुईतोउभक्तनपदपरसैंगे ॥ सिसपालतुच्छ
समकोटिनखलममतेजतुरतभुलसैंगे । मनवचनकर्मपूजेमहे
शतौहमहरिभवनबसैंगे ॥ झेला ॥ अबतौसुनपरमानिहोरे ॥
म्हैंपायपरतहूँतोरे ॥ हरिनंदकहैद्विजचंदचतुरदुलहनकानिबाँ

धकँगनियाँ ॥ रुकमणीबचन० ॥ ४ ॥ रागविहाग॥जरदभ
येबाचतहीपतियाँ ॥ टेक ॥ ऊपरलिखेप्रेमकेअक्षरधरकधर
कधरकेछतियाँ ॥ १ ॥ हमारिबिथाहमरातनजानैंबांचिनजा
यप्रेमपतियाँ ॥ २ ॥ पदमरश्यामशिवमहरकरोप्रभुबीतेजाय
दिवसरतियाँ ॥ ३ ॥ ॥ रागमारू ॥ ॥ हरियामूँगमँडौवरा
ल्यावौउज्जलभातकरावो ॥ चोखाचावलघिरतघणेरानूरोमा
हिंमिलावो ॥ १ ॥ छप्पनभोगछतीसूबिंजन एकसूँ एकस
वायो ॥ चोखाघृतश्वेतधेनूकानूरोमांहिंरलायो ॥ २ ॥
सावूनीमिसरीकोसीरोघणाघिरतकोघायो ॥ घेवरपाकजले
बीखुरमामालपुवासरसायो ॥ ३ ॥ लाडूपेडाबरफीमुरकीब
हुपकवानमँगावो ॥ मोतीचूरमगदकालाडूद्विजरुचरुचकेपा
वो ॥ ४ ॥ केलामूगाँभाँतभाँतकेपापडवडामुँगौडी ॥ सकल

पाकअतिसुंदरबणियाँसुबसैंअधिकफलौडी ॥ ५ ॥ कोलौपे
ठौबैंगणतोरूआँबासेआचारौ ॥ खारकदाखबिदामखोपरौ
खटोफोगफुलगारौ ॥ ६ ॥ ॥ दोहा ॥ उठोजोसीजीम्
ल्यो, हुईरसोईत्यार ॥ सखियनमंगलगाविया, कृष्णकरे
मनुहार ॥ १ ॥ मिलकर आईसहचरी, गावतमंगलचार ॥
जोसीबैठाजीमवा, मुदितभयेनरनार ॥ २ ॥ रागमारू ।
रुचरुचजीमौविप्रभौंवराथाँलायककछुनाहीं ॥ निर्मलझारा
गंगाजलकी अंचवनदियोकराई ॥ १ ॥ थाँरेकुमीन
हींकाहेकी अनदाताम्हेधाया ॥ पदमभणतजोसीमन
भाया नीकाविप्रजिमाया ॥ २ ॥ दोहा ॥ बीडीपान
कपूरकी, दीदखणीबलबीर ॥ मालामोतीमूदडी, औरप
टंबरचीर ॥ १ ॥ (गारीगावैरागबेरवा) तालठुमरी ॥

पाँडेजीथेम्हारेभलआया ॥ टेक ॥ काँईजीकमावैथारैभावै जीरीनारीजिनसिसपालवुलाया ॥ १ ॥ रुक्मणिकँवरीराय भींवकीजादूमानवधाया ॥ २ ॥ एकसखीयेसेंउठबोलीपाँच सातकाथेजाया ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं कितराबा पकहाया ॥ ४ ॥ रागबरवो ॥ साजनियाँआयारी सखीमोरे अगना ॥ टेक ॥ ल्यावोरीसखीद्योवैसणियाँ ऊँखलमूसलि याँ ॥ १ ॥ ल्यावोरीसखीखटडियाबिछावोदेसांकातणियाँ ॥ ॥ २ ॥ ल्यावोरीसखीभोजनियाजिमावो खटरसविंजनियाँ ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं गावैंप्रभुकेगुनगनियाँ ॥४॥ पाछीगारीनारदगावे ॥ रागबरवो ॥ सुनसमदणचतुरसुजा णआयोम्हैतेरै अँगना ॥टेक॥ म्हैंहूंब्राह्मणराजाभींवकोतूँ मे रीजजमानखुसीहोयदेदछना ॥ सुन० ॥१॥ राजसुहागभाग

कापूरीकलिमैंतेरोनाँव सदाबोलैंबमना ॥सुन० ॥२॥ मोति
यनथालभरदछणाँल्याईकरआदरसनमान ॥ येहीशोभाअं
गना ॥३॥ गूँघटकापटखोलनिजरभरहैखूबी ॥ देआदरमिज
मानजायातुमदोयललनासुण ॥ ४ ॥ जोचायासोदियावि
प्रकूंबोहोतकियासनमान खुशीहोयमनअपना ॥ ५ ॥ पदम
केस्वामीमगनभयोजैसेमेहवरषेघनगाजेगिगना ॥ सुन० ॥
॥ ६ ॥ दोहा ॥ हलदहातकेओतणी, सबमिलकरबखाण ॥
सबकेमनआनँदभयो, हरषेसारँगपाण ॥१॥रागमारू॥मोति
यनचौकपुरायआँगनमैं सखियनमंगलगाया ॥ मलियागिर
कीचौकीऊपरासिरीकृष्णबैठाया ॥ १ ॥ ऋषिदुरवासाअक्षत
दीन्हाकलशगणेशपुजावै ॥ पीठीसोवहलाडलडावै हँसहँस
मंगलगावै ॥२॥ हरकीनारकरैंकौतूहलआनँदउरनसम्हावै ॥

कहाकहूंयाछबिकीशोभा महिमापारनपावै ॥ ३ ॥ बहुन
सौंदरासाजआरती राईलूणउतार ॥ तनमनप्राणकरेनौछाव
रबारबारबलिहारै ॥ ४ ॥ गावैगीतबजावैंबाजाबाँटतरैंसबधा
ई ॥ हलदहातकीसुंदरशोभा पदमश्यामबलजाई ॥ ५ ॥
छंद ॥ सारदआदमनायगनपत ध्यानशंकरकोधरैं ॥ ब्रह्मा
वेदविचारिकेध्वनिआरतीनारदकरैं ॥ इंद्रआदिमहेंद्रआयेद
वसबजैजैकरैं ॥ आनकुलगुरुपूजिगणपतिकलशलेथांभेधरैं ॥
सिद्ध चारणभाटगांध्रबआसिखादेवैंखरे ॥ दासपदमसुगंध
पीठीहरषके मुसचौपरे ॥ रागबसंत ॥ हलदीकोरंगसुरंगनि
पजैमालवै ॥ टेक ॥ कंचणबरणकेसरसूंईपीरीतामेंबहुतसुग
ध ॥ १ ॥ याहलदीशंकरमोलावैपारबतीमनकोड ॥ २ ॥
याहलदीब्रह्माजीमुलावैसावित्रीमनकोड ॥ ३ ॥ याहलदीव

सुदेवजीमुलावैदेवकीजीमनकोड ॥ निपजै० ॥ ४ ॥ याह
लदीशिवकर्णभक्ताहित पदमइयामनकोड ॥ निपजेमालवै ॥
॥ ५ ॥ रागबरवो ॥ म्हेंगांधीप्रभुरावरो भोराहिंउठधायो ॥
॥ टेक ॥ बहुतसुगंधी पीसकेसुगंधबनायो ॥ मरवा दौनामौ
गरौचंपौ पिसवायो । म्हेगांधी० ॥ १ ॥ कपूरकचरीपानडी
छरछरीलोमिलायो ॥ नागरमोथोमानसीजामेंअमरिलायो॥
॥ २ ॥अगरतगरभरपूरहै मृगमदमनभायो ॥ केसरजावक
जायफर कापूरठिलायो ॥ ३ ॥ चंदनतलइलायचीऐसोमेल
मिलायो ॥ हेमकलशशिवकर्णभरेपदमइयोल्यायो ॥ ४ ॥
रागखमाचकी ठुमरी ॥ रूपखुल्योघनश्यामउबटणासुंसौ
लोचदयोछैवना ॥ टेक॥ रतिवसभईअपछरामोहीपेखतभई
जीनिहाल ॥ १ ॥ थिरभयोपवनरवीरथथंबे देवनपुष्पप्रहार

॥ २ ॥ कोटिमनोजरूपपैवारूँ सरभरकरैहनआन ॥ ३ ॥
बलबलजायदासपदमइया राईलूँणअँवार ॥ उबटणासूं ॥४॥
रागखट ॥ साँपडश्यामसिंघासनबैठा सखियनबनावनावेरी
॥ टेक ॥ जरकसपागजरीरोजामौहरिजीनेपहिरावेरी ॥ १ ॥
जरीदारमौजडियाँसोवैसबसखियनमनभावेरी ॥ २ ॥ कम
रकटारौबाँकडौसोहैबीजलसाररी ॥ ३ ॥ पदमभणैप्रणमैंपा
येलागूं आनँदमंगलचाररी ॥ ४ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमो
तीवारूंहे सोवारूंसोहीथोडाबनाप्र० ॥ टेक ॥ शिरसोने
कोसेहरोबिराजैमोहनरूपनिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनसोदराकरे
आरतीराईलूंणअवाँरूँहे ॥२॥ पदमभणैप्रणमैंपायलागूंजीवन
जन्मसुधारूँहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ व्यासभणैश्रीदेवसे, सुणज्यो
श्यामसुजान ॥ तुमहूंकेसुरमारियो, दियोबभीषणमान ॥

॥ रागमारू ॥ द्वियौवभीममरजराजवीभगताँमानवधावौ ॥
दिल्लीपतिमंडलसुतराजाजिनकूँ न्यूतबुलावौ ॥ १ ॥ व्यासक
हीकैसोमनमानी व्यासदेवतुमजावौ ॥ इस्थेमोहोरतलिखो
पत्रिकासिद्धजोगसबआवौ ॥ २ ॥ करमनुहारलिखाबलरा
जातुमराजनकेराई ॥ झगडाजरासिंधराजासैंऊपरकीज्यो
आई ॥ ३ ॥ अरजुनभींवनकुलसहदेवाधरमपुत्रबडमानी ॥ सि
रीकृष्णकेवँधेसेहरोसबमिलआवोजानी ॥ ४ ॥ च्यापरबेगकरोच्च
ढवाकीहतनापुरदरसाथो ॥ खबरहुईपंडूराजानैं व्यासदेवजी
आयो ॥ ५ ॥ नौतोखालादियोजादूकोमोहवचनप्रतिपालौ ॥ झग
डोजरासिंधराजासैंसबमिलजानीचालौ ॥ ६ ॥ धरमपुत्ररा
जायूँबोलै अबकोईमंत्रबिचारो ॥ उद्दधिपुरीचलणोहीचाहिये
कोईजीतोकोइहारो ॥ ७ ॥ रायभणैकुंताँसौहंतीजननी

बुद्धिबतावो ॥ पारब्रह्मकाचरणगहोगे हारिकदेनहींआवो ॥
॥८॥केशोअपनाअपनकेशोकायेहकारजकरआवो ॥ पीठदेर
भारतमतभाजो मेरोदूधलजावो ॥ ९ ॥ जोडयाहातपुत्रमा
तासैंसुणीआदक्षीमाथा ॥ यहतनमनकेशौपरवारों तौकुंतौ
काजाया ॥ १० ॥ क्षोहणीसात्जलंधरबगतर गिगनखेहजा
यलागी ॥ मध्यअडंबरझिलकैसोहै चढजौधबडभागी ॥ ११॥
याद्वथकितहुवादेख्यौतै दलपांडवकाभारी वेदव्यासकी
करौआरतीबालेकृष्णमुरारी । १२ ॥ कंचनथालभऱ्यामो
तियनकाराजपोलसिणगारी ॥ वेदव्यासकीकरीआरतीपद्
मभगतबलिहारी ॥ १३ ॥ छंद ॥ जादूजगतनरेशबोल्यासि
लेखानौंआनरे ॥ १ ॥ तेडेसाहनस्वारथी निजसारथीनिजसं
गरे ॥ २ ॥ पीडपलँगपलाणपाखरपोइनामकरंदरे ॥ ३ ॥

नातलाउतुरंगताजीघोरजातमभंडरे ॥ ४ ॥ कुमेतकालाका
नडाकिलनीलरानोरंगरे ॥ ५ ॥ छुटाघोडासोह्नीतूसाहनी
कलसाररे ॥६॥ करडकुहडाकावराऔरमाकरीमल्लानरे ॥७॥
दाणियाँरपरेवरा औहंसरासूचालरे ॥ ८ ॥ मुलतानियाँअरु
परवती पंचरतनकल्यानरे ॥ ९ ॥ दावडाधौसावडागिदू
दडापथरफोडचंगोडरे ॥ १० ॥ ऊंचाअलीलाअचपलाचंच
लाऔरचपलरैं ॥ ११ ॥नौलखाउडगनबैंगिया कपूरियारु
कुरंगरे ॥ १२ ॥सुवा खडासौरठामूंगियारुसुरंगरे ॥ १३ ॥
सबखघोडाकहरकाबाबरबरानाआणरे ॥ १४ ॥ हिणाहिणार
भुजंगमुसकीलीलागरडपलाणरे ॥ १५ ॥ मोतीबरणाआरा
किया सुनेराणरुगोढरे ॥ १६ ॥ उजलधौलाकेशरबरणापाणी
पंथपलौटरे ॥ १७ ॥ कुदलताजीतीतरा चीला अरु जंगर ॥

॥ १८ ॥ गिरह्यणाओरहन्यापटणा मौरवारुसमंदरे ॥ १९ ॥ येकपवनकीचलबराबरयेकपवनपहलेआयरे ॥ २० ॥ येक पवनसूँचलेसतगुणाखासारथजुतवायरे ॥ २१ ॥ एकमदमा ताफिरेआवनीकृष्णकेमनचावरे ॥ २२ ॥ पदमस्वामीमन्नह रषे घोडाजातबखाणरे ॥ २३ ॥ रागमारू ॥ हलदहैंसिया औरअबलियारथजोडयाकेकाणा ॥ कालूकबुतराकूंकूखंधा री चीण्यालीलाआणा॥१॥ बोहारकच्छियाबिगडपाहाडीली लापंचरतनकल्याणा ॥ स्यावकरणसूवावरश्यामातीतरवर्णा आणा ॥ २ ॥ उज्ज्वलवरणकिसोराघोडामेघावरणाजाणा॥ काछैलाकुरवाँनरौडियाकृष्णचाबकियाआणा ॥ ३ ॥ खंधा अरुगौटपरवानीअटकपूटिकाआणा ॥ अश्वकाबलीखुरास्या नरा पीलाघोडाआणा ॥ ४ ॥ गौडबिलासारंगजलालाआरि

यासेमिबँगाली ॥ तुरकीताजीअरुचीणाईयेराकीकनकजँगा
ली ॥ ५ ॥ मोहुवाहँस्यासँजावरसुरखारंगजामणीआण्या ॥
पद्मभणैप्रणमैंपायेलागूं जाण्याजितावखाण्या ॥६॥ दोहा॥
बलदमँगावौबहुगुणा, रथसंयूताजाण॥ कोटीगडाजुताबज्यौ,
बहलाँतणावखाण ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दखणदेशराहूडबहो
डा ढूँढाडारसुथाणा ॥ देशमालवेछोटाटँगण पूरबकापाछि
याणा ॥ १ ॥ कछभुजदेशराटकाबल्यारींडाकीअधिकाई ॥
मध्यदेशराखरासोहना बहलाँघणीबडाई ॥ २ ॥ बागडदेश
राभींडाल्यावोमेवाडीरेलखेरा ॥ मारूधरसींगालल्यावौब्रज
भौमींकागौरा ॥ ३ ॥ गौडदेशकाचीतमकालागुजरातीबड
काना ॥ देशबंगालेछोटागेणा जूपेबहुतअमाना ॥ ४ ॥कास
मीरकाधौलाधौलासेराज्यूँखुरसाणा ॥ पदमभणैप्रणमैंपाये

लागूं बहलाँतणाबखाणा ॥ ५ ॥ घोडाबहलमँगायाभारीउठाँ
करौतैयारी ॥ लखसाँढ्यासिणगारसरीखाअनडभिडाअस
वारी ॥ ६ ॥ कवित्त ॥ऊंठगलाऊपरा बलादारबौलाडे ॥
दीयौंहुकमदीबाणकहरताकीदक्कराडे ॥ साँडीबालसतावच्च
ढिसाँयाचलाया ॥ राहरूतेरवारधूतधरचौंहथकाया ॥ आँणि
याँधेरअखाडमलखौ दघडायाखूटडा ॥ नखतोडनेडाला
यानिडरआँणझेकायाऊंठडा ॥ १ ॥ रीबघडारातोडबैणबह
बडातबौलंता ॥ कालाभूराकेसचाल अपजोरचौलंता ॥जोडे
नीरसजायबलेखरगोसबिचाला ॥ पडमजबूतपहाडमंदबह
तामतवाला॥जेकल जडंगचौडाजबर लाँबालगसलडंगसा ॥
धूनाअतीतधूणीधडंगभराभूतभडंगसा ॥ २ ॥ वडवडाटबौ
लंता गजबकरतागरडाटा ॥ फडफडाटफेफराचठट चरखी

च्चरडाटा ॥ ऊँटसमेंलाआयामिलेभेला मदमाता ॥ हरद्दवरा
हाकिया जेमजोगेंद्रजमाता॥ गूंगागज्जाडागहलागडंगरडराव
णच्चढरोसरा ॥ ल्यावताँबारलागेनाहीं समाचार सौकोसरा
॥ ३ ॥ भलाऊँठभरकाभ्रसुंडजवराअंभारी ॥ ल्याया नीठ
लठौररीठहरसुँडेरबारी ॥ कोईंकहावेकाबलीअडखिमखा
थउबासा ॥ बहैढाणबवरेलज्जकेभाईजमरासा ॥ ध्रसुंडापा
हाडधरराटधरगडगडाटऊभागजे ॥ अतरीअवाजबोलण
असीबडेराजसुथरीबजे ॥ ४ ॥ पडपौतापवनाराजोममा
ताजाखौडा ॥ लुलूघौलुगथगाततारवडबेताखौडा ॥ कस
तौकाकूँचियाँ लालफूँदालटकावैं ॥ झलेसीसझौलियाँ
मछरकरतामनभावैं ॥ घरराटकरेगाजेघटा सारायेक
णसाथरे ॥ करेहलाँरीझबकसुण जगेविसंभरनाथरे ॥

॥ ५ ॥ बुगदीबबरविलौचजिकेमुरधरराजाया ॥ मारूध
राराऊपनामोलथलवटमोलाया ॥ जालौरीजातरामस्तअंग
मोलजघणेरा ॥ जेजोडेजूटचाउडे घोडाअधकेरा ॥ पाहाड
उठायजाखीप्रगट डाकीलीधाडोलता ॥ गाढागुसेलरूसेलग
घबीफरेलबागोलता ॥ ६ ॥ ऊँचाथुहाउतंगसीसटामंकसरी
खा ॥ लडबेबडीबलायतकेखडबेअतितीखा ॥ खसेटलाटल
खाय छजेअँगईडरछोटा ॥ बडभागणवाँमरा आणधरादिया
अंगोटा ॥ खीजियाँदातपीसेखडा अंधखंअहंकारमें ॥ नौहता
जोधसोबैघणा श्रीकृष्णतणादरबारमें ॥ ७ ॥ रेबारीरावला
जडंगडाकीजोरावर ॥ रूवालीरीछसा भूतबिडरूपभयंकर॥
ऊनाबसतरओटयेकमणदूधआरोगण ॥ कौंकडहंदाकीस
त्रिशूलचढरह्यातमोगुण ॥ जंगलीजरखहैताजिस्याकालाज

मरूपीकहै ॥ चरावैऊँठजादवतणा रातदिवस दौलारहै ॥८॥
॥ रागमारू ॥ इणविधऊँठयेखटाकिया मल्लअखाडेल्याया ॥
जमरादूतजिस्यारैबारीघेरबरोधरधाया ॥ १ ॥ भूराभगदड
भूतभमंडी दौडैंघणाउताला ॥ अंगउघाडेबभरूबरणादैतस
रीखाकाला ॥ २ ॥ जंगीऊंठसलीताँकारण चढबाकाजसहे
ला ॥ लंबीनालबहैऔचकता टोडअरीदलपेला ॥ ३ ॥ हस्ती
घुडलाऊँटबहलरथसाहणबाहणताता ॥ काहरकोटपालखी
कारणहुडदंगामदमाता ॥ ४ ॥ जगमगयानकृष्णकीसोहैशो
भासकलसरावै ॥ पदमश्यामशिवकर्णमनोहर बनडाकेमन
भावै ॥ ५ ॥ छंद ॥ गणपतीध्यायसरस्वतीनवमातृकापूजा
इये । कुलदेवदेवीइष्टकामिलनारमंगलगाइये ॥ १ ॥ कनक
थालरुरतनझारी यमुनजलभरवाइये ॥ मलियागिरीकीरत

नचौकीबनाकुँवरबैठाइये ॥ २ ॥ केसरअगरकपूरअंतर
अगरमुष्कीरलाइये ॥ यवचूर्णहरदीतेललेरसुगंधसकल
मिलाइये ॥ ३ ॥ मरदनसखीमिलस्वागणीदधिसहितमलन
कराइये ॥ चढायतेलन्हवायहरिकोपीतांबरपधराइये ॥ ४ ॥
हिरमुकटऊपरसेहेरा कटिफेंटबागोल्याइये ॥ मुखमलकाजो
डाजरकसी लेश्यामकूंपहराइये ॥ ५ ॥ कूंकंकटौरै हेमकेस
रगौरोचनपाइये ॥ गजमोतियाँकेकरौअक्षततिलकभालबना
इये ॥ ६ ॥ विधीकगुरुदेंआसिकानवमातृकापूजाइये ॥
करआरतीशिवकर्णपक्षसुबसुमंगलगाइये ॥ ७ ॥ रागखट ॥
साँपडश्यामासिंगासनबैठा सखियनबनाबनावैरी ॥ टेक ॥
पचरँगपागकेसरियाबागोमोहनकैंपहरावैरी ॥ १ ॥ केसरति
लककरयोकेशवके अरुशिरमौडबँधावैरी ॥ २ ॥गलमोतिय

नकीमालासोहैदुपटोफैंटबँधावैरी ॥ ३ ॥ जादूपतकीकरौनि
कासी घोडाबेगमँगावैरी ॥४॥ पदमश्यामसुखदायकनायक
अबक्यूंढीललगावैरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ जादूसबमिलकोकिया,
सबमिलबेठाआय ॥ नौतातणीजुहारहै, जाजमदेवोबिछाय ॥
॥१॥ रागमारू ॥ सतराजीतसत्तकीशोभा सबमिलजादूआ
या ॥ जबरकृष्णजीनौतोलीयो यादवकुलसबलाया ॥१॥ही
रारतनजुवाहरमोतीकंचनथालभराया ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूंसखियनमंगलगाया ॥ २ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमोती
वारूंहे जोवारूंसोइथोडाबनापर ॥ टेक ॥ सिरसोनेकोसेह
रोबिराजैमोहनरूपनिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनसौदराकरैआरती
पलपलप्राणजुहारूँहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंआगे
जनमसुधारूँहे ॥ बनाप० ॥ ३ ॥ रागठुमरी ॥ आजकीघ

डियाँहैंरंगीली ॥ टेक ॥ निरखलियोनवरंगबनाँनैभरभरनैन
नियाहैं ॥ १ ॥ सोनेकोसुरज आजभलऊगोजादूपतबनाब
नियाहैं ॥ २ ॥ चितवनमैंचितछीनलियोरी अनियारीअनि
याँहैं ॥३॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँगावतगुणगुणियाँहैं ॥४॥
रागमारू ॥ इंद्रघराँसूंघोडीआई घोडीरोमोलचुकावोजी ॥ ये
कुणघोडीरोमोलचुकावैएकुणबखसेदामो ॥ १ ॥ येकुणघो
डीराआयकपायकयोकुणहै असवारोजी ॥ साँणीघोडीराआ
यकपायककान्हकँवरअसवारोजी ॥ २॥ इंद्रघराँसूँघोडीआई
घोडीरोरूपबखाणोजी । खुरिखुरतालीकंचनकेरीमुरचाँनवर
जाणोजी ॥३॥ लाललगामजडीकडियालौंहीराजडतपिलाणो
जी। झिलमिलरमोतीझलकेजीणबनातीआण्योजी॥४॥रतन
पदारथमोहरापौयाकेसाँमोतीसान्याजी ॥ साजासिंगारसाह

णील्यायो घोडीघरत्याँपाँवनधाऱ्याजी॥५॥रायजादेतबकरी
निकासी घोडीकेरपवनसूँबाताँजी॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागूँ
कान्हकँवररँगरातजी ॥६॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौतणी,जा
चकमाँगैदान ॥ रतनजडितकोसेहरो, द्यौऔलग्यानेदान ॥
॥ १ ॥ रागमारू ॥ करसोलासिणगारकामणीयेकयेकइध
कारी ॥ सिरीकृष्णकेसुरमौसाऱ्यौहलधरजूकीनारी ॥ १ ॥
सुरमाँसारभईमुसकानीहमरानेगचुकावौ ॥ नवलबनाकीछ
बिपरवारीचढकुंदनपुरजावौ ॥ २ ॥ गोकुलअरुवृंदावनमथु
राब्रजकीभूमिलिरावौ ॥ भावजम्हारेसुरमौसाऱ्योधणीबधा
ईभरपावो ॥ ३ ॥ काँइजीकरूथारीमथुरानगरीबातोआप
रखाज्यो ॥ लेकरलाडीपरणपधारोपहलीपायलगाज्यो ॥४॥
भेरमृदंगसुबाजाबाज्या रागछतीसूँसाजा ॥ कुंदनपुरने

करीतयारी चवदाभवनकेराजा ॥ ५ ॥ खडीअपछरानिरत
करतहैंचिरंजिवोथाजोडी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं आप
चढेहरिघोडी ॥ ६ ॥ रागठुमरी ॥ बनापरमोतीवारूंहे ॥
जोवारूंसोहिथोराबनापर० ॥ टेक ॥ शिरसोनाकोसेहरौ
बिराजेमोहनरूपनिहारूंहे ॥ १ ॥ बहनसौदराकरेआरतीप
लपलप्राणजुवारूँहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँआगे
जनमसुधारूँहे ॥ ३ ॥ दोहा ॥ नीकासीकेसौतणी,जाचक
माँगैंदान ॥ रतनजटितकोसेहरौ, धौऔलग्याँनैंदान ॥ १ ॥
सब जानीजादूचढे, उग्रसेनवसुदेव ॥ रतनजडितहारिसेहरो,
मोतियनबूठामेंह ॥ २ ॥डेरादीन्हाँबागमैं, मेलाहुवासबसा
थ ॥ रुकमिणसावौसाँकडो, बेगचढोपरभात ॥३॥ भेरदमा
मावाजिया परीनिसाणाँघाय ॥ चढियोत्रिभुवनराजवी, दास

पदमबलिजाय ॥ ४ ॥ दोहा ॥ ब्रह्मादेवपधारिया, हरिसौं पूंछेआय ॥ हरजीकहकारजकरो, जानभेलीहोयजाय॥ १ ॥ रागमारू ॥ जबब्रह्मानैंघडीरचाईसतादिवसकीएकौ ॥ कारजकरौंबिहारीकेरौसबीनिजरभरदेखौ ॥ १ ॥ छपनप्रहरको एकदिवसकरब्रह्माघडीलगाई ॥ सुरनरनागदेवाद्विजजानीमयेयेखटेआई ॥ २ ॥ थिरभयाचंदसूरथिरहूवायाविधलख्योनएकौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंकरल्योकाजअनेकौ ॥ ३॥ रागमारू ॥ धन्योध्यानाहिरदामेंमाधौ संखपन्चायणपूरा ॥ तीनलोककेसुरनरमुनिजनजानबादलज्यूंलूरा ॥ १ ॥ देवांरैदलनौपतबाजे दानारादलचूरौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं सबामिलमंगलपूरौ ॥ २ ॥ रागमारू ॥ एकब्रह्माकीआईअसवारी दशछौहणदलआया ॥ सुरनरमुनिजनऔरऋषेश्वर

देवतणादलछाया ॥ १ ॥नवौंनाथचौरासीसिद्धांशिवशंकर
चढआया॥ बलदभींडियेकरीसवारीमुंडमालढलकाया ॥२॥
नऊंकोडदुर्गांचढिआईधवलागढकीराणी ॥ बावनभैरूंचौस
ठजोगनलुंकाडियाअगवाणी ॥ ३ ॥ इंद्रपुरीसूंचढयाइंद्ररा
जा दलकापाया ॥बाजाबाजे अंबरगाजेइंद्रतणोदलआया ॥
॥ ४ ॥ ब्रह्माविष्णुमहेशमणीजेछपनकोटकुलसाखा ॥ टाट
रटोपजँजीरावगतरसाजभरीसतलाखा ॥ ५ ॥ असीलाखकुं
जरासिणगाऱ्या श्वेतवरणसूंडाला ॥ ढलकेढालफरूकेनेजा
चालीपरबतमाला ॥ ६ ॥ नवसौसहसनिसाणदडूके सावक
रणबहुछूटा ॥ सहसअठयासीऋषिचढआयानेमनाथलेपूठा
॥ ७ ॥ शंखनादजबबाजनलागे नवसैसहसनगारा ॥ कुंद
नापुरकूँकरीसाखतीयेदलदलअसवारा ॥ ८ ॥ अधकीफौज

स्वल्पशस्त्रादिक सबैंहियाकरवरिया ॥ बारहछौहणलेबल्लभ हरहरिपीछेसाँचरिया ॥ ९ ॥ चवदालाखभरयाचीणीकाघि रतलाखपचीसा ॥ चावलमूँगभरयामैदाका करहालाखछ तीसा ॥ १० ॥ केइहौदाअरुकेइअंबाडीकेइबैठासुखपालाँ ॥ कानामोतीझिलकतसोहैंडलकरहीहैंढालाँ ॥ ११ ॥ कनक तणीतहनालजडाईघालीघूँघरमाला ॥ दलाँचहूँदिशि हुईहलाहलतेजीछूटउताला ॥ १२ ॥ सिद्धजोगमौलियोमो होरतहारीबैठारथमाहीं ॥ रतनजडितकोरथजुडवायोराणीरु कमणिताईं ॥१३॥ साढीलीनसौछनझलकैमेघाडंबरभारी ॥ रवितलदूजाऔरनकोईकृष्णतणीअसवारी ॥ १४ ॥ त्रिभुव ननाथ हरषिमनमाहींव्याहनभीवकँवारी ॥ पदमभणैप्रणमैं पायेलागूँऐसीजानसँवारी ॥ १५ ॥ दोहा ॥ सबीजानजादू

जुडे, सुरनरमुनिजनमाँह ॥ दिष्टदईसबदोलिके, गणपतदे
ख्यानाँह ॥ १ ॥ रागमारू ॥ औरजानमेंसबही आया गण
पतजीनहिंआया ॥ गणपतजीकूंबेगबुलावो नारदमुनीपठा
या ॥ १ ॥ नारदजायकहीगणपतनैं बेगाआपपधारो ॥ पद
मभणैंनारदयूंबोलैसंकटविघननिवारो ॥ २ ॥ रागसोरठ ॥
गणपतआयाहोसेरनवलबिहारीजीरोव्यावागणपत ॥ टेर ॥
धवलागढसूंआवोविनायकदुख झालिदहरे ॥ १ ॥ सूँडसुँडा
लौहूँददूँदालोशिरपरछत्रधरे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेला
गूँवालीवासभरे ॥ ३ ॥ दोहा॥ गणपतसुण्योसँदेसणो, आ
नँदउरनसम्हाय ॥ मूसालियासिंगारके, चढेजानमेंआय ॥
॥ १ ॥ गणपतजीनेदेखआवतानारदकहिथेमालो ॥ गणपत
जीनेपाछामेलौगढपोल्याँरखवालो ॥ २ ॥ सूँडसुँडालौदूँद

दं० ठूँदालौभोजनघणोअहारी ॥ गणपतजीनैपाछामेल्हौलाजेभीं सं०
।।१६।। नकँवारौ ॥ ३ ॥ मोटीपीडयाँलैगैथंबसीमस्तकमोटाकानौ ॥
गणपतजीनैपाछामेल्हौ मूंडीहीखैजानौ ॥ ४ ॥ हलधरकियो
वचनसबसेथैगणपतजीनैभाखौ ॥ सूनीपुरीसल्हामैं नाहींगण
पतजीनैराखौ ॥ ५ ॥ पीछोजाम्हारागणपतजरवानैढपोल्यौं
हसवारौ ॥ थेम्हारेहलधरकोजागौं घणोभरोसोथारौ ॥ ६ ॥
यहसुणवचनकृष्णकेगणपतहरखचल्योमनमाहीं ॥ आगेबडो
लडाईहोसीजायरकरतोकाँई ॥ ७ ॥ नारदमुनीजनमकोचु
गल्योजायगणेशसिखायौ ॥ लाजाँमरतापाछाकाढ्याकिण
थानैंकोटमोलायौ ॥ ८ ॥ कोपाकियोगौरीकेनंदन मूसालिया
बुलाई ॥ म्हारीतोपतथेअवराखौहुईघणीहलकाई ॥ ९ ॥ टूटै ॥ १६ ॥
धुरीअडै पाचरिया पैदलचलणनपावै ॥ खोदमेदनीपोलीक

रयौं जदम्हांनैजसआवै ॥ १० ॥ मूसाजायमेदनीखोदीगण
पतआज्ञापाई ॥ पैदलपाँवधरननहिंपावैसबरथपियाथकाई ॥
॥ ११ ॥ टूटैधुरीअडैपाचरियारथाँभडाभडनाथी ॥ घोडा
ऊँठगरकसबहोवैंगुडबहलाँऔरहाती ॥ १२ ॥ जबश्रीकृष्ण
कहीहलधरसूंसुनियोसंमृथभाई । योतोकरमकियोगणपतनैं
गणपतल्यावोमनाईं ॥ १३ ॥ मंत्रीजायकही गणपतनैंबगा
जानपधारौ ॥ चालचालम्हारागरवागणपतथाँबिनकृष्णकँ
वारौ ॥ १४ ॥ कृष्णकँवारोम्हारोकाईसारोगढपोन्याँ रखवा
रो ॥ म्हेवाँरेहलधरकीजागाँ घणोभरोसोम्हारो ॥ १५ ॥ स
बहीदेव शिरोमणशंकराजिनकेपुत्रकहावौ ॥ हलधरकृष्णमना
वणमेल्याअबक्यूँबारलगावौ ॥ १६ ॥ म्हेक्यूँचालाँम्हानेह
लधरमेल्याराखीकाँईबडाई ॥ म्हेतोवाँरेदायनआया सारी

जानसराई ॥ १७ ॥ सबपहलाँसिवरणगणपतको पहलीकि
रतकवाई ॥ सबसेआदतुमारी पूजाफिरदेवनकीबडाई ॥१८॥
सूँडसुँडालौदूँददुँदालौमस्तकमोटाकानो ॥ म्हाँचाल्याँसब
जादूलाजैं भूँडीदीसैजानो ॥ १९ ॥ मोटी पींडीलगैथामसी
भोजनमणाअहारी ॥ म्हारैचाल्याकृष्णलजावै लाजैभींवकँ
वारी ॥ २० ॥ जायकहोथेहरिहलधरनैंमंत्रीपाछाजावो ॥
म्हाँचाल्याँसबसाथलजावै चढकुंदनपुरथावो ॥ २१ ॥ मंत्री
आयकृष्णसूँबोल्या गणपतनाँहिआया ॥ पदमसणैंदूँदालौ
गणपतम्हासूँयूँबतलाया ॥ २२ ॥ रागसोरठ ॥ गणपतआ
याँराजसरेगो ॥ म्हाँरेनवलबिहारीजीरोब्याव ॥ गणपत० ॥
॥१॥ थाँचाल्याँसुमंगलहोवैदुखदालिद्रहरैगो ॥ गणपत०॥
॥२॥ सूँडसुँडालौदूँददुँदालौशिरपरछत्रधरैगो ॥ गण० ३॥

पद्मभणैंहलधरकरजोडैंचाल्यांकाजसरैगो ॥ गण० ॥ ४ ॥
॥ दोहा ॥ जायगणेशमनावियां, पूजाकरीसिंदूर ॥ पर
काजाँसमरथहो, सबबाताँपरपूर ॥ १ ॥ थानेरूस्यांनासरै,
सुणगौरीकापूत ॥ मंगलदाताआपहो, हरिसबांधोसूत ॥२॥
रागमारू ॥ सोमणमूँगसवासेमणचावलघिरतनिवेमणल्या
वो ॥ इतरारोतौकरूंकलेवोजीमणसंगलेजावो ॥ १ ॥ चाव
लमूँगघिरततोइणविधसौमणलगैमिठाई ॥ इतरोतोम्हेकराँ
कलेवोपछैजीमाँपंचमिठाई ॥ २ ॥ सिरीकृष्णरुकमणनेपर
णैंहाँनैक्यूंलेलारो ॥ बींदबीनणीपरणपधारैं गणपतरहैकँ
वारो ॥ ३ ॥ पहलींब्यावबिनायककरसीपीछैऔरबिहावो ॥
बोलैनारदसुणोकृष्णजीगणपतनैंपरणावो ॥ ४ ॥ दोहा ॥
बिघनहरणमंगलकरण, सदारहैथिरथाय ॥ सुरतुमकरोम

नावणे, बैठोरथकेमाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ परण्यापरण्या
जानपधारोम्हैंछूँअकनकँवारो ॥ आगेकामणगारीगावैंलाजै
गीतहमारो॥१॥थेतोसगलापरण्यापात्यागालकँवाराँनैंगावैं॥
कहैगणपतीसुणोंकृष्णजीमनैंकालीकुत्तीपरणावैं ॥ २ ॥ हल
धरबच्चनकहैगणपतसूँ क्यूँनहिंजानपधारो ॥ पाछैव्यावहो
यश्रीपतकोपहलीहोसीथारो ॥ ३ ॥ बिनभूपालव्यावनहिंक
रसूँगणपतबच्चनसुणायो ॥ जिणघरकन्याहोयकँवारीसोम
हिपालबतावो ॥४॥ धारानग्रएकपोहोपरावहै तिनसूँव्यावबि
चारो ॥ येकजकरश्रीपतजीपकरचोमंगलचारउचारो ॥५ ॥
गणपतमन्यादेखकरपकरचोदूजो हलधरभाई ॥ पदमभणैंप्र
णमैंपायेलागूँगणपतरथवैठाई ॥६॥ दीयमुकामदियाधारामें
च्वदाभवनकेराजा ॥ गणपतजीकोटीकादीन्हो बाजैंनौमत

बाजा ॥ ७ ॥ जैजैकारमंगलधुनगावै तांबागलघरसावै ॥
तेलबाँनगणपतजीबैठाशोभावरणिनजावै ॥ ८ ॥ पोहोपराव
घरआनंदउपज्यो नगरीहरषबधावै ॥ पदम भणैप्रणमैंपाये
लागूँगणपतरावनडागावै ॥ ९ ॥ रागसोरठ ॥ गणपतजीव
नडौआयाजी ॥ टेर ॥ मोतियनमालमोतिनकोसेहरोसूरज
जोतसवायाजी ॥ गण० ॥ १ ॥ धारानअंकीसवहीकामण
निरखतरूपसवायाजी ॥ गण० ॥ २ ॥ करफरसीमूसेअस
वारोचंदनखौलबनायाजी ॥ गण० ॥ ३ ॥ पदमभणैप्रणमैं
पायेलागूँआनंदमंगलगायाजी ॥ गण० ॥ ४ ॥ रागमाढ ॥
मंडपेहेमतणाराजाकैचँवरीहेमबणाई ॥ रिधसिधसूंगणजो
डोकीयोसखियनमंगलगाई ॥ १ ॥ रिधसिधतणाबीदनदे
ख्यायेसैंकहैंनरनारी ॥ देखौबिधनारिद्धसिद्धकोबडेरूपसूं

डारी ॥ २ ॥ औरअंगसबवण्योपुरुषकोकुंजरकोउणियारो ॥ हलधरकहैपुणौकामणियाँथेकाँईरूपबिसारो ॥ ३ ॥ सबदेवनमेंदेवशिरोमणगणपतनाँवकहावै ॥ श्रीपतिसूँहैरूपअधिकाईशिवकोपुत्रकहावै ॥ ४ ॥ राजापुष्पकहैहलधरसूँऔररूपअधिकाई ॥ अधिकसूंडकुंजरसीदीखैशोभाबाणिनजाई ॥ ५ ॥ श्रीपतिवचनकहैराजासूँऔररूपबरदाई ॥ रिधसिधनारिबहुतसुखपासीइनकीबहुतबडाई ॥ ६ ॥ जबैसहेलैंतोरनबाँध्योकामणिमंगलगाया ॥ कंचनथालभरेमोतियनसैंकंचनकलशबँधाया ॥ ७ ॥केसरअगरकपूरचौपरैसासूआरत्यौल्याई॥देखिसूँडजबगणपतजीकीमंदमंदमुसकाई॥ ८ ॥ येहरूपवरण्योनाहिंजावैसोनासूँडवणाई ॥ एकसखीमिलचावल्लीन्हाँ रिधसिधसूँबतलाई ॥ ९ ॥ पींडोसरसबाँधचाव

रकोघूंघटवदनछिपाई ॥ चावलहल्ददईगणपतकेसाविध
नमंगलगाई ॥ १० ॥ रागसोरठ ॥ थेसायेगजराजवनानै
कामणकरवाआई ॥ कामणकरवाआईलालजिनैंहराविनिर
खिगुणगाई ॥ टेक ॥ धारानगरकीपाँचसातमिलकालोडोरो
ल्याँई ॥ नींबूऔरमैंडफलल्याया कछुकक्करीचतुराई ॥ १ ॥
काथेपानसुपारीराचे राचेरियासिद्धवाई ॥ छपनभोगछत्ती
सूँविंजनलूणमिल्याँसरसाई ॥ २ ॥ रिद्धसिद्धकेवलमेंरहसी
भूलैनहींभुलाई ॥ डोराकेदसगाँठाँदीन्हींगाढीघणीघुलाई ॥
॥ ३ ॥ चरखीमौरजुजरवाछूटेछूटेबाणहवाई ॥ गजानंदकी
याछविऊपरपदमश्यामबलिजाई ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ पांच
पदारथधारचाथालमें आरतियोकरवायो ॥ गजानंदजीचँव
रयाँआयाँचवऱ्याँचँवरढुलायो ॥ १ ॥ रिधसिधनारिकरैसि

णगारो मनमैंअनँदअपारो ॥ सारीसखियाँयूँउठबोली फेरा
करणपधारो ॥ २ ॥ गजानंदसूँकियोगणजोडो ब्रह्मावेदउ
चारौ ॥ सुरतेतीसूँहरखहुवाहैं बरसतपुष्पअपारौ ॥ ३ ॥
रिद्धसिद्धसूँकियोगणजोडोमेघाडंबरछायो ॥ जैजैकारभयो
त्रिभुवनमेंसबहीं मंगलगायो ॥ ४ ॥ गजानंदजबारिधासिधप
रणे जोडबैठाहतलेवो॥ वासुदेवकहैराजासूँ हतलेवोरेछुटेवो॥
॥ ५ ॥ पोहोपराजघरआनंदप्रगटयोमनवाँछितफलपायो ॥
रणतभँवरकोदियोपरगनोहतलेवोरेछुडायो ॥ ६ ॥ रतनप
दारथबोहोतहीदिया हतलेवाकेमाहीं ॥ पाँचपरगनादियाकँ
वरनै भलीभाँतिमुकलाई ॥ ७ ॥ बडीबडारमातहीदीन्हास
वदेवनकेताई ॥ सुरतेतीसूँकरीजँव्हारीछपनकोटपाहिराई ॥
॥ ८ ॥ जैजैकारभयोनरनारीसुरदुंदुभीवजाई ॥ पद्मभणैं

प्रणमैंपायेलागूँसखियाँगारीगाई ॥ ९ ॥ रागललित ॥ सुण गणपतजीरेजँवाई ॥ थारेकुणबालकुणमाई ॥ टेर ॥ थारी माताराजकँवारी॥थारोबालभयोभिखारी ॥ १॥ थारीभी लणरूपभइमाई ॥ वाःबालछलनाआई ॥ २ ॥ शिवमोची बणकेआया ॥ थारीमाकै मोचणील्याया ॥ ३ ॥ येसैंपदम भगतगुणगावै ॥ सबसखियनतालबजावै ॥४॥ रागमारू ॥ परणगजाननरथमैंबैठाहरजीवचनसुनाई ॥ १ ॥ भलीभाँत सूंकरिसमठूँणीरिधसिधनैं मुकलाई ॥ २ ॥ जैजैकारमंगल धुनगावैतांबागलघररावै ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँकु ंणकुँदनपुरआवै ॥ ४ ॥ दोहा ॥ हरियलसूवाबोलिया, हरे अंबकीडार ॥ कुम्भकलससाँम्हाहुवा, औरमूंघांकीडार॥१॥ (अथकुंदनपुरकीकथाप्रारंभ) ॥ दोहा ॥ सुपनभयाज्यूंरूक

मणी, निरखतसुंदरश्याम ॥ जोतुम्हारकानाथहो, कौनतु
म्हारोनाम ॥ २ ॥ नामहमाराअनंतहै, पुनिअबिनाशीएक ॥
जौन बहैं म्हारे बिरदकूँ, ताको नायँ ढिगणहूं ॥ ३ ॥
रागसोरठ ॥ माईरीम्हेंसुपनामेंपरणीगोपाल ॥ टेर ॥ रैन
किबातौंकहाकहूंसजनीसुपनामेंभईहूंनिहाल ॥ १ ॥ जोथाँ
नैसुपनोआयोबाईजी सुपनोछैआलजंजाल ॥ २ ॥ मोरमु
कुटपीतांबरसोहै अरुवैजंतीमाल ॥ ३ ॥ रुचरुचहरजीकंठ
लगाई हातौंछैमहँदीलाल ॥ ४ ॥ छपनकोटयादवजुडआये
दुलहोछैनँदजीकोलाल ॥५॥ पदमभणैंप्रणमैंपायलागूं बरपा
योरिछपाल ॥ ६ ॥ रागसोरठकोकहरवो ॥ आप्याहैसखिकं
चनकिरोडमतीयेपलीजोकूडे ब्राह्मणाँ ॥ टेर ॥ ब्राह्मणहेस
खिकिसडादोस हरिदानासूँडररह्या ॥ झेला ॥ द्यानवाँसेर

ह्योडरतो हरिनसक्योआयरी ॥ केवेसुंदरआमचढगोकेरह्यो
अलसायरी॥केउनमोह्याकुवरीकैरह्यारंगमैंछायरी ॥ कंचन
सीकायासंकलपै करडारूँकूभंगरी ॥ शंकरआगेशीसमेलूंरहूं
केशवसंगरी ॥ लौडकसोरठा ॥ थारेतोकारणसाँवरा कष्टस
याजघणा ॥ पदमभणैविठ्ठलदलआवै मोभुजफरक्याहेम
तणा ॥ १ ॥ रागबिहाग ॥ नाथनाहिंआयेरीसजनीम्हेझुरक
रहीमघजोयनाथनाहिं ॥ टेर ॥ वोद्विजतोमुतलबकोगरजू
रह्याकहांईसोय ॥ १ ॥ जोप्रभुजीकहुनाँयपधारे करहूंकौन
उपाय ॥ २ ॥ बाँचकेपतियाँमेलहृदईरी केजुगयेबिसराय ॥
॥ ३ ॥ पदमकेस्वामीबेगनमिलिहैं हंससहीउडजाय ॥ ४ ॥
रागखट ॥ कोइजीकहोम्हारेनाथनैंजी थारीनारनिहारेबाट॥
॥ टेक ॥ भाईरुकमबुलायोडाहलनैं आयोलैदलथाट ॥ १ ॥

तीनदिहाडाद्विजकूँबीता कीन्हींढीलनिराट ॥ २ ॥ मायसि
सपालस्यालसोदीखैकरतकलेजैकाट ॥ ३ ॥ नाथविनाम्हें
विषंभखमरिहूँ औरनहींकोइघाट ॥ ४ ॥ छिनछिनमोकोंक
लनपडतहैपलनीचैपलखाट ॥ ५ ॥ पदमकेस्वामीजवहींप
धारैतवहींमिटैओचाट ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ अजुहुनआयेस
खीपूछ्योंनसँदेस ॥ टेक ॥ करुणाकरूहरिमारगआवै फुर
कतभुजबामेस ॥ १ ॥ केतोब्राह्मणपूगोनाहीं थोहीमोयअँ
देस ॥ २॥ ओछेजलकीमाछलींज्यूँरहीजीवअवसेस ॥ ३ ॥
पदमकहैयूँभणैरुकमणीआज्योम्हारैदेस ॥ ४ ॥ रागसोरठ
कीदेस ॥ म्हारोअवगुणकरकरमानो ॥ प्रभुपूरवप्रीतपिछानो
टेर ॥ म्हेतोदासीजनमजनमकीऔरतरहमतजानो ॥१ ॥पद
मभणैरुकमणकीविनतीवेगोकरोपयानो॥२॥दोहा ॥हींणीभई

बिसंभरॉं, देखोबातबिचार ॥ अबकीबेरनआवोप्रभुतो, क्यूँ
सिरजीकरतार ॥ १ ॥ त्रासआसभारीलगी, कद्दपरणौंकर
तार ॥ पलकपलकसमजातहूँ, आतुरमिलोबिचार ॥ २ ॥कर
सण सूकाबिरखाभई, अंमृतबरस्यानीर ॥ मीनमरेसागरभरे,
कोणकाजबलबीर ॥ ३ ॥ बिहअगनाहिरदाजले, जलेधरण
आकास ॥ सीलसमुद्रजुआनके, हरिवेगबुझावोत्रास ॥ ४॥
आँखडियाँमँदजोवतां, पंथनिहारनिहार ॥ जीभडल्याँछाला
पड्या, कृष्णपुकारपुकार ॥५॥ हिरदाफाटेपंकज्यूँ,छिनछिन
लेतउसाँस ॥ पद्मइयौस्वामीभणै, अबपूरोप्रभुआस॥ ६ ॥
रागसोरठ ॥ थाँनैंपूछूँपंडितजोसीम्हारेनाथमिलणकदहोसी
॥ टेर ॥ जोसीजीम्हाराभाई ॥ म्हाँनैंपतडोबाँचसुणाई ॥
म्हैंपतडौपूजूँथारो ॥थेकारजसारौम्हारो ॥ १ ॥ जोसीकहै

सुणौरीनाई ॥ म्हैंतोसाँचीहिसाँचलताई ॥ हरजीनेवेगामि
लावौं ॥ कछुआनंदबधाईपावौं ॥ २ ॥ पदमइयाम्हनजारे॥
हरजीकीबाटनिहारे ॥ उडउडरेहारियलसूवा ॥ प्रभुजीनैंबहु
दिनहूवा ॥ ३ ॥ रागसोरठ ॥ म्हाराहारियलबनकासुवटाथाँ
नैकृष्णमिलैतौकहज्यौरे ॥ टेर ॥ चूँचमढाऊँथारिसोवनी तूँ
जायसँदेसोदेज्यौरे ॥ १ ॥ रतनजडावाँपींजरोम्हारेहिरदा
माहींरहज्यौरे ॥ २ ॥ मोतियनचूनचुगावस्याँ थेपाछाआक
रकैज्योरे ॥ ३ ॥ पदमस्यामफिरदेवोसँदेसोतौलाखबधाई
लेज्योरे ॥ ४ ॥ राजाभींवउवाच ॥ रागमारू ॥ राजाभींव
करेअँदेसोहरिजीक्यूँनाहिंआया ॥ महाकुपात्रकँवररुकमइ
यौडाहलकौकबुलाया ॥ १ ॥ तुमअंतर्यामीयादवपतिमेराम
नकीजाणौं ॥ बिरधापनकीलाजदयानिधिनेकदयाचितआ

णों ॥२॥ हँससीलोगबिरदतुमेरकोजासीवचनहमारो॥जोडा
हलरुकमणनैंपरणैंमरस्याँखायकटारों॥३॥ रुकमणिप्राणतजै
गीप्रभुजी यहनिश्चयकरजाणो ॥ म्हैंभीप्राणपलकनहिंराखूं
तातैंघणीनताणो ॥ ४ ॥ यहममवचनप्रतिग्यामेरीहारिआ
याँजलपीस्याँ ॥ नहितरश्वासखैंचतजदेही एकपलकनहिंजी
स्यां ॥ ५ ॥ तबआकाशवाणीप्रभुबोले भींवजेजमतजाणो ॥
पदमभगतशिवकर्ण कहतहरिकीयोआजपयाणो॥६॥दोहा॥
वाणीश्रवणआकाससुण, हरख्योभूपतिभींव ॥ ज्यूंगरजनसु
णमेघकी,मृत्युदादुरसंजीव ॥१॥ हरषीबाईरुकमणी,सबस
खियनकोसाथ ॥ भयोबधावोभवनमैं, आवैंगेब्रजनाथ ॥ २॥
रुकमणिकरेविसूरणा,श्यामपहूंताधाय ॥ कुंदनपुरइचरजभ
यो, जानदूसरी आय ॥ ३ ॥ रागसोरठकीठुमरी ॥ आये

आयोरेसाँवरियोरुक्कमणकारणै ॥ टेर ॥ नृपभीषमकेबातन्च
लाई ॥ शठरुक्कमइयेकुलट्कमाई ॥ चीरीभेजबुलायोडाहल
बारणै ॥ होआयो० ॥१॥ डाहलदेखनगरिहरषाई ॥जन्दरुक्क
मणिमनमेंदुखपाई ॥ लीन्हींकाढकटारीमरबाकारणै॥होआ
यो० ॥ २ ॥रुक्कमणचीरीवेगलिखाई ॥ द्विजहरियाकेहातप
ठाई ॥ बाँचतकृष्णपधान्याअसुरसँघारणै ॥ होआयो० ॥
॥ ३ ॥ दासपद्मस्वामीइधकारी॥मारअसुरदुखमेटोभारी॥
लोकलाजसेंसाथीगिरवरधारणै ॥ होआयो० ॥ ४ ॥ राग
सोरठ ॥ द्विजकूँअपनेरथबैठाये ॥ हरिरथसाजिकूँदनपुरधा
ये ॥ टेर ॥ बोहोसेन्याँजादूकुललाये ॥ पीछेतेंहलधरजी
आये ॥ १ ॥ निरखतमगनभयेनरनारी ॥ देहधरेकोयहफ
लपाये ॥ २ ॥ संकभईडाहलकुलमाहीं॥जुडेभूपामिलसभाम

राये ॥ ३ ॥ गहिद्विजभुजहँसिकेयदुराई॥मधुरवैनमुखसूंफर
माये ॥४ ॥ कहौक्यूँनअबउनसेजाई॥तुमकूंलेनहमकूंपठाये
॥ ५ ॥ करप्रणामद्विजउतरचोआई॥अतिआनँदउरमांहिस
म्हाये ॥ ६ ॥ हासपद्मपलपलबलजाई॥हरिकेगुणमधुरेस्व
रगाये ॥ ७ ॥ रागमारू ॥ करप्रणामद्विजरथतेउतरचोगव
नभवनकोकीन्हों ॥ शीसनिवायचरणगहबोलीकहाँकृष्णरँग
भीनों ॥ १ ॥ कहद्विजराजसुणोरीबाई तेरेमनकाकारजसा
रे ॥ त्रिभुवनपतिकोसँगलेआयोवहव्रजराजपधारे ॥ २ ॥
आवनसुनीश्रवणमाधवकीसुधापेटभरपीन्हा ॥ पद्मभणैप्रण
मैंपायेलागूंप्राणदानद्विजदीन्हा ॥ ३ ॥ दोहा ॥ सुनैंवचन
द्विजराजके, अतिहरषीमनमाँय ॥ कहाबधाईदेहुँद्विज, देवे
कूंकछुनाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सँगल्यामेरेप्राणप्रियाकूं

त्रिभुवनकेपतिको ॥ योकृष्णतेरोकबहुँनउतरे धारूंजनमअने
को ॥ १ ॥ तनअरप्योश्रीकृष्णचंद्रकूंचितमनचरणामाहिं ॥
योसिणगारदेऊँतोथोडो भक्तिबढोजगमाहिं ॥ २ ॥ येसेंकह
बहुरतनपदारथदीन्होंदानघणेरो ॥ पदमकहैरुक्मणवरदी
न्हों कोउजाचैनाकुलतेरो ॥ ३ ॥ दोहा ॥ तुमबोहेरेसबजग
तके,किनहुनजाच्योबीर ॥ जोजाच्योतोरुकमणी, केजाच्योबल
बीर ॥ १ ॥ हरषिचलेद्विजदानले, चलणनसकैभार ॥ पीछौ
मुडमुडकहतहै, बाइअंबकाबेगपधार ॥ २ ॥ रागठुमरी ॥
आजअबखुसीभईरुक्मणबाई ॥ टेक ॥ नेमधरमतपसुफल
भयेसबआजमहाआनंदन्हाई ॥ १ ॥ सँगकिसहेलीपूछेहेली
आजकहाइतराई ॥ २ ॥ औरदिनामुखसेनहिंबोलौ आजतौ
बाँटौरसबधाई ॥३॥ मेरेतौआनंदभयोसाखिघरआयेयदुराई

॥ ४ ॥ पूरवदेशचंदेरिकोराजादेखतहीउठजाई ॥ ५ ॥ इद्र
कोपकियोव्रजऊपरघोरघटाचढिआई ॥ ६ ॥ प्रभुनखऊप
रगिरवरधारयोडूबतात्रिजबचाई ॥ ७ ॥ हियेहुलासतन
हरषमनखुसीआनमिलेयदुराई ॥ ८ ॥ दासपद्मपर
किरपाकीन्हींराखौकेशरणाई ॥९॥ रागमल्लार ॥ कृष्णकुंदन
पुरआयेरी ॥ टेक ॥ उमँगेदलबादलचहुँदिशितैं गोविंदगरु
डलेधायेरी ॥ १ ॥ नान्हींनान्हींबुँदियाँपरतभवनपैंहरेबादल
छायेरी ॥ २ ॥ मातेगजगरजतगोविंदकेसुनदानवसकुचा
येरी ॥ ३ ॥ शौचपड्योसिसपालतणेंदलकँवरकमलबिलखा
येरी ॥ ४ ॥ बाईरुक्मणिअतिमतबाढ्योफूलीउरनसम्हा
येरी ॥५॥ दादरमोरपपइयाबोलैकोयलशब्दसुनायेरी ॥ ६॥
सूवासारभवनमेंबोलेमोतियनचौकपुरायेरी ॥ ७ ॥ दासपद्

मथारोविरदबखानैमनइच्छाफलपावेरी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हर
रख्योविप्रचूडामणी,कृष्णतणोदलल्याय ॥ भींवरायश्रवणासु
णी,आनँदउरनसम्हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ ऊठ्योरावपहरि
पीतांवर बोलजबोल्याचंगा ॥ अडसठतीरथघरहीमाहीं
आलसियाँनेगंगा ॥ १ ॥ हरिहरजोसीकहीरायसैंबोलैभींव
इमवाणी ॥ जोतुमद्वारावतीपधारेकहोकृष्णसहनाणी ॥ २ ॥
मोरमुकुटपीतांवरसोहैहरिहेच्चित्तविनाणी ॥ च्यारहिभुजा
च्यारहीआयुध कौस्तुभमणिसहनाणी ॥ ३ ॥ हरख्योभींव
रायश्रवणासुण सांचवच्चनपरमाणी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँबातसांचजबजाणी ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ विसकरमानै
आग्यादीन्हींमंदरअधरछवाया ॥ इकीसजोजनधरतीसेती
तंवूडाटलकाया ॥ १ ॥ ऐरावतकूँआग्यादीन्हींचेटकएकादि

खावौ ॥ सिरीकृष्णकी आग्यालेकर गहरीलीदछैंगावौ ॥२॥
सुनतबचनऐरावतजबही गहरीलीदछैंगाई ॥ जरासिन्धका
तंबूटूटचादलमेंपडीभगाई ॥ ३ ॥ जीतैनहिंसिसपालहारसी
जाढूकैरंजुहारौ ॥ सौसौबचनकह्यादंतराणीसौसौहोसी
सारौ ॥ ४ ॥ बरजतबांधसेहरौआयो शठनाकियोबिचारा ॥
पदमभणैंडाहलअभिमानी रहासिसपालकँवारा ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ संक्याहुईनगरमैंसारै आयाकृष्णमुरारी ॥ जरासिं
धसिसपालभूपसबमिलकेकरौबिचारी ॥ १ ॥ आयोबिनाबु
लायोग्वाल्यो करेब्यावमेंख्वांरी ॥ बिघनपडेबिनरहेनकोई
योहैकुबदीभारी ॥२॥ रोसभरचोरुकमइयोबोल्योथेक्यूं डर
पौराई ॥ अरबखरबलाखांधनखरचूं जंगीढोलघुराई ॥ ३ ॥
रुकमणिजुगतभलीपरणाऊंचंदेरीपोहोंचाऊं ॥ पदमभगत

रुकमालभणैछै आनँदमंगलगाऊं ॥ ४॥ रागधमाल ॥ करो
निश्चालौडीरोचावकँवरजी ॥ टेक ॥ बडेबडेराजाथूँउठबो
ल्यान्थ्यावतणौंबिवहार ॥ १ ॥ रुकमइयोसिसपालबुलायो
कोप्याकृष्णमुरार ॥ २ ॥ उणतोसाजकरीसाम्हेलैलीदपरीमु
खछार ॥ ३ ॥ हेवरगाज्याकृष्णतणाँदलब्राह्मणल्यायोछैगो
पाल ॥ ४ ॥ बाजाबाजैंअंबरगाजै जबकंप्यासिसपाल ॥५ ॥
कोप्योतीनभवनरोनायक बरखीलीदअपार ॥ ६ ॥ राजा
भींव घर बँटतबधाई रुकमणिकरोसिंगार ॥ ७ ॥म्हेतोजादूकृ
ष्णबुलायोरुकमइयोसिसपाल ॥ ८ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूंआयोजादूचाल ॥ ९ ॥ दोहा ॥ कुंदनपुराबिसटाला
फिरे, करसाँकौनबिचार ॥ हरीऔरदानवभिड्यां, होसी
जुद्धअपार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ राजाभींवपचौलीकौक्याबे

गहजूरबुलाया ॥ अवलजरीसिरपाँवमँगायापंचौल्याँपहराया
॥ १ ॥ कहैरावजीसुणौपँचौल्याँ सिपालेढिगजावौ ॥ डाह
लनैंतौपाछौफेरौरुकमणिकृष्णाविह्वौ ॥ २ ॥ कहैपंचौला
सुणमहाराजा पाछाकिणविधचालैं ॥ जरासिंधजोरावरराजा
आयुधइधकाझालैं ॥ ३ ॥ फौजाँसिरफौजकालाडा सेल
साँनअतिभारी ॥ जरासिंधजोरावरराजाजुधकीकरैतयारी ॥
॥ ४ ॥ चढकुरसाँणबाढअतिदीयाभालाँअणींकढाई ॥ जंग
जरूरलेहिंसिसपालौघुडलाँकरैंचढाई ॥ ५ ॥ कहैंभींवजीसु
णौपँचौल्याँथेकाँइभोलेभूला ॥ अबकेजीवतजाणनँदेलाको
प्याकृष्णजीदूला ॥ ६ ॥ पाँचपँचौलीमतोउपायोसिसपालै
वतलावाँ ॥ कुंदनपुरकीराडमिटैतो आपाँईभलाकहावाँ ॥७॥
पाँच्वपँचौलीहुवायेखटामिलकेमतोउपायो ॥ आगेजायकँ

वरयूँबोल्यो कृष्णगवाल्योआयो ॥ ८ ॥ म्हेतोउणरोनाँवन
जाँणानाँम्हेकछूबुलायो ॥ भागोफिरैग्वालगोकुलको बिनको
क्यौंहीआयो ॥ ९ ॥ योतोअपणींकरैबराबरजुधकेसाम्हेआ
यो ॥ टेकचढचौरुकमणपरणाऊँतोभीषमकोजायो ॥ १० ॥
कहसिसपालोसुणोकँवरजीनीकाँआपबिचारो ॥ भारतजोड
ग्वालियोआयो हैकहोकौनबिचारो ॥ ११ ॥ भणैंकँवरजीसु
णोसिसपालाइणरोकाँईबिचारी ॥ भारताकियाँग्वालियाजो
तैंपीछैराडहमारी ॥ १२ ॥ सिसपालासूँकँवररुकमइयागु
झसेगहबतलाया ॥ फिरताँरुकमकँवरकैसाथै डोडचांतोडो
आया ॥ १३ ॥ कँवरमुडचोपंचौलीआया भीतरभेदजणा
या ॥ १४ ॥ आदरभावबहोतसोकीयोअपणेंढिगबैठाया ॥
राजाभींवतणींकहोबाताँ काँईसंदेसोल्याया ॥ १५ ॥ बिसटो

लूजबयेसैंबोल्यासुणसिसपालाराजा ॥ रामरूपहोयआगेपर
ण्यासागरबाँधीपाजा ॥ १६ ॥ वोईछैजुऔरमतजाणोतौनैं
किस्यौकसूझै ॥ कुंभकरणमहरावणमारयाक्यौनबडाँनैबूझै
॥ १७ ॥ म्हेसिसपालबडाकाँईबूझाँ सतरेबारभगायो ॥ अब
थाऊभाँपकडमँगाऊँतोदम्मघोषकोजायो ॥ १८ ॥ कहैपंचौ
लीसुणोसिसपाल्हा क्यानैंपांणदिखावै ॥ वहतौगिगनमंडल
दियाडेरातूंक्यूंजानमरावै ॥ १९ ॥ कह्योसिसपालसुणोपंचौ
ल्यांजानजीवसूंमारो ॥ म्हेराजकँवरिपरणीजनआयाथेमत
औरविचारो ॥ २० ॥ थेईऊंचाडेराकरल्योतौम्हेथांनैंजाणां॥
दुरलभगवनजीवतोजाणोकाँईघणोबखाणाँ ॥ २१ ॥ पिछा
णवेखौहणकौपाँणदिखावैकाँईहरकेघोडाथोडा ॥ मारयाँ
मरयाँभलानहिंकहसीटल्याँनहोवैल्होडा ॥ २२ ॥ म्हेक्यूंट

लाँजोरावरजोधाटलसीकान्हगवाल्यौ ॥ माखणचोरपराया
खायारावामाँहींटाल्यौ ॥ २३ ॥ कहैपंचौलीसुणसिसपाला
काँईनिसातूँआयो ॥ म्हेतौथारोनावनजाणाँसरसेभाटबुला
यो ॥ २४ ॥ जबासिसपालोकुमनौंबोल्यौ करताकरेसुहोसी ॥
अबजोम्हैंफिरजाऊँपाछौदेसदोसमोयदेसी ॥ २५ ॥ थेतौ
जाणौमिटैलडाईयातोइसीलखावै ॥ नंदकँवरागिरधरबरऊपर
पद्मभक्तबलिजावै ॥ २६ ॥ दोहा ॥ पंचौलीसबमुडचले
भींवरायढिगआय ॥ यौतोएकनमानहीं, करहोकोटिनपाय ॥
॥ १ ॥ रुकमनीवाक्य ॥ रागसोरठ ॥ योतोबररूडौहैम्हारी
माय ॥टेक॥तुमजौकहतीगऊचरावैग्वालनकेसँगजाय ॥१॥
शिवसनकादिकअरुब्रह्मादिकसीसनिवावैंताय ॥ २ ॥ अब
लगतौकछुबिगड्योनाहींडाहलद्योफिरवाय ॥ ३ ॥ पद्मस्या

ममोहियेहिअँदेसौसबद्लदेगोखपाय ॥ ४ ॥ दोहा ॥
सिसपालैमतौउपावियो, दूत्याँलिवीबुलाय ॥ कँवरिप्रमो
दौभींवकी, येसोकरौउपाय ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ ॥
सिसपालैदूतीबुलायकै लीन्हीनिकटबैठाय ॥ टेक ॥ कहै
सिसपालसुणोहेदूत्याँ थेकुंदनपुर जावौरी ॥ भींवकँवरि रा
जीनहिंम्हाँसूँजिनकूँजायमनावौरी ॥ १ ॥ दूत्याँकहैसुणौं
महाराजाम्हाँकागुणबतलावांजी ॥ अंबरताराधरतील्यावाँ
फिरअंबरधरआवाँजी ॥ २ ॥ जेवडियाँकासरपबनावांफिर
जेवडियांदिखलावाँजी ॥ सूकीनदियांपूरबहावाँपटपरनाँव
चलावाँजी ॥ ३ ॥ हत्तेलीमैंसरसूंबावां नखपराछिमकाजिमा
वाँजी ॥ टाटीऊपरहौलाभूनांकडवेतेलबुझावाँजी ॥४॥दूत्याँ
कहैंसुणौमहाराजाहुकमराजरोपावाँजी ॥ अपणेंचढणकार

थथादिवावौबैठकुंदनपुरजावाँजी ॥ ५ ॥ कहसिसपालसुणौ
थेदूत्याँथेराजीकरआवौजी ॥ तौथाँनैम्हेदेवाँबधाईपाँचपर
गनापावौजी ॥ ६ ॥ अपणेंचढणकारथथादिवायाबाँणकवणीं
नवेलीजी ॥ पद्‌मदूतीकाहुवानँगारालीन्हीसंगसहेलीजी ॥
॥ ७ ॥ रागमारू ॥ पाँचलाखकोदूत्याँपहरचौसातलाखकौ
लीयो ॥ भींवँकँवरिराजीकरआवौदेखौम्हारोकीयो ॥ १ ॥
सबपूरबकाराजाबैठापासजरासिंधराई ॥ भरभरमूठीद्रव्यलु
टावैरावरिकरतबडाई ॥ २ ॥ जबदूतीकुंदनपुरआवै रुकमणि
सेंबतलावै ॥ घमघमकरतीमहलाचढगइचरणाँसीसनि
वावै ॥ ३ ॥ गहणोमेलहरकरीबीनतीजाँणअपछराआई ॥
रंभारूपदेखदूत्याँको राजकँवरिमुसकाई ॥ ४ ॥ धिनधिनहौ
पूरबकाराजाधिनथेरुकमणिबाई ॥ धिन बोवंधुचतुररुकमइ

योयेसीजानबुलाई ॥ ५ ॥ गहणोंमेलरपायैंलागीकोन्हीविन
यघणेरी॥सिसपालसरीखोवींदनदजीम्हारेसरीसीचेरी ॥६॥
सवाक्रोडधरतीकोराजा उणरेधरतीथोडी ॥ गहणोपहरोराज
भोगवोबणिहैविधिनाँजोडी ॥ ७ ॥ बाईथम्हासूँबोलोक्योनी
मुखडेवैणनभाखौ ॥ गहणोपहरौराजभोगवोपतभाईकीराखौ
॥ ८ ॥ माईभलौभलानैंल्यायौ थाँनैंहौसीलावौ ॥ गहणौलेर
औरकेघालौ औरकँवीरपरणावौ ॥ ९ ॥ औरकँवारिवोपरणैंना
हींयेसीऔरनकाई ॥ निरखतरूपरावनाहिंरीझैरंभाराजवताई
॥१०॥ रंभाघणीइंद्रराजाकैंवहआवतौल्यावौ ॥ हूँअरधंग्या
हरिकीदासी थेक्यूंलोगहँसावौ ॥ ११ ॥ हँससीलोगलडाई
होसीवोवानैंकदपूजै ॥ कांकणबाँधकूडणचाढिआयापरतलडा
ईसूझै ॥ १२ ॥ जनमजनमकोनाथसांवरोस्यामसुंदररंगभी

नौ॥अवजाभोवकवादकरोमतम्हैथाँनैभुवारद्दीन्हौ ॥१३॥ थें
सिसपालचंदेरीकोराजामोत्थाँबिचमेंहीरो ॥ थाँनैकाइंसुराइ
सूझी परबलथ्यांथांथारोवीरो॥१४॥ क्रोधवंतजबभईरुकमणी
हैकोइहाजरचेरी ॥ थाँवाँसाँकोबेगउठावोकीज्योसझाथणेरी
॥ १५ ॥चेरचाहुकमसुण्योबाईकोमहलाँनाल्गुडाई॥टूटादाँत
भौगनाफूटाजबदूत्याँगरलाई॥ १६ ॥ फाटाबसनागिरयासब
गहणाँलुकलीछिपतीआई ॥ आवतदूत्याँसबहीजाणीजावत
कोइनलखाई ॥१७॥ रावजरासिंधपूछणलागा काँइकाँइ
खिवरा ल्याई ॥ पानतँबोलकरीमनुहारीमुखमेंथणीलजाई ॥
॥१८॥ म्हेपावाँपडकरीबीनती प्रगटकहीकहिछानै ॥ कंचन
कोडसुमेरदिखावो वानाहिंपरणोथानै ॥१९॥ आतुरहोयासिस
पालोबोल्योउतरीकरीवडाई ॥ बिसटालोथारोसोभरपायो

म्हणौंगमायघरआई ॥२०॥म्हणौंभलौजीवतीआई म्हेम्हा
रिक्मीनीपाई॥पद्मभणैंप्रणमैंपायेलागूंहृत्थाँटाँटकुटाई ॥२१॥
रागमारू॥ रोसभरयौअरुबलकरबोल्योरुक्मकँवारिकैरीध्यौ॥
सोचकरैअरुमनमैंकलपै ज्यूंलकडीघुणबींध्यौ ॥ १ ॥
टटोहोसिसपालोबोल्योपकडकँवारिनैल्यावौ ॥ जैकोइथाँरै
आडोदेवै जिणनैंमारहटावौ ॥ २ ॥ पाँचलाखअसवारकँ
वरका वहतोआपाँमाँहीं ॥ भींवरावकोआडौआवैतौबासां
मारउडाई ॥ ३ ॥ इतनोवचनसुण्योरुक्मइयेयेसोमतोउपा
यो ॥ जमींदौचकरयूंभिडवाल्या तौभीषमकोजायो ॥ ४ ॥
लिखताँलगनकँवरनाहिंपूछीटीकोमतैपठायो ॥ पद्मभणैंडा
हलअभिमानी येसैंकहवतलायो ॥ ५॥ अबरुक्मणीनैंसम
झावै ॥ रागमारू ॥ काजलघालोमहँदीलयावो कंकनहातसँ

धाई ॥ तेलफुलेलउबटणोल्यावोयूंसमझावैमाई ॥ १ ॥ यूंस
मझावैमायरुकमणीकह्योहमारोकीजै ॥ जिणकीकन्याकुलते
धीटीजिनकोकौनपतीजै ॥ २ ॥ राणीभणैअंबिकापूजणबाई
जातकँवारी ॥ अपणेकूलकीरीतपरापरीसावाँहोतअँवारी ॥
॥ ३ ॥ पूगीहुकमनगरकेमाहींसखियनसहसबुलाई ॥ खबर
भईचहुँओरअंबिकाजातरुकमणीबाई ॥ ४ ॥ ॥ छंद ॥ ॥
भवनभवनतेकामणआईचलीमंगलगावती ॥ हारडोरगलप
हरसुंदरदीखसकलमनभावती ॥ १ ॥ केसरअगरकपूरछिर
केचंदनचौकपुराइये ॥ बरदेदेवीअंबिकामोहिंकृष्णसोंबरपा
इये ॥ २ ॥ रागजंगलौ ॥ सबसखीसहेल्यांप्यारी ॥ रुकम
णकूंबोहोतासंगारी ॥ टेक ॥ सिरसीसफूलगुँथदीया ॥ छिब
भांणकीसीलीया॥मस्तकपैआडभारी॥छबिदेखकेबलिहारी॥

॥ १ ॥ मीढमैंअंबलीडारी ॥ मानूंनागनीसीकारी ॥ माथे जोबिंदलोसोहै ॥जानुंचंद्रसौमनमोहै ॥ २ ॥ नैननमैंसुरमौ सारचौ ॥ मूंहमानूंधनससुधारचौ ॥ नकबेसरीजनुसोहै ॥ छबिदेखिकेमनमोहै ॥ ३ ॥ जरकसीलहँगोपहरचौ ॥ औ ढयोजरकसीलहरचौ ॥ जामैंहीरामोतीजारिया ॥ रविकोट छबिकूँहारिया ॥ ४ ॥ करफूलसोहैभारी ॥ जुलफयांजुनाग नकारी ॥ रविरातकीछबिहारी ॥ इतचंद्रकीउजियारी ॥५॥ कंचनकंचुकीपाटी ॥ छबिदामनीकीदाटी ॥ बरनैकवीकहो कैसें ॥ रुकमणसिंगारीयेसें ॥ ६ ॥ गलहीरहारजुभारी ॥ जावेपद्मभगतबलिहारी ॥ ७ ॥ रागजंगलौ ॥ जावोजावो सहेल्यांमोरी देवीजीनैंपूजआवोरी ॥ टेक ॥ देवीजीके दरसणजावो ॥ सबसखियांनैकौकबुलावो ॥ गावोभामनीस

नगीता ॥ सखिआजम्हेजगजीता ॥ १ ॥ मोतीयनसैंथाल
साज्यौ ॥ रविचंदसेछबिछाज्यौ ॥ छबिअंतसबहीसोहै ॥
जाकूँवर्णनकरकविकोहै ॥ २ ॥ जुरेगजरथताजीथाटा ॥
छबिछायोराजबाटा ॥ मानुंफूलीफूलनक्यारी ॥ भईद्वेवीपु
जवाकीत्यारी ॥ ३ ॥ ॥ रागचरचरी ॥ कँवरिअंबिकाजा
सी ॥ बाईजीकँवरिअंबिकाजासी ॥ ॥ टेक ॥ सोलासहस
सखिनकेझुमकेगजगतचालचलासी ॥ १ ॥ सोलाकला
चंद्रमाऊगोमानूँइंद्रघटासी ॥ २ ॥ झलकेंचीराविविधसखिय
नकेफूलरहीमनरासी ॥ ३ ॥ नवलखतारोंबीचरुक्मणीपूरण
चंद्रछटासी ॥ ४ ॥ छौहणपांचचढौपाखरियाजरासिंधयूँभा
खी ॥५॥ कालयोगबालझपटलेजासीकुलकूँकाटलगासी ॥६॥
जनासिसपालौसुभटबुलायावेगचढौबनरासी ॥ ७ ॥ ग्वाल्यो

कुवद्करेइणअवसरफिरपीछेपछतासी ॥ ८ ॥ रुक्मणिअर
जकरेअंबेसूँहूँगिरधरकीदासी ॥ ९ ॥ पद्मश्यामसुखदायक
नायक वरपाऊँअविनासी ॥ १० ॥ रागदंडक ॥ अंबिका
पूजनकँवरीचाली ॥ टेक ॥ उमाकोभेटपकवानश्रीफललिये
वस्त्रभरमोतियाँसाझथाली ॥ १ ॥ भवनकीपौरपरआयठाढी
भईजारलखसँगलियाँसघरआली ॥ २ ॥चहूँदिसझाँकती
अगरनैंचालतीचतुरवरनारिपियापंथहाली ॥ ३ ॥ भामन्याँ
मैमिलीदामनीसीदिपैकोटिकंदर्पद्युतिदेखिलाजे ॥ ४ ॥ मंग
लाचारउच्चारकरसहचरीभेरिअरुतूरनीसाँणबाजे ॥ ५ ॥
मिलीद्विजनारिगुणगारिपुरनारिजुथहरखउच्छाहमनमाहिं
भारी ॥ ६ ॥आपनेधामतेनिरखसआवतभईकँवारिकेसंगकीक
रतथारी ॥ ७ ॥ सूवाकेचंचुसीनासिकापेखियेइंद्रअहरापती

चाँलचोरी ॥ ८ ॥ लेटणीनागणीभंणांजियेऔपमाँकेहरीलंक
कटिलायगोरी ॥ ९ ॥ सिरीफलसारिखाउरजाहिवडेलसीसौ
बनीकंचुकीचीरझीणें ॥ १० ॥ केसमोतीझलकमाँगकूँभरी
भालपरसौहतीदीपबीणें ॥ ११ ॥ पाँवकीआगलीबीछियाबा
जडाँ मुरचियानैंवरच्यांनादभारी ॥ १२ ॥ पहरपहौलणीहीर
कीचौलणीनारकेलौयणाँमृघहारी ॥१३॥ रतनमणिराखडी
वेणीबासकलडी बाँहराँभुजवराँलंकलेले ॥१४॥ दूजकौचंद्र
माँमुखपरपेखियेचलैविरअंगनाँसगतमेले ॥१५ ॥ आयजा
बरुकमणीद्वारपरठाढीभईअसुरसिसपालपाठियेअफूटा ।१६॥
कृष्णपगधारके जुगलजोडीबडीपदमकेस्वामिकूंनाथतूटा ॥
॥ १७ ॥ रागबरवौतालठुमरी ॥ देवीजीनैंपूजवाचलीराजाभी
षमजीरीलली ॥टेक॥ औरसखीगुलाबकीहोरुकमणिचंपाकी

कली ॥१॥ चोवाचंदनअगरअरगजाहोछिडकतअलीगली ॥
पदमइयोस्वामीभणेहौअसरनरौकिगली॥२॥ रागधनाश्री ॥
अरेरथहाँकदेरेभाई॥ टेक ॥ कियासिंगाररथ्थजायबैठीसूरज
किरणसवाई ॥ जितातिताचितवैरुकमणीभूपागिरदहोयजाई ॥
॥ १ ॥ नैनबांनतीखालगैंघावकोऊकेनाहीं ॥ पदमकहैरुक
मणिबडभागणदुरगापूजनजाँहीं ॥ २ ॥ लावनी ॥ बाईरुक
मणिराजकँवरिअंबापूजणचालिसंगसखिनके ॥ टेक ॥ बर
बालकउम्मरबालनरमतनचंचलपरमहठीली ॥ बरकंचनकी
सीबलसूरतमनमोहनघनगरबीली ॥ नमदुलिहनभेषसंवार
भालबिंदीकुललाजलजीली ॥ करकंचनथालविशालजटित
मणिआणिमादिकचरचीली ॥ झेला ॥ सोगुनरातिरूपरंगी
लीचखाचितमनअतिचटकीली ॥ अंजनअनूपमृगमीनमधु

पगंजनइवमदसवहीकें ॥ बाइरुक० ॥ १ ॥ रुकमइयेंदुरम
तिजतनकरनचहुँदिसबहुतसुभटपठाये ॥ बलप्रबलबीररणधी
रश्रवणसुणअनुशासनउठिधाये ॥ सिसपालकुटिलकीसैन्य
सत्रकरशरकोदंडचढाये ॥ वरवरचरमकरसूलशक्तिधररज
नभमंडलछाये ॥ झेला ॥ सबनेगुरुदेवमनाये ॥ गजरथहयबे
गमँगाये ॥ पैदलअनंतउनमंतालियेकरखडगचलेसबइनके
॥ बाइरु० ॥ २ ॥ गुरुजनयुवतिनकेमध्यगमनकरिभीषम
नृपतिकिशोरी ॥ जलधूपदीपनैवेद्य अग्निघनसारपुष्पदलरो
री ॥ मंगलधुनिगावतबारमुखीबाजतनिसानचहुँओरी ॥ तन
कृष्णदरशलालसालगीमनचितवतचंद्रचकोरी ॥ झेला ॥ ॥
शोभाविशालमतिभोरी ॥ कविवरनैंसोइछबिथोरी ॥ शिवस
दन सिधारीकरिप्रनाम मनअनँदबढ्योदुलहनके ॥ बाईरुक

मणिराजकँवार० ॥ ३ ॥ करकमलपद्मजलपदप्रछालिअच
वनकरकँवारिनबेली ॥ गनपतिपूजेपुनिगवरपतीसंगपुजवति
कुँवारिसहेली ॥ आरतिकरनकरपूरलिये करदलजनुकमलच
मेली ॥ वरमाँगतकृष्णमहेशशेषगिरिजातथास्तुधुनपेली ॥
॥ झेला ॥ मतिगतिशिवपायनबेली ॥ निरखतभइअचकअके
ली ॥ झनझनकझनकझनकारपगननूपुरबाजिकनकमनिनके ॥
॥ बाईरुकमण० ॥ ४ ॥ नभचंद्रकिरणमनहरणचरणजा
वकयेडिनअरुणाई ॥ चलेचालचपलबालकमरालछबिपिंडली
गोलगुलाई ॥ किंकनअनूपधुनललितलंकलचकानिलखिरति
सरमाई ॥ सुभाचित्राविचित्रितचीरचारुभलकंचुकिकुचछबि
छाई ॥ झेला ॥ करकंकनअतिद्युतपाई ॥ बरणतकवियुक्ति
लखाई ॥ हँसलीहमेलगलहारमालहीराबिसालमोतियनके ॥

बाईरुकमाणि० ॥ ५ ॥ अरविंदमधुरमुखअधरामृतदाडमक
णदंतबतीसी ॥ नासासुढारबेसरबुलाखलटकनतारूपरती
सी ॥ दृगसीलसमअंजनसुरेखमहिमाजलमीनगतीसी ॥
भ्रुकुटीपिनाककरुणावतंसपन्नगीचपलचलतीसी। झला। हरि
जनमुनिग्यानमतीसी ॥ सुरगणनलखीअदितीसी॥लखिको
रकटाक्षणदुष्टमृतकसेपरिगयेदिसाविदिसनके ॥ बाईरुकम
णिराजकँवरिअंबापू० ॥ ६ ॥ रागचरचरी ॥ भोरभयोजवच
लीअंबिकापूजणराजदुलारी ॥ टेक ॥ सामग्रीकेथालभराये
गंगाजलकीझारी ॥ धूपदीपपुष्पनकीमाला डौडालूँगसुपारी
॥१ ॥ रथ्थनकीसाजतमंगवाईलियागजाँदललारी ॥ घुड
लाँघूघरमालघलाये हसत्याँअंबावारी ॥ २ ॥ छौहणपाँच
सातसँगदीन्हीफौजजरासिंधलारी ॥ कालयौग्वालाफिरैआभि

मानीराखियोबहुतहुँस्यारी ॥ ३ ॥ जरासिंधसिसपालचढावै
संगसुभटअतिभारी ॥ चहूँओरजोधाजोरावरचतुरंगीअस
वारी ॥ ४ ॥ रथमैंबैठरुकमणीचालीमनमैंसकुनविचारी ॥
पद्मकहैबाँवोअंगफरुकैंमिलसीकृष्णमुरारी ॥ ५ ॥ दोहा॥
सकुनमनावेरुकमणी, मनमैंहरखबधाय ॥ कृष्णमिलेसंकट
टलै, येसौवरदेमाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ रुकमणिभणेसुणो
रीदेवीकाटौजमकीफाँसी ॥ दीनानाथमिलावौमोकूं जनम
जनमथारीदासी ॥ १ ॥ एकदिनाँरेजनकघरहोतीजनकसु
तारेकहानी ॥ संकटमैंभवसंकटकाटयोधारयारूपभवानी ॥
॥ २ ॥ काहेकूँमेरेपाँवपरतहोहमतुमकाहदुरानी ॥ दीनाना
थदयालकृपानिधिचढसीऔरतिहानी ॥ ३ ॥ सोलहसहस
सहेलीसोहैमानोंइंद्रघटासी ॥ गूँघटकापटखोलदियाजबको

टभानुपरकासी ॥ ४ ॥ आतुरहोयरुकमणीबोलीकाटौजम
कीफाँसी ॥ पदमस्यामसुखदायकनायकबरपाऊंअविनासी
॥ ५ ॥ दोहा ॥ रुकमणिपूजेअंबिका, भरमोतियनकोथाल ॥
मथुरापाऊँसासरौ, बरपाऊँगोपाल ॥ १ ॥ रागसोरठकीठु
मरी॥भवानीम्हाँनंनंदनँदनपरणाय ॥ टेक ॥ करजोड्याँ
विनतीकरूँसुणोंअंबिकामाय ॥ तूँकहियेत्रिभुवनकीमाता
बरदीजौयदुराय ॥ १ ॥ माताभ्रातडाहलबरहेरचोसुणजग
दंबामाय॥राजाभींवकृष्णबरथरप्योआयेकुंदनपुरमाँय ॥२॥
मोमनबसेसोहितुमजानतबरदेजादवराय ॥ सुनजगदंबेदेर
करोजिन जलदीस्याममिलाय ॥ ३ ॥ अतिआतुरभईरुकम
णीपरीगोदमेंजाय ॥ पदमकेस्वामीकृष्णमिलावौदेवीमंदर
माँय ॥ ४ ॥ रागहोरीतालदीपचंदी ॥ राखौलाजगुसायाँमे

रीराखौ ॥ टेक ॥ जोरदलासिसपालआयोअसुरअंबिकाघेरी
॥ १ ॥ त्रेताजुगमैंतपकहियअबसंगसखाबोहोतेरी ॥ २ ॥
तुमतौकहियोबडबिसवारीसाखजहाँतहाँतेरी ॥ ३ ॥ अंबाऊ
परमारगजोवाँजोवाँबाततिहेरी ॥ ४ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये
लागूँजनमजनमकीचेरी ॥ ५ ॥ रागरेखता ॥ डरीमैंदेखकेदा
नाँकहातुमदेरहैकान्हाँ ॥ टेक ॥ नारदकेबचनसबजोई ॥
मिलेबरअंबिकासोई ॥ कहायेदेवहैंझूंठे ॥ केलखिअबगुन
फिरेपूठे ॥ १ ॥ केडाहलसंकमनआई ॥ कहींपरबसपरे
जाई ॥ भरोसायेकहैभारी ॥ आवैंगेबेगबनवारी ॥ २ ॥ अंबि
कापूजनेआई ॥ दिखेनाहिंनैनजदुराई ॥ अवसरयहफेरना
पावौ ॥ पदमकेनाथअबआवौ ॥ ३ ॥ रागरेखता ॥ दरस
बिनबहुतअकुलाती ॥ बिरहकाबाणजूखाती ॥ टेक ॥ जर

दीरंगतनहूवा ॥ जपूँतुजनावँज्यूँसूवा ॥ हमारीलाजअबतो
कूँ ॥ बहौदुखहोरह्योमोकूँ ॥ १ ॥ सिलागजगीधतेतारे ॥
केसीऔरकंसकूँमारे ॥ क्यूँ आईलाजअबप्यारे ॥ देखदलदै
त्यकेभारे ॥ २ ॥ अबेहारीबेगतुमआवौ॥मोकूँअबदरसदिख
लावौ ॥ कहाअबजायगोमेरो ॥ लजैगौबिरदहैतेरो ॥ ३ ॥
भीमतुमकोबतायेहैं ॥ तुमीसेध्यानल्यायेहैं ॥ सुनौअबबीन
तीमेरी ॥ रहूँमैंचरणकीचेरी ॥ ४ ॥ पदमजनदासहैतेरो ॥
रखोशिवकणमायचेरो ॥ बिथाक्यूँदेतहौमनकूँ ॥ मिलाअ
बबेगरुकमणिकूँ ॥५॥ रागदेश ॥ माधोजीआयाराजसरे ॥
टेक ॥ बोहोसाखियनाबिचराजकँवारी बिलखबदनफिरे ॥१॥
सठरुकमइयौक्ह्योनमानेंकूडीसाखभरे ॥ २ ॥ जलमेंराख
अगनमेंराखीनरसिंहरूपधरे ॥ ३ ॥ बलराजाकेभवनपधारे

बावनरूपकरे ॥ ४ ॥ भारतमेंभँवरीकाइंडाघंटाटूटपरे ॥५ ॥
जहाँतहाँभीरपरीभगतनमेंरक्षाआयकरे ॥ ६ ॥ बानाँकीपत
राखसाँवरा रूकमणिअरजकरे ॥ ७ ॥ पदमकेस्वामीआँनबु
झावौ हिरदेअगनजरे ॥ ८ ॥ रागबिहार ॥ साँवराक्यूँनलई
सुधमेरी ॥ म्हैंतोचरणकमलकीचेरी ॥ टेक ॥ गज अरुग्राह
लरे जलभीतर कार्टीजमकीबेरी ॥१॥ भारतमेंभँवरीकाइंडा
गजकीघंटागेरी ॥ २॥ ऐसीचूककहाप्रभुमोमें असुरअंबिका
घेरी ॥ ३ ॥ दासपदमपराकिरपाकीज्योजन्मजन्मकीचेरी
॥ ४ ॥ दोहा ॥ केदेवलच्चढगिरपडूँ, देऊँदेहजलाय ॥ शीश
धरूंशिवसाम्हने, केमरूंकटारीखाय ॥ १ ॥ हुंअबलाथेंस
बलहौ, कितगयेमेरीबार ॥ बडाबिडदआगेकिया, प्रगटवेद
विस्तार ॥२॥ ग्रास्योगजतबग्राहनै, डूबतसारीदेह ॥ सूँडर

हीबाहरतनक, कियो जु थाँसैं नेह ॥३॥ तोकूँपूजूँअंबिका,
कृष्णमिलनकेकाज ॥ बाँवैंअंगफरूकतौ, आजामिलैब्रजराज
॥ ४ ॥ अबसुधलेउसुतनंदके, विनतिकरूंकरजोर ॥ दैत्यम
थनरुक्मणिमिलन, आवोनंदकिशोर ॥ ५ ॥ छंद ॥ रुक्म
णीपटदूरकीन्हों सैन्यासबमूर्छितभई ॥ आवो दीनानाथजा
दूयहअवसरपाऊँसही ॥१॥ रागलावनी तालचौताला ॥कर
करुणाबहुतबिलापतापदेखनलगिओरगिगनके ॥ टेक॥ पुनि
टेरतकरुणावचनकानकरुणानिधानसुनमेरी ॥ गजराजगरज
आतुरपयानज्यूंमृगीअहेरिनघेरी ॥ विरहाकुलकरतविलाप
हायम्हेजन्मजन्मकीचेरी ॥ दरसणद्योदीनदयालकाटितनस
कटविकटपहेली ॥ झला ॥ हानाथलगीकहाँदेरी ॥ क्यूंसुरत
बिसारीमेरी ॥ स्यंदनसमेतखगकेतनिकटप्रगटेहरिपतिगोपि

नके ॥ करकरुणा० ॥१॥ जबदेखेसुंदरश्यामसरोरुहनैनमु
कुटशिरसोहै ॥ भ्रुकुटीविशालकुंडलकपोलमुखचंद्रमुनिनमन
मोहै ॥ बनमालपीतपटकटिलपटिउपमाकहअसकविकोहै ॥
कुंदनपुरबासीदेखचकितभयेसबकोमनललच्योहै ॥ झेला ॥
रुक्मणिचरणचितजोहै ॥ हरिकेगुणमेंमनमोहै ॥ गुणागिरा
ज्ञानगोतीतप्रेमसुखकाहिनजायतिहिंछनके ॥ करकरुणा०
॥ २ ॥ ब्रजमोहनबालपतंगउदयलखिखिलगइकमलक
लीसी ॥ भयेसकलमनोरथसिद्धअंगजनुचंपकबेलिफलीसी ॥
दंपतिसमीपअतिदिव्यादिपतिद्युतिदमकतघनबिजुलीसी ॥
हीरयथासूततादृश्यरुकमनीराजतकनकदलीसी ॥ झेला ॥
सुखशोभाशीलभलीसी ॥ चंद्राचकोरअवलीसी ॥ करपक
रिअंकभरिरथचढायहांकेहरिबेगपवनके ॥ करकरुणा० ॥

॥ ३ ॥ चहुँओरभयोअतिशोररुकमणीहरिश्रीकृष्णपयाने ॥
॥ रुकमइयानिजदलसहित तेजबलसाहससकलजाने ॥
भटवृथाकलपनादंतवक्रसिसपालउलूकलुक्काने ॥ मगरोंकि
करोरणकहतभयेसबनिजनिजबलअनुमाने ॥ झेला ॥ सब
भुजउठायपणठानें ॥ करधनुषबाणसंधानें ॥ हरनरानकृतह
रिचरित्रसुन घटिगयेगर्वअरिनके ॥ करकरुणाबहुतविला०
॥ ४ ॥ दोहा ॥ दृष्टिबाँधकरहरिदुरे, लखेनहींनरनार॥पैजब
धावणभगतकी, लियोमनुजअवतार ॥१॥ रागबरवौ ॥ मुक
टकीझाईपरीअंबिकाकेमंदिरकेमाँह ॥ टेक ॥ धायेहरिजीबेग
पधारेइच्छाफलदातार ॥ १ ॥ पूजअंबिकाबाहरनिकसी
सीतलनिजरानिहार ॥ २ ॥ अचरेकापटदूराकियाजबदुष्टगये
सबहार ॥ ३ ॥ रथचढियाजादूपतआया हूवाजैजैकार॥४॥

रथतेजादवजबहींउतरेलंबीभुजापसार ॥ ५ ॥ भुजापकरके
लईरुकमणीलीविमानबैठार ॥ ६ ॥ रुक्मणिहरिकादर्शनकी
न्हामुक्तीफलदातार ॥७॥ दासपदमाविनतीकरबिनवैं दानाँ
करोसंघार ॥ ८ ॥ दोहा ॥ रथबैठाश्रीकृष्णजी, अर्जुनसेरथ
वान ॥ भक्तसायकेकारणै, आयेश्रीभगवान ॥ १ ॥ रागमारू ॥
इतनीसुनरथआयोप्रभुजीको देखतसेनासारी ॥ अंबिकाकी
पौरखरीसबसखियाँनिरखतहँसेमुरारी ॥ १ ॥ करगहरुकम
णिरथबैठाई सेनासबमुरझाई ॥ हाहाकरतसकलभिडभागे
नेकनिजरनाहिंआई ॥ २ ॥ फोडेमूँडखरीसबसैन्याँ आपसले
तलवाराँ ॥ रुकमणदलकेबीचउठाई अंबिकाके दरबाराँ ॥
॥ ३ ॥ चकितभयेरहेभटरोवतकहोअंबेकहाकीजे ॥ मुखअ
बकहादिखावैंउनकूंआपघातसबकीजे ॥ ४ ॥ पणराखण

६० भीषमकेकारण आयेकृष्णमुरारी ॥ पदमभणैंसखिथनकोरु
९१ ॥ कमणयहसमाचारउच्चारी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ रथचढतीरुकम
णिकहै, सुणसखिम्हारीबात ॥ जायकहोबंधुमातने, रुकम
णिकृष्णलेजात ॥ १ ॥ रागकालिंगडाकोकहरवो ॥ कहियो
माताजायकहियोमाताजायश्यामदरशरुकमणभयो ॥ टेक॥
जायकहोबंधुमातसैंजी ल्यावोदैत्यचढाय ॥ रथबैठाईरुकम
णीसेनापरिमुरझाय ॥ १ ॥ दौडसख्याँरुकमणतणीजी सघ
लेखबरकराय॥रुकमणिकूँहरलेगयादासपदमबलिजाय ॥२॥
दोहा ॥ नरनारीसबहीकहैं, दरशदियोनँदलाल ॥ दैत्यमथ
नरुकमणिमिलन, लेगयेश्रीगोपाल ॥१॥ पाँचक्षौहणदलभा
गके, गयेडराकेमाँय॥हरीरुकमणीग्वालनैं, अबकोइकरोउपा
य ॥ २ ॥ रागधनाश्री ॥ दौडो दौडोरेगवाल्योलियाँजाय॥

॥ टेक ॥ रावजरासिंधऔर दंताधर सनमुखझेलौआय ॥१॥
रुकमकँवरयेसैंउठबोल्यो कुलको धरमघटाय ॥ २ ॥ रुकम
णिनैंप्रभुरथबैठारीभीषममनहरषाय ॥ ३ ॥ पदमभणैंप्रणमैं
पायेलागूँलेगयेजादवराय ॥ ४ ॥ दोहा ॥ सुणोकँवरमंत्रीकहै,
रुकमणलेगयोग्वाल ॥ बँधेकँगणडाहलरह्यो,होसीकौनहवाल
॥१॥ रागजंगलो ॥ लेगयोरुकमणीहरके ॥ साँवरियोजादूक
रके ॥ टेक ॥ सुणसिसपालोअतिव्याकुलभयोउठगइचितमें
सरके ॥ १ ॥ जरासिंधसेजोधाचढियाधनुषबाणकरधरके ॥
॥ २ ॥ काल्योग्वालभागनहिंजावै बेगौल्यावोपकरके ॥३ ॥
बडेबडेराजनासिरपगधरलेगयोरपटझपटके ॥ ४ ॥ पदमभणै
प्रणमैंपायेलागूँबारबारजदुवरके ॥ ५ ॥ दोहा ॥ लक्ष्मीपति
लक्ष्मीमिलइ, देवीतणेंदिवाँण ॥ खबरभईसिसपालनैं, हुई

पिलाँणपिलाँण ॥ १ ॥ ढौलदमामाबाजिया, कसणेलागाबा
ण ॥ सूराँरलीवधावणा,कायरतजेपिराण ॥ २ ॥ झालरबा
ज्याँहरिभगत, रिणबाज्याँरजपूत ॥ इतनीसुणनहिंउठचले,
आठूँगांठकपूत ॥३॥ गलियाराँबाँकेफिरें, गेंदढालढलकाय ॥
जबरणबाजेलोहराँ, शूरबीरहर्षाय ॥ ४ ॥ सूराँराघरशिखर
है, बाजेअनहदतूर ॥ सारवहंतापरखिये, वहकायरवहशूर ॥
॥ ५ ॥ औररागसबरागणी, सिंधूडोसुलतान ॥ सिंधूजबेअ
लापिये, घुडलाँपडेपलाण ॥ ६ ॥ अथ फौजकी चढाई ॥
दोहा ॥ धौराँरहरेग्वालिया, थारिआवपहूँचीआय ॥ महीन
हींगोकुलतणो, चोरचोरकरखाय॥१॥ रागसोरठ॥ बालपणा
कीबाणनभूलोचौरचौरदधिखातो ॥ यातौंकिसीकुंजनकीगो
पी बाँहपकडलैजातो ॥१॥ धूजीधराशेशदलकंप्योचहुंदिसा

माच्यौचालौ ॥ माथेहींसपडीनीसाणाँचढचोरावासिसपालौ
॥ २ ॥ सेनाचढादेखदूल्हाने रावपरेवाबोले ॥ सेवगच्छता
श्यामक्यूंझालैयूँदंताघरबोले ॥ ३ ॥ दलभंजनराजायूंबोले
इसीबातकाँईभारी ॥ माखणचोरताहुकेऊपरथेकांइंकरोस
वारी ॥ ४ ॥ देखोहातखडामरदाँकाम्हेंभारतमेंजावाँ ॥ रुक
मणिसाहितपकडभिडवाल्योआनानिजरगुदरावाँ ॥ ५ ॥ लो
चनरगतधूकमरचढियाहुवाबाणटंकारा ॥ नेजाफरकेभूमथ
कंपेदरस्याकालद्वारा ॥ ६ ॥ औझडझडीसिंधुथरहारिया
भयनवखंडेजानी ॥ उकलीकलाअगनजबऊठी रविताईरामा
णीं ॥ ७ ॥ फौजाँसिरफौजकोलाडौपाखरसेलसम्हावैं ॥
बीलाघोदलनायकराजा जादूजाणनपावैं ॥ ८ ॥ दानालिख
भेजेहलधरकूं बिदामतीहोयजाज्यो ॥ योअवसरभागणको

नाहीं सनमुखजुधमेंआज्यो ॥ ९ ॥ लखसमधानीअर्जुनबोले
ह्वेतोसिलेसँवारी ॥ थेदलनायकआयाआवोम्हारेसबीतयारी
॥ १० ॥ सेनापतिकेसोपै आये बीडाद्योवनमाली ॥ सनमु
खहोयकरमस्तकमेंल्योडाहलदलम्हेजाणी ॥ ११ ॥ केशव
रावकहैदेवनतेंअबकेबेरतुमारी ॥ सारसँभावोजुधमेंजावोहो
सीफतेतिहारी ॥ १२ ॥ बाजतधौसमानोघनगाजे सावकर
णयूँछूटा ॥ सहसअठयासीकृष्णाँतणादलनेमनाथरेपूठा ॥
॥ १३ ॥ बावेंनेमनाथदलसोहैंदाहनेंलखसंधाणी ॥ छपन
कोटिजादूलेलारेहलधरजीअगवानी ॥ १४ ॥ बिधबिधतणा
अराबाछूटेहुईभाडकीधाणी ॥ रोसभऱ्यादानाऔलरियाम
चीरावधमस्याणी ॥ १५ ॥ आभचंदसूरजनहिंसूझे निस
वासरगमनाहीं ॥ देवदलाँदानाऔलरियामहाप्रलेकीनाई ॥

॥ १६ ॥ ओलाज्यूँगोलाऔलरियामारपडीदलहल्लाँ ॥ नाथ कमँडचारावडाहलँका हौदाकरदियाचल्लाँ ॥ १७ ॥ फरचंट घणीतीरऔलरियासेलगदागुपतानी ॥ चक्रबाँधकेरणभूमीमें परतकलहेभवानी ॥ १८ ॥ औझडरूपझडापडमाचीअगनी बाणसंपाडे ॥ धूजीधराधमाधममाचीमँडियामल्लअखाडे ॥ ॥ १९ ॥सरसलहैसंग्रामसूरवाँडाहलकाअभिमानी ॥ छल कायुद्धकरेमहमंता चक्रवहैअसमानी ॥ २० ॥ बेटोदम्मघो षराजाको कुम्भकरणज्यूँऊठ्यो ॥ भणेपदमदेवाँकेबाणा, जैसेबरषाबूठ्यो ॥ २१ ॥ दोहा ॥ चौकादिशादलबांधिया, बाजैशंखसमाज ॥ देवाँदलसिंधूहुवा, मानोइंद्रअवाज ॥१॥ रागमारू ॥ इंद्रअवाजगगनरजलगीछिपगयेचंदरभाणा ॥ लंकाकोटरामदलल्लागे वहदलपहसहलाणा ॥ १ ॥ रामचंद्र

अवतारकृष्णहैलछमणहैबलराजा ॥ किसकंदाकेसौपंडवाँके
बाजैंनौपतबाजा ॥ २ ॥ धीरजनायधरेमहमंताजादूमल्लअ
खाड ॥ सतरेवारकाबदलामागाँ अबकेंधराप्रवाडें ॥ ३ ॥
चढसँगरामसताबीआयाश्यामतणादलकेवा ॥ दंतरायदाना
नलदानालियासाँकडेदेवा ॥ ४ ॥ जबकिलकारउठयोबनत्रा
री श्यामसुधारणकाजा ॥ अर्जुनआनचौहटेघेरयोदंतधरा
केराजा ॥५॥ गदाचक्रतिरशूलभलके खडगाँतीरकबाणी ॥
रौधरहुवाराकसाँबीधा सिंहरूपयूँजाणी ॥ ६ ॥ कालकंठहे
यकालचिमक्या सरसायलभयमानीं ॥ देवचढयाधौलागि
रकंप्या संक्याडाहलआँनीं ॥ ७ ॥ सुरदलचढयाअसुरदल
कंप्या साँवतसूरसभेला ॥ अर्जुनकहैदिल्लीपतराजा करौडा
हलाँमेला ॥ ८ ॥ नौहैनाथचौरासीसिद्धाँकालेबाणसम्हाले ॥

हलधरजीहतियारसम्हावे हलमूसलकरझाले ॥ ९ ॥ छौहण
येकयेकहलमाँहीं हलधरजीसंघारे ॥ दानाँआयपड्याधर
णीपर राणीवचनाचितारे ॥ १० ॥ धौंकलधस्याभींवभारतमें
मंडगयाहात्यामाँहीं ॥ मौडेसूँडवघावैहातीयुद्धमँडयोरवि
ताँई ॥ ११ ॥ लखसमदाणींअर्जुनजोडे बाँणाँतणाचपेटा ॥
बिझगयाडाहलमहमंता सूराकिरणकीकेटा ॥ १२ ॥ सहस
अठ्यासीरिष्यातणाँदलमच्या बाँणघमस्याणाँ ॥ हौदाआ
यपऱ्याडाहलकानेंमनाथेरबाँणाँ ॥ १३ ॥ फौजासिरफौजकौ
लाडौ पाखरसिलेसँवारी ॥ राजाजूझपऱ्यौधरणीमें दंतधरार
णभारी ॥१४॥ राजापडियारणथंभवाज्या फतेजादवाँपाई ॥
हाथेखपरात्रिसूललियाँकर खेतजोगण्याआई ॥ १५ ॥ योधा
मिल्यारावडाहलका आयुधफेरूझालौ ॥ यौअवसरजीतण

कौ नाहीं चंदेरीनैंचालौ ॥ १६ ॥ हाऱ्याफिरैंरावडाहलिया
जीत्याहैंब्रजवासी ॥ कहपदमइयौहारडाहलकीहुईजगतमें
हाँसी ॥ १७ ॥ दोहा ॥ खबरहुईसिसपालने, दंताधरपहसा
थ ॥ खौहणपाँचूँखपगई,खेतजादवाँहाथ ॥ १ ॥ बंधूमरताँ
बिगडगइ, सबीजानकीबहार ॥ मेल्हाचलोकंदापुरी, बाभी
कोसिणगार ॥ २ ॥ दोहा ॥ रासभऱ्योसिसपालजी, लोचन
लालगुलाल ॥ बेरबहौडूंदंतरौ, तौराजासिसपाल ॥ १ ॥
दारूदेवाकररह्यो, भुजापटक्केदूत ॥ चुगचुगमारूंजादवाँ,
तोदम्मघोसरोपूत ॥२॥ केमरबौकेमारबौ, मरबौयेकणवार॥
मेलचल्याकुंदनपुरी, बाभीतणौसिंगार ॥ ३ ॥ बंधूपडताजा
नकी, उतरगईसबबाहार ॥ बाभीहंदाबौलणाँ, निकलकले
जेपार ॥ ४ ॥ हाँसीहुईतिहुँलोकमें, श्रवणासुनीडाहाल ॥

सैननतेविनतीकरे, धृगधृगधृगसिसपाल ॥ ५ ॥ रागमारू ॥
धृगधृगधृगसिसपालडाहलाझूठौबाणसंभावे ॥ भुजापटकऊ
ठ्योभिडद्वानौंफूल्योअंगनमावे ॥ १ ॥ हाथेनैबाँथेबलवंतौ
सिंहजाँणद्वधकारी ॥ मारमारकरतौअभिमानीसारसारकर
डारी ॥ २ ॥ देखोआजकेहडीकरहूँवैरदंतरोसारूं ॥ कणक
णद्दलकरधूंभिडवाल्यो सायरलगसंघारूं ॥ ३ ॥ पेटीसाँध
तूनकरधरासियाआयलग्याजम्मद्वाना ॥ औझडपडच्याथा
टघाडामें जीणहुवाकेकाणा ॥ ४ ॥ जबधसपडेजंगके
माँहीं दारूंधीकाचिकाना ॥ तूडतडकतातौहुयटूटौ छूटाकेह
रिजाना ॥५॥ कलकलहुईकालदलचढिया धूमकोटचौफेरा॥
तातातुरीकुदावतचाल्या आनादियायमधेरा ॥ ६ ॥ ढलकेढा
लफरूकेनेजापूरबकीपतस्याई ॥ छौहणतीसजलंधरबगतर

नखचखसँजडिआई ॥ ७ ॥ छूटेबाणउछंटेदारू धूमकोटद
रवाजा ॥ पेलदियारिखकेदलऊपर कालकंधराराजा ॥ ८ ॥
क्षत्र्याँतणीखौहणचढजानेहुवाजवघरघमरयाना ॥ सेनाच्च
ढीलाखजंझीरॉमदपेल्यामस्ताना ॥९॥चक्कदलल्पटच्चपटच्चहुँ
ओराककयापंथचहुँकेरा ॥ देवीमाँसूँलेकरभागो अबपडजा
साबेरा ॥१०॥ भारतभावभेदसूँकीज्यो दानैंबुद्धिसिखाई ॥
छलकरजायभाजभिडवाल्या थाँकेलाजनकाई ॥ ११ ॥ सत
रेवारभागगयोआगे थाकीकौनबडाई ॥ अबकेककूँकालसूँमे
ला निकलजायगुमराई ॥१२॥ हलहलकरासिसपालोहाल्यो
ठेलदियाभिडदानौं ॥ कूदपडयोदेवाँकेऊपरबागछोडमरदा
नौं ॥ १३ ॥ हाथीठेलदियाभारतमेंमेल्हीअंबावाडी ॥ ताके
माँहिंछत्रपतिराजासूरजकिरणसँभाली॥१४॥ जबराजाजौरा

वरझपटी कपटीकालदँताला ॥ अरजुनभींवतणोदलदेख्यो
खोंबीडासिसपाला ॥ १५ ॥ जरापूतजमराजाबोलै हमपै
जमकीफांसी ॥ छपनकोटनैंअच्चवनकरल्यौं तोमेरानायनि
कासी ॥ १६ ॥ नरअंतरदेवाँमेंअंतर रगतपीवतोहारी ॥ मुर
डचल्योहलधरकेऊपर रावणकोअवतारी ॥ १७ ॥ कुणहैक्रु
ष्णकौणहैहलधर कोहैपांडवराजा ॥ मोहोरेआनामिल्याडाह
लके हतनापुरकाराजा ॥ १८ ॥ हमहींकृष्णहमाहिंहलधरहैं
हमहींकेशवराजा ॥ तुमतौ मौड बँधेफिरजावो हमहतनापुर
राजा ॥ १९ ॥ चीकरभागिडालिगयोतोमर टूटीबीचाठिका
णी ॥ फरसीजायखतीधरणीमें वेपांडवपरबाणी ॥२०॥ धूक
सिधस्याधरणबीधूजी शिवशंकरभयमाना ॥ झलिगयो बाणा
अतीपतीसैाधनुषमांझिभरमाना ॥ २१ ॥ अरजुनवरुणाग

दाभीमकी दायनआयोरानौ ॥ फरसीजायखतीकुंसरके
भागगयोमुडदानौ ॥ २२ ॥ फिरतोफिरेद्दिवाणआयो बलहं
तौसिसपालौ ॥ दसूंदेशराजाचढिआवो नहींयुद्धको टालौ
॥ २३ ॥ बाजेनादभुजाफरकंती जालमधनुषचढायो ॥
कानकानकरतौसिसपालौ देवतणेदलआयो ॥ २४ ॥ लछम
णसेसवेसअवतारी आवकहंतौआयो ॥ हलमूसललेकरधध
कार्‍यो सूतोसिंघजगायो ॥ २५ ॥ सिंघरूपहालेनाचाले
भारभादूंज्यूंबाणा ॥ मुरडचल्योदूसासनसूधो नेमनाथनि
स्साणा ॥ २६ ॥ झलमलमचीअगनझलपाटे नेमनाथदल
माहीं ॥ तबहींइंद्रावलेपहुँचे लेतौकालउठाहीं ॥२७॥ धूजी
धराअँबरअरदोनूं वाखरबाणकुमेरा ॥ बगतरपहरमँडयोसि
सपालौ लागीलायसमेरा ॥ २८ ॥ जूझरह्यादौवाँदलमाहीं

घावघणेराघालैं ॥ सबलतेगासिसपालबलीकी नाथबिनाकुण
झालैं ॥ २९ ॥ संकयाहुईदिवाणामाहीं पारब्रह्मपरचायो ॥
सुरगुरुभीरपरीजबासिखमें परमधामसेंआयो ॥ ३० ॥ सुर
गुरुकहदेवनकूँधावोऔरउपायनकोई ॥ लंकाबंधकरीतेतीसँ
वोदानाँहैयोई ॥३१॥ सर्वदेवअस्तुतकरतहैं श्यामइश्यामपु
कारौ ॥ धनुषधारिकरुणाँनिधिऊठेपदमतणेंआधारौ ॥३२॥
दोहा ॥ बुद्धभणें बृहस्पतिगुरू, मोशिरमोटाडाव ॥ तीनूँझ
गडाझालसी, ऋषपांडवबलराव ॥ १ ॥ भींवभणेंकुंतीसुता,
योदलदेसांमोड ॥ पीठदिखावाश्यामने, लागेमोटीखोड॥२॥
सार संभावोसूरवाँ, घणसाथांबोहोठट्ट ॥ दावानलसिसपा
लपैं, वहपांडूगहगट्ट ॥ ३ ॥ पांडूदलसिंधूहुवा, साकाबिद्दर
मदेश ॥ छरालगतहैमंडने, दिल्लीदीपनरेस ॥४॥ दुखभंजन

भयभंजना, बृहस्पतिकैहैबनाय ॥ दानादेवाभिडायकै, सू
तौलंकलगाय ॥ ५ ॥ रागमारू ॥ साँरगधनुषसाजिबनमा
ली सुरनरसबैबुलाया ॥ पाटपतीपरतंग्यापूरण हँसिहँसिकंठ
लगाया ॥ १ ॥ चिंतातजौदेवदलनायक धँवलछत्रासिरधारू ॥
केवलकंथकरूंअसुराँको भूकोभारउतारू ॥ २ ॥ तडमडहुई
तंतकाबाज्या नेमनाथदलमाहीं ॥ हलधरजायभिडौअसुराँ
सेथेपछेकरोलाकाँई ॥ ३ ॥ बाजेशंखघुरेरणसिंगारिख्याते
णाँदलकंठया ॥ नोपतबाजरहीनोनाथाँस्यामदलेबरसंठया
॥ ४ ॥ रिषपररीझरहेबनवारी आदरकरकेलीनाँ ॥ अपणे
करकाबाँणकृष्णजीनेमनाथनेंदीन्हाँ ॥ ५ ॥ माँझीगाजरह्या
भारतमें अर्जुनभींवभलाई ॥ वहपाँडवहतनापुरवाला पहुँ
चयाहात्यामाहीं ॥ ६ ॥ हौदाहाँकिलियाँहात्याँका सैन्य

चढीमतवारी ॥ जिणवेल्यांपंडूराजानैं बीडादेवनवारी ॥७॥
मिसलतइसीकरौसिरदारांसबहीसारसँभाया ॥ दलसूंधातैं
ऊँधाकरग्यौ तौकुंतीकाजाया ॥ ८ ॥ पांडवदलचढियामहमं
ता अर्जुनभींवडपाला ॥ कूदपरचालंकामैंजैसे कपिकिसकं
दावाला ॥ ९ ॥ कारजआजस्यामसुखआगे करहैभींवमहमं
ता ॥ बीडाझालदिलीपतचाल्याज्यूंलंकाहनुमंता ॥ १० ॥
बिकरालीकौपीबलवंतीच्यारभुजामुकलाती ॥ बावनभैरूं
चौसठजोगण फिरैंअसुरदलखाती ॥ ११ ॥ दोहा ॥ गिरी
सिखाजलऊझल्या, छिपगया चंदरूसूर ॥ मानौंगोवरधनऊ
परैं, इंद्रचढ्याअकरूर ॥ १ ॥ रागमारू ॥ इंद्रचढ्याअक
रूरस्यामदलनवग्रहनौपतखानाँ ॥ कहबलदेवउधारकिसी
ज्यूंकिलकारेहनुमाना ॥ १ ॥ कौसअसीमाँहीजादूदलगज

गरमोगरठाटौ ॥ मुरडच्चल्याभेलाहोयजानीऊजडगिणेनबा
टौ ॥ २ ॥ अपरमपारसाथहै सुथराविवलदाहाके बानाँ ॥
हींडतहांथीदलकेसाथे भारथदेवरूदानाँ ॥३॥ सुरदलच्चढचा
असुरदलकंप्याझुकिगयादेवादिवानाँ ॥ बारहक्षौहणलेबलभद्र
पूगोजादवहुवारवानाँ ॥ ४ ॥ बरखैलोहसारघनतूटैमुगदरमू
सलपेलैं ॥ आपैइखायपडेमूर्छांगतहलकीत्रासनझेलैं ॥ ५ ॥
पटकेखौनआँगलीखूनीसैनदईपलकारी ॥ हौदेजायखतीडाह
लककेशौतणीकटारी ॥ ६ ॥ छपटीकरेगणेसाधँमैंमंगलभार
मुकेरे ॥ दानाँकाछत्रसीसतंतौडँगाहिकरफरसीफेरे ॥ ७ ॥
अर्जुनहाथसाथरासुथरा डाहररूपसमानाँ ॥ येकबाँणलाखाँ
दलसाथेपडतादीखेदानाँ ॥ ८ ॥ दानाँमाहींचढगयाजादूगर
ताँकीचडमातौ॥बरखेबाँणमेघकीनाईंदिनसेहोगइरातौ ॥९॥

लपटझपटहूवासवजूझैंमैहुवावासकताँई ॥ तिरताफिरैछंत्र
लौहूमैंज्यूंनवकाजलमाँहीं ॥ १० ॥ गजसिरवरषैसेलकटा
रयाँ नवनैजाँताहाँपाणी ॥ फटीपालभेलमरजादाँमानसरौवर
जाणीं॥११॥भेलदियोअसुराँदलमातौ नटवरभेषगवाल्या ॥
लहसकरलूटलियोडाहलकौं गोकुलकेभिडवाल्या ॥ १२ ॥
कुंजरपडचालाखनवदूणा गमनाहींकेकाणां ॥ देशदेशराजा
केदेखनपडियारह्यानिसाणाँ ॥ १३ ॥ कहताँघणीसरीनहिंये
कौसिरधूणेसिसपालौ ॥ लाडीगईलाजवीलेगई मूढौकरगइ
कालौ ॥१४॥ वहमसलाबाभीकाआवै खोयदइलाजबडाई ॥
मेलाचल्या कुंदनपुरआगे दंतरायसाभाई ॥१५॥ हीणहोय
सिसपालौभाग्यो किसीकपरण्यांप्यारी ॥मेल्हचल्योसिसपा
लपाघडी दम्मघोषराजारी ॥ १६ ॥ हलधरकहैसर्वदेवनसे

वेगकरौअसवारी ॥ उलटावोहोइअखाड़ैल्यावौफेरकरांगा
धारी ॥ १७ ॥ अरजुननेमनाथहलधरसूंकैहैसिरीपतराजा॥
भागाँलारधावनहिंधाल्यौ छैआपानेलाजाँ ॥ १८ ॥ नेजाछा
डगयाफरकंतानौपतसहतावाजा ॥ पदमभणेभारतमेंभागौ
चंदेरीकोराजा ॥ १९ ॥ दोहा ॥ सुँणभाग्योसिसपालने,
तनमनलागीलाय ॥ जरासिंधअजरायलौ, मालरह्यो बिल
खाय ॥ १ ॥ धरअंबरधुज्यानहीं, तडभडहुवानदेव ॥ जरा
सिंधऊमाथकौं, कहाजीत्यौबलदेव ॥ २ ॥ रागमारू ॥
कहाजीत्यौबलदेवखडारहसिंधपहूँच्यौआई ॥ दंतरायसो
मोकूँजाणीकहैजरासिंधराई ॥ १ ॥ फिरगइफेरसमुद्रांताँई
बाज्याअनहदवाजा ॥ तोमैंबैरकंसकौ माँगूँएकपंथदोय
काजा ॥ २ ॥ होयतडाभडसेनाउमडीकालजनमदर्शाया॥

दानातेगझटापटबूठेधरअंबरथरराया ॥ ३ ॥ जमके रूप
जरासिंधआयोनेजाधजाचढाई ॥ खड्गत्रिशूलमल्लकेमाला
ज्यूंदामनघनमाहीं ॥ ४ ॥ नारदनाचिरह्योमण्डलमें ख्याल
रच्योधरजाणी ॥ दलभंजनराजाजबआयो साको भयो
द्विवाणी ॥ ५ ॥ कायावज्रवज्रकेहाथी वज्रबाणदलजोई ॥
जरासिंधराजाकेसन्मुख चलीनमंडेकोई ॥ ६ ॥ कलहद्दा
नकुंदनपुरहूवा बाजरह्यारणतूरा ॥ थँबगयारथसूरजराजाका
देखतमासासूरा ॥ ७ ॥ चहुंदिशिचक्रबहेदानाका बाजे
अनहदबाजा ॥ मानोजलंधरसंकरजैसो मंडियोमहासमाजा
॥ ८ ॥ धूजीधरागगनबीधूजे शेषनागथरराया ॥ मानोकुम्भ
करणलंकासोंइणअवसरचढिआया ॥ ९ ॥ जबदेवांकाहिर
दाकंप्याधनुषबाणलेनाहीं ॥ देवाँदलाँदानवाँझूझेजरारलीता

माहीं ॥१०॥ लौंनीमुजासहलरपुक्रपका वाकासुजाविचारो॥
पद्मभाणैं प्रणकैं पायें लागूं ध्यान धर्तुंसुजंघारो ॥ ११ ॥
दोहा ॥ जुधमैंबालाबाजिया, जरापहूंतीआय ॥ किताकजो
धामिटगई, किताकसुक्लकेमाँय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बीसजो
जनमैंपावजराकादेशजोजनमैंहातो ॥ पाँचजोजनमैंशीश
भणीजै होयजोजनमैंहोतो ॥ १ ॥ नेमनाथराहलकामलका
जाकेसन्मुखआई ॥ भाजपडयासबमूंढाआगेरांडडाकणीआई
॥ २ ॥ गौरीसहितसदाशिवभाग्याभाग्याजादूराई ॥ सुरतें
तीसौरणतेभाग्याजरापहूँतीआई ॥ ३ ॥ रणसंग्रामकदेनाहिं
हारयाकदेनहारयाबाँडै ॥ दानासैंद्दमजुधकरजीत्या माद्या
मौडौरांडै ॥ ४ ॥ हरिहलधरनैंदुकमाकियोहैजराव्याधिनैं
मारो॥यातैंथारैंडावनआवैदूणीदेहवधारो ॥५॥ हलधरलेहल

मूसलचाल्योजरासान्हेनेआई ॥ हलतैंव्याधअफूटीफेरी मूस
लशिरठहकाई॥६॥ जरामारमृत्युमंडलगेरीसुरांपुष्पवरषाई॥
कृष्णकँवरदुलहाकेऊपरदासपद्मबलिजाई ॥ ७ ॥ दोहा ॥
देवाँरादलजमसुता, हरिजनमानींरीस ॥ भरिचढचोबलदेव
की, गरुडचढ्योजगदीस ॥१॥ रागमारू॥गरुडचढयोजग
दीशधनुषधर चंद्रबाणकरधारी ॥ दसमस्तकबीसूँभुजभंज
नरामरूपबलिहारी ॥१॥ छपनकोटजादूचलाआयाबडाछत्र
कीछाया ॥ सरणसरणतेतीसूँलाखाँचरणाँशीशनिवाया॥२॥
ब्रह्माँसुतनारदयूँबोले अरजहमारीलीजे ॥ जिणवरतेंदाना
थेजीत्यासोवरम्हानैंदीजे ॥ ३ ॥ सन्मुखहुवाजगतपतनायक
वरदेवानैंदीन्हा ॥ संकटमैंजुसायहरिकीन्ही जराजोरहरली
न्हा ॥ ४ ॥ सुरतेतीसहुवादलनायक सेन्यासवचढिआई ॥

इततैंदलदेवनकाचढियाउतैंजरासिंघराई ॥ ५ ॥ उल्कापात
अग्निजवऊठीभारअठारेंदूजे ॥ अष्टकुलीकानायकच्चाल्या
चंद्रसूरनाहिंसूझे ॥ ६ ॥ अष्टसिद्धअरुनवनिधराणी कुलीनाग
वलन्यारा ॥ च्यारूंगैंद्दिग्गपालासूँ आनपड्याशिरभारा ॥
॥ ७ ॥ पाटपतीदोनूंदलभिडियाँरोकिलियारेनिसाणा ॥
लंकाकोटरामदललागा वहदलवेहीवाणा ॥ ८ ॥ हतनापुरका
राजा बोले सुणवसुदेवकुमारा ॥ भाग्यांदूरद्वारिकानगरी
कीजैकोणविचारा ॥ ९ ॥ मिसलतहुईदेवदलमाहींसुरनर
मुनि सबआया ॥ सिंघरूपदानांकेसन्मुख अर्जुनभीवाबि
लाया ॥ १० ॥ बाँकीअणीबंकफौजाँकीनेमनाथथेंझेलो ॥
हलधरकहैहुक्मकेसौकान्हरूच्यातणांदलपेलो ॥ ११ ॥ धर्म
पुत्रराजायूँबोल्यो धर्मीमँडगयासाका ॥ पहलचोटअर्जुनसे

भिडियाकियायादवाँहाका ॥ १२ ॥ अर्जुन बाणरु गदा
भींवकीचूरकियादलमोधा ॥ गेरदियाहसत्याँऊपरसैं जरा
सिंधकाजोधा ॥ १३ ॥ आयुधघणाहातनहिंचालैनेमनाथदल
जोडा ॥ घोडाऊँटरथहात्याँकाटूककियायकठोडा ॥
॥ १४ ॥ हाथीपेलदियामारथमैं फौजाँचढहंकारी ॥ हलमूस
लदानापरटूटेमहाप्रलयकरडारी ॥ १५ ॥ सुरपतिरावबज्जवं
बाडे मानौबीजचमक्के ॥ शिरवराहपातालशेषकेमाथेजाय
ठमक्के ॥ १६ ॥ ओलाज्यूंगोलाओलरिया मारपडीदलहाली॥
नायकपड्यारावडाहलकाहौदाकरदियाखाली ॥ १७ ॥
गौरीसुतबिन्यायकराजाशिवकावज्रसँभावे ॥ रापटरोलकरै
सूंडालौपकडसूंडघूमावे ॥ १८ ॥ गुपतीचक्रचलेनाथाँका
कोईगुपतकोईछानैं ॥ कैलासीशंकरकोगणपत कह्योनाकेह

कोमानैं ॥ १९ ॥ नारदमुनीगरुडब्रह्माकाकालबाणइमधारे ॥
मानोहनूमानलंकाकोचहूंओरसूंजारे ॥ २० ॥ चहुँदिशिचक्र
बहैचंडीका लूगडियाअगवाणी ॥ बाँध्याचक्रयूंसेनाऊपर
नगरकोटकीराणी ॥ २१ ॥ किलकैकोपकरैबलवंतीबावनचौ
सठन्यारा॥ बिकरालीदानादलवेगीआनपरीजमद्वारा ॥२२॥
टूटेछत्रबगतराँफूटे धजासबैदलआई ॥ ससतरसबैबहैंचौधा
रापडीनौपतांघाई ॥ २३ ॥ झटकाहोयबटकतनटूटैटूटैपाखर
घोडा ॥ लटपटसीसपडैंदानांकागराहुवायेकठोडा ॥ २४ ॥
खेतांरगतबहैदानांकौ नदीभादवामांहीं ॥ जोजनपाँचसा
तझडपडिया गलगोटागलबाँहीं ॥ २५ ॥ हातीहसतारथ्याधं
बलहरऔरसौवनींसाजा ॥ चौटीआनदईकुंदनपुर दसूँदिसा
केराजा ॥ २६ ॥ अग्निबाणघमचक्रांचालैछूटेजंत्रहवाई ॥

हाताँखपरात्रिशूललियाँशिवरणमैंजोगणआई ॥२७॥ खेचरि
भूचरि औरसंखणींगिरजलसबैचढधाई ॥ चूँणचूँणसीससदा
शिवशंकररूंडमालटलकाई ॥२८॥ लोटैंपडैतडातडजैठैरोक
लियारडथाणाँ ॥ सतरैलाखसखतपाखरिया खालीहुवापि
लाणाँ ॥ २९ ॥ बावनभूपधजाबंधराजा सैन्याकीगमनाहीं ॥
लाखाँपतीकिरोडाँहाथीजायपड्याजंगमाहीं ॥३०॥ घरेहांण
हाँसीजगमाहीं बातच्यारजुगचाली ॥ ग्यारहलखपलखी
डाहलकी हुईखेतमैंखाली ॥ ३१ ॥ भागचलाचलहुईचंदेरी
धणींरथांकाबीता ॥ सातलाखतौरथघोडांकाहुवाखेतमैंरीता
॥ ३२ ॥ तौबात्राहमचीडाहलकै पडियाघायलकंपैं ॥ मांगैं
नीरबोकनाहिंमंडैमुखसूंबैंणनजंपैं ॥ ३३ ॥ घूमैंपड्या राव
डाहलका कायरज्यूंबतलाया ॥ छटीरातकालेखटलैना दाणा

पाणींल्याया ॥ ३४ ॥ कोटउपायकरीबळवंतापेचयेकनां लाग्यौ ॥ चंद्रबाणकेसौकरदेख्योजरासिंधबीभाग्यौ ॥ ३५ ॥ भलीभाँतकीजानखपाईभूपमरायासारा ॥ जरासिंधजबहीं भगचाल्याऊंधापड्यानँगारा ॥ ३६ ॥ जहाँतहाँजादवराजा काबाजैनौपतबाजा ॥ पदमभणैतिहुँलोकामाहीं संखपचाय णबाजा ॥ ३७ ॥ दोहा ॥ संखपचायणबाजतां, राजाघणां उछार ॥ पतराखीमहराजनैं, असुराँकियोसँघार ॥ १ ॥ राग मारू ॥ असुराँकियौसँघारस्यामदळजीत्यात्रिभुवनराई ॥ भागगयासिसपालजरासिंध खबरकँवरपैआई ॥ १ ॥ कोप्यौ कँवरभीवराजाकोसबहीभूपबुलाया ॥ चाँपरकरीबेगचढवाकी जुधसामानमराया ॥ २ ॥ मिसळतहुईकँवरदरबारामंत्री करोविचारा ॥ पारब्रह्मसौंजीतांनांहीं धीरजभलीकँवारा ॥

॥ ३ ॥ कबकोमूपमयोभिडवाल्यौनंदमहरकोपाल्यौ ॥ वाण
विद्याकवहूतैंसीख्यो गायांतणौंगवाल्यौ ॥ ४ ॥ भागोकाळ
जनमकेआगेजळमेंजायवसायौ ॥ ळाजनमरेसरमुनीयाके
फेरविवाहनआयौ ॥ ५ ॥ सेरमयोसिसपाळभागतां हमते
मांडयोपाळौ ॥ रुकमकँवरकौनामसुणंतांमिटेजायकाळअ
काळौ ॥ ६ ॥ राजभेदतैंरुकमणिलेगयो सूतौसिंघजगा
यौ ॥ जमींदौच्चकरघूंभिडवाल्या तौभीषणकौजायौ ॥ ७ ॥
फौजाँघणीहलीलाहाथी रविरथकायोबाणा ॥ जोजनसा
तमांहिंसांचरियोकँवरतणांदळपाणा ॥ ८ ॥ तीसलाख
पवनांधरपाखर इसीसाखतीजांणी ॥ कँवरच्चढयासायरका
टूटयाजोजनजोजनपाँणी ॥ ९ ॥ च्चाँपरकरौवेगच्चढवाकी
सांतरसबैसँवारी ॥ भागजायजादूभिडवाल्यौ वेगकरोअस

वारी ॥ १० ॥ दलमैंजापहुँच्योदूसासन जाँणइंद्रघररायौ ॥
खबरकरौभिडवाल्यासेतीरुकमकँवरचढिआयौ ॥ ११ ॥ चहुँ
दिशिचक्रबहैकँवरांकानभकौटूटोतारौ ॥ सनमुखकँवरलडे
भीषमको सारबहैचौधारौ ॥ १२ ॥ चालैबांणजँझीरागोला
उलटपुलटअँधियारौ ॥ माच्यौरीठकृष्णदलमाहीं निकस
गयोदलपारौ ॥ १३ ॥ इंद्रजीतराजाभीषमकोकालपहूँच्यौ
आई॥सनमुखगदाउठायकँवरजी जायरथपरबाई ॥ १४ ॥
दूजीगदासाँधकेबाही ध्वजासाथदलिआई॥तीनलोककेकरता
हरता उनबीसंक्याखाई ॥ १५ ॥ कुणझेलैरुकमालकँवरकी
पारब्रह्मबिनधारा ॥ भींवघराँअहडाईसाजैं समैतणाँअवतारा
॥ १६ ॥ सांधरह्यासबहीकरबंध्याछपनकोटदलबाणाँ ॥
अग्याबिनभारथनाँझेलै सूरजसाखबिमाणाँ ॥ १७ ॥ जब

हलधरजीयेसैंबोल्या बीडाघोजदुराई ॥ हलसैंपकडधरूंमूस
लकी खोयद्यूंमाँनबडाई ॥ १८ ॥ केसौकहैहुक्मनाँथाँनैंरचै
भींवघरचालौ ॥ रुकमइयानैंम्हेनाहिंमाराँ म्हारोलागैसालौ
॥ १९ ॥ करजोड्याँकँवलाकेसवसे अरजकरतहैंराणीं ॥
रुकमकँवरकेहातनलावौ परतंग्याम्हेजाणीं ॥ २० ॥ कविरु
वाच ॥ रंगनमांहींकियोबिछंगनअबलामाँनबधायौ ॥ मूंड
मूछअरुमस्तकमूंड्यौरथकीपीठबँधायौ ॥ २१ ॥ मारचौमां
नकँवरनांमारचौं दोनूंबातउबारी ॥ कहैपदमराजाभीषमको
पकरलियौबलकारी ॥ २२॥ दोहा ॥ खेतसम्हालौलखपती,
नैंनभरेसिसपाल ॥ छोहणपिच्याणवेंदलहत्यो, पड्योधरण
बेहाल ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पड्योधरणबेहालसबीदलधीरज
कौनबँधावै ॥ म्हारोचलणोनहींचंदेरीजरासिंधचढिजावै॥१॥

उणमांहींबहुरावतणांदल्ल सौदकरैसिसपाल्लौ ॥ कुंणकुंणलाडि
याकुंणकुंणभागामंन्यांखेतसम्हाल्लौ ॥ २ ॥ सावधानमंत्री
सांचरिया आयरावगुदराई ॥ छौहणपांचअंबकाऊपर पड्यौ
दलतधरआई ॥ ३ ॥ छौहणिसातजडीबगतरकीदेसबंगालैवां
कौ ॥ झडपाडियाचूडीज्यूंहानीरह्यौयेकनांफांकौ ॥ ४ ॥
नेजाझल्लकंताईरहगया रहगयानौपतबाजा ॥ अरजुनकेरेहात
ऊतऱ्यौ भांणकच्छकौराजा ॥ ५ ॥ असीलाखकुंजरझडप
डियानिवैलाखकेकाणां ॥ भींवसेनकेरह्यामोरचै संगलदीप
काराणां ॥ ६ ॥ मूंढैपड्यौरावमेवाडौपाछेसैन्याली ॥
सूंनींपडीकचेरीजिनकीजाजमहोगईखाली ॥ ७ ॥ देखौकौण
दुईदलमांहीहोगइखेलजिनाणी ॥ जिनभरतारसतीहोगई
मंडोवरकीराणी ॥ ८ ॥ जानगयासिसपालरावकीमचीराव

णाथांणी ॥ तारातखततैंचौलपतीकीधरांविलखवैराणीं ॥९॥
सिंधरावसिसपालसरीखौखबरकनौजखिनाबौ ॥ नवीथरप
नांकरौतखतकी बालकियांवैठावौ ॥ १० ॥ गाहिटडुंईगरकस
नफौजां याछत्र्यांनैंछाजै ॥ वखतभांणमुलतानपतीके नवा
घडायावाजै ॥ ११ ॥ दानांफिरमागताआगेबुरीबलायनैंछे
ड्यौ ॥ लांबीसूंडसदाशिववालै सारौकटकनवेरचौ ॥ १२ ॥
चांपवांधिहलधरजगमांहीं महाभारथपरभारी ॥ रूपसंमरो
तासमदानौं पूरीकरदइसारी ॥ १३ ॥ हलकीत्रासदेखनैंभा
गौरावऔडिसेवालौ ॥ नौपतकौसलईभिडवा घरजायाकियौ
उजालौ ॥ १४ ॥ भरखप्परकालीकिलकांणींनिरपमतीचक
राणीं ॥ बाराछोहणफौजमतवाली अचवनकरगइपाणीं ॥
॥ १५ ॥ वलवलबुखारेकावलवंताउजबखलाखअठारा॥त्रिया

द्वीपकाराजापडिया नोछौहणसूंन्यारा ॥ १६ ॥ मंत्रीआयक
ह्यौराजासूंखबरऔरबीआई ॥ पकडलियौरुक्‍मालकँवरनैं
हुईघणीहलकाई ॥ १७ ॥ मूंछ्यौसीसमूंछबीमूंडी खोयदइ
मॉनवडाई ॥ कृष्णछौडिसिसपालकियौवर थौंमॉकरआपाई
॥ १८ ॥ भलीहुईतीनूंऊबरिया बौहोतभईकुसलाई ॥ रात
समैंचंदेरीचालौ थ्यौ चौकी वैठाई ॥ १९ ॥ दसूंदेसकाराजा
पडियाकरताबोहोतडवारौ ॥ पदमभणौंसिसपालकहैमेराजी
वतभँडगयोसारौ ॥ २० ॥ रागकालिंगडौ ॥ येवल्लभाँनवाँरे
लाल जोधासवैपल्याग्रुखमोड ॥ टेक ॥ माखणखातौछिन
कमैं रेदेतौमटकीफोड ॥ नंदमहरकौकानडौरे अबलौदेवाल
गौदोड ॥ १ ॥ आयाथाकछुऔरनैरेहोयगईकछुऔर ॥ कप
रेफ्कारेगांठकेरे अबदेखचल्यौयाठौर ॥ २ ॥ निनाणवैराजा

मरेरे हस्तीलाखकरौर ॥ रावसांडियोभेजियोरेघरथेकुसल
कहौम्हारिऔर ॥ ३ ॥ तूँराजाभूलौ ककोरे डाहलमतकोई
करोउपाय ॥ रुकमणिसीथारैघणींरे उणनूपड्योग्वालले
जाय॥४॥ बुरीहुईसिसपालमैंरे देख्यौकुंदनपुरकीकूँट ॥ ब्रछ
बण आवैखाणनैं रे वाकेलागझाडरबूँट ॥ ५ ॥ हरिनैंद्याफल
पावियोरेमूरखकरतौवचनकठोर ॥ पदमकहैसिसपालडा
हलारेतेरौकुजसछायौचहुँओर ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ हो
जीहरिवीरम्हारोअतिदुखपावै ॥ टेक ॥ भीषमनूपकौराव
रुकमइयौ अबयाकूंकौनछुडावै ॥ १ ॥ बंधूम्हारौबाँध्यो
है हरिनैं कौनखबरपौंचावै ॥ २ ॥ जबवहांखबरसुनै
पितुमेरौसटकूंआँणछुडावै ॥ ३ ॥ करुणाभरीरुकमणींठाडी
नैनाँनीरबहावैं ॥ ४ ॥ हाथजोडरथनीचैआई हरजीकीओर

लखावै ॥ ५ ॥ होब्रजराजलाजमेरीराखौ थेजगमोयबुरावै ॥
॥ ६ ॥ पदमस्यामप्रभु मनमैंहरखे वचनसुनतसकुचावै ॥
॥ ७ ॥ दोहा ॥ रोसभरीराणिरुकमणीं, रथसेउतरीआय ॥
बंधुहमारौबाँधियौ, कौइनसलेछुडाय॥१॥रागभैरवीकाफी ॥
म्हांनैंलागौबीरकोतीरथेमतमारौहलधरकाबीर ॥ टेक॥ बाँह
डलीफाटैरुकमइयाकी आखरम्हारौबीर॥१॥ साखनहीं थारै
आँखलाजनहिंनहिंजाणौंपरपीर ॥२॥ बरजरहीबरज्यौनहिं
मानौ आखरजातअहीर ॥३॥ पदमप्रभणैंप्रणमैंपायेलागैंनैणाँ
खलक्यौनीर॥४॥ दोहा॥ हलधरदेखीरुकमणीं, बिलखीराज
कँवार॥ अरजुनऊधौभगतसहि, थेसैंकहैंबिचार ॥१॥अरजुन
ऊधौभगतसैं, बिसटालादियापठाय ॥ बिसटालाँरीबीनती,
प्रभुसुनियौजदुराय ॥ २ ॥ इणराहातकिसीबिधहूवै हालावा

थौलार ॥ कह्यौनमांन्यौंराजाभींवकौ रुकमवडौजूझार ॥३॥
इणराहातकिसीबिधछूटैं घणांबजायाकपोल ॥ कह्यौनमांनूं
भगतांथौरां म्हानैंघणांजबोल्याबोल॥४॥ रागमारू॥ सठकौ
नांसठताइदेखौ रुकमणिओरनिहारौ॥ भगतकैरछैबीनतीजी
रावरोबिरदबिचारौ ॥ १ ॥ भगतांरीहरिमांनींविनतीरुकम
इयौमुकलायौ ॥ भुजापकरिकेआगेलीन्हौंचरणांआपलगायौ
॥ २ ॥ म्हैंअपराधीकयोनमान्यौथेसहीजगोकुलकानों ॥
भींवसेन तौ बरज रह्यौ छौ म्हैं हरि मरम न जानौं ॥ ३ ॥
म्हैंजान्यौं जगदीस सनातन पारब्रह्म नांहिं छांनौं ॥ पदम
भणैं प्रणमैं पाये लागूं अब तौ ठाकुर मांनौं ॥ ४॥ अथ चंदे
रीकी कथा प्रारंभ ॥ दोहा ॥ सखीसंग भाभी भणैं, मौ मन
घणौं उदास ॥ बिलखा छै रंगमा लिह्या जाणुं, बिलखा छैं

रणवास ॥ १ ॥ चंदेरी सूँनी पडी, फरकत दाणी गात ॥
काँसैं भोजन चाँपियो, घरै नहीं कुसलात ॥२॥ महल चढी
सिसपालकै,चहुंजोवैअकुलात॥ तखतचंदेरीराजवी माँनूं, ध
रैपधारचारात ॥३॥ अथकुंदनपुरकीकथा ॥ दोहा ॥ सिस
पालौबिलखोभयौ, सगलौजाँनखपाय ॥ जरासिंधसूँयूँकहै,
मरूँकटारीखाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ छुरीकटारीवेगमँगावौ
खायछुरीमरजाऊँ ॥ घरमेंभाभीसुगणीभावज मूँढौकठै
दिखाऊँ॥१॥कहैनेवगीसुणोसिरदारौ मिसलतइसीलगावौ ॥
थारेकमीनहींकाहेकी साँगतऔरमँगावौ ॥ २ ॥ लेयबधाई
चलेनेवगी ड्योढ्यांभीतरआयौ ॥ सैनभगतनैंदेखआँवतौ
पटराणीवतलायौ ॥ ३ ॥ काँईकाँइतोथानैंदियौकौरवरौकाँ
ईसाम्हेलेपायौ ॥ काँईतोहतलेवैदीन्हौंकाँइसमठूँणीआयौ ॥

॥ ४ ॥ कौरवराणिमूसलदीन्हौं साम्हेलोबोल्यायौ ॥ समटूँ
णीपरपडीबीजली हतलेवैहरिआयौ ॥ ५ ॥ हलसूं तोम्हारी
हुईआरतीमूसलरौलमचाई ॥ कहैनेवगीसुँणपटराणींसगली
जानखपाई ॥ ६ ॥ पहलेंगोलैउडीसीधडी दूजेचिराकछुटा
ई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँहुईघणींहलकाई ॥ ७ ॥ दोहा॥
अतिआतुरसिसपालकौं, जरासिंधदेधीर ॥ जीतहारयेकठौर
नाहिं, फिरतीरहैंभटबीर ॥१॥ कहैजरासिंधरावयूँ, घरचालौ
सिसपाल ॥ इणअवसरजीतौंनहीं, सानुकूलहैकाल ॥ राग
सोरठका रेखता ॥ काँईकरूँरीमइयामौरीकैसेंजाऊँचंदेरी॥
टेक॥म्हैंनीजकुंदनपुरआयौ॥ म्हारोसगलौसाथखपायौ॥१॥
म्हाँनुभाभीबहुतसमझायौ ॥ म्हारेदायथेकनाहिंआयौ ॥२॥
आगेभाभीसुलखणींनारी ॥ मनैंदेखतदेसीगारी ॥३॥ योतो

रातपड्याँघरआयौ ॥ खिड़कीमैंमूँहछिपायौ ॥ ४ ॥ भाभी
थूँकहकेबतलायौ ॥ ज्याँरोपदमभगतजसगायौ ॥५॥ दोहा॥
रातपड्याँघरआवियौ, पड़दादियाखँचाय ॥ मुखाँकँवरबोलै
नहीं,अनपाणीनाहिंखाय॥ १ ॥ जेसपनौसाचौभयौ, भाभी
केरड़पाय ॥ संगलेसखीसहेलियां, महलबनाँकेजाय ॥ २ ॥
मुखदिखलाओकँवरिको, देखतसुखहोयमोय ॥ कराँबधावारं
गरली,थूँजाणैसबकोय ॥ ३ ॥ कितौकदीन्हौंदायजौ,काइँ
मिझमाँनीकीन ॥ गजघोड़ाभूषणबसन, बरतनाकिताकदीन
॥ ४ ॥ रागमारू ॥ कितरादिनामिझमानीजीम्याकिस्यो
दायजौल्याया ॥ दासीदासचरणसेवनकूँकिताकसाथखिना
या ॥१॥ राजाभींवमिल्योकिंणविधसेंकिणविधफेरालीन्हां ॥
कितरौथारीखरचकरायौपरावणीकाँइदीन्हाँ ॥ २ ॥ सुण्याव

चनभाभीरामुखसूँमनमैंअतिपिस्तावै ॥ नीचौसीसदियौगो
डामैंफिरकरज्वाबनआवै ॥ ३ ॥ थांरैमनभावैकुंदनपुरफेर
खिनावाँजाज्यौ ॥ अबकेफेरकरीउँतावलअबकेढीललगा
ज्यौ ॥ ४ ॥ म्हैंतौदेवरसबसुँणपाईआछौजसकरआयौ ॥
पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूँतीनलोकजसछायौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥
घायलडोल्याँदायजा, उतरेपुरमैंआय॥रुदनकरैंबहुनारियाँ,
जाँणकमंगलगाय ॥ १ ॥ रँगरँलियाँरोवैंत्रियैं, घरघरलंबी
पहर ॥ घायलडोल्याँदायजौ, यासुखबिलसेसहर ॥ २ ॥
रंगछिडक्योचवतौरुधिर, जाँणकसूमलजोड ॥ घरघरगावै
घेरिया, दंतीचुडलाफोड ॥ ३ ॥ रागमारू ॥ बनडीदेखण
आईकँवरजी पडदौपरौकरावौ ॥ रंगरँगीलीकाव्याहकँवर
जीमुखसूँकेयसुनावौ ॥ १ ॥ कहाकहादानदियौरुकमइये

किस्यौकहायजौल्याया ॥ मौडबाँधकेसज्याकुंदनपुराकिसी
भलीकरआया ॥ २ ॥ हातघस्याहतलेवौकीन्हौंकितगयो
सिरकोताजे ॥ धिगधिगसारौजगतकरतहैयेहीकँवरथाँनै
छाजे ॥ ३ ॥ हौंस्याठाटबाटघरआया येहीहायजौजानौं
भलीमईघरआयाजीवतायेहिलाडोकरमानौं ॥ ४ ॥ पेसारौ
जुगतिसूँकोज्यौंघरेजीवताआया ॥ सौन्यापतिदंतासाराजा
डुनकौंकितछोड्याया ॥५॥ भलीकरीजाहूराजानैंसुखहरलीनी
थारी ॥ लटपटपागसेहरौबाँधियौलैगयोग्वालउतारी ॥ ६ ॥
भूलरकह्योबुरीमतमानोबेगमजातहमारी ॥ भींवसुतापरणी
जपधारचा बोलैमहलाँप्यारी ॥ ७ ॥ म्हाँसूंलोगओलभा
देवैं हसहैं लोगलुगाई ॥ पदमभणैधिगजीवनडाहलाकिसी
कवनडीआई ॥ ८ ॥ दंडक ॥ दंताधराकितछौडासि

सपालभागिआये हँसैंबहुनारियांकीघहाँसी ॥ आपकुस
लपूछेभाभीआपसूं भीमसुतडौलकहोकदीआसी ॥ गया
थाअठीसूंअसंकदलमेलनैं बाजतासघणनींसाँणबाजा ॥
गयाजिणठाँणआयानहींघूमतानवलबनडीकोरथकठैराजा ॥
कौडरावजानाकितरैंखौयासबैपरणउमादअंगसुगंधपीठी ॥
घताबोम्हानैंवाहकमपंवारनीदेषवाच्चाहम्हेनाँहिंदीठी ॥ नम्र
चंदेरीकीहँसैंमृघानैंणियांलौयण्याझूंडामिलगीतगाया ॥ ढो
लियांघायलांउत्तरैडायजौइस्यौबीवाहकरघरेआया ॥ १ ॥
छंदरेखता ॥ सुनौसिसपालहौदेवर ॥ कहाँतैंनंखोदिया
जेवर ॥ सुनौंसिसपालकीभाबी ॥ मुखायूंबोलतीभाबी ॥
॥ १ ॥ चंदेरीआयक्याकीयौ ॥ जहरविषखायकिनलीयौ ॥ सुनौंतुमरावसिसपाला ॥ लगायावंसकूंकाला ॥ २ ॥

मैंनेंतोयबहुतसमझायौ ॥ समरतैंभागकरआयौ ॥ कबेतुम
कियौपेसारौ ॥ नगरमैंचावथौथारौ ॥ ३ ॥ कहाँतेरीगहनकी
बोली ॥ कहाँतेरेअंगकीचोली ॥ कहाँतेरेपाँवकीजोडी ॥ क
हाँतेरीचढणकीघोडी ॥ ४ ॥ कहाँसिरपावरंगभीनौ ॥ काहु
नेंदानकरदीनौ ॥ कहाँतेराऊंटअरुघोडा ॥ कहाँतेरपालखी
जोडा ॥ ५ ॥ कहाँतेराजानकासाथी कहाँद्रुगपालसेहा
थी ॥ किस्यायेकद्दायजोदानीं ॥ किसीथकहूंईपहरानीं ॥ ६ ॥
लक्ष्मीभीवघरजाइ ॥ किसेहगाँमलेव्याही ॥ कहोक्याकि
याइतआई ॥ मरचानाहिंजहरविशखाई ॥ ७ ॥ सीखमाँनी
नहींमेरी ॥ लगायौदागचंदेरी ॥ कहाँगइफौजसबतेरी ॥
केहलधरमारसबगेरी ॥ ८ ॥ कहाँतेरासाजअरुबाजा ॥ क
हाँनिन्नाणवैराजा ॥ कहाँतेरारथ्थअरुगाडी ॥ कहाँबारुकम

णीलाडी ॥ ९ ॥महलमैंबोहोतसमझायौ ॥ मुरवतैंजावनाहिं
आयौ ॥ धरणिमैंचौगिसिसपालौ ॥ मूढातोहोयगयोकालौ ॥
॥ १० ॥ तुच्छतैंवालियोजाण्यौ ॥ करतानहीआपपीछा
ण्यौ ॥ हुईक्याहोयगीऔरे ॥ मतीनाभूलियौभौरे ॥ ११ ॥
राज्यसीजग्यजावौगे ॥ वहाँसेनाँहिंआवोगे ॥ चक्रयेकबनें
गौथारी॥ नमाँनैंबाततुम्हारी ॥१२॥ मानीनहिंबाततूंमेरी ॥
तबैंभइयहदसातेरी ॥ पदमकरजौरिकेगावै ॥ कियौसौआप
नौंपावै ॥ १३ ॥ दोहा ॥ लछकाणौबोलेनहीं, नीचाकरलि
यानैण ॥ धरतीतिणखासूंखिणै, मुखाँनजंपेबैण ॥ १ ॥ राग
ठुमरी आसावरी ॥ बनाँजीबनरीजोवनआई ॥ किसैमहल
बैठाई ॥ टेक ॥आसामुखीउदासीसबहीग्रेतौ छैघरकानाई ॥
थेतोपरणपधारचालाडीमाँगेरैंसबधाई ॥ १ ॥ जरासिंधके

पडीदडादड हलधरजंगमचाई ॥ रुकमइयाकीमूंछमुडाई अकलकहाँगमाई ॥ २ ॥ कहाँतिहारेरंगकेढोलेकहाँरुकमणि बैठाई ॥ सवाकोडकौरतनमूँदडौ देऊँमुखादिखलाई ॥ ३ ॥ बाभीदेतउलौहणोजीठट्ठाकरतधमकाई ॥ पदमइयौस्वामी भणैतैंसगरीजाँनखपाई ॥ ४ ॥ ॥ रागसोरठ ॥ ॥ तंगीतं गीवचनसुनावौबोलौबौलणाँ ॥ टेक ॥ वचनथांराघटमाँईनें भूलाँनैंभाभीजीराझोलणां ॥ १ ॥ लाजगईकुंदनपुरआगे बाततांणैंकुणतोलणाँ ॥ २ ॥ पिचाणवैंक्षौहणदलखपियौ जायपडचाजौधाघणाँ ॥ ३ ॥ पदमभणैंभाभीसैंदेवर वचन नहींछातीछौलणाँ ॥ ४ ॥ रागबरवो तालठूमरी ॥ मैंदीतूँल गायाहीरयो ॥ होशिसपालादेवरियो ॥ टेर ॥ हाथाँकेमहदी पायांकेमहदीजी ॥ कजलोसारचांईरयो ॥ १ ॥ टेर ॥ बांद

सेहरोगयौकुंदनापुरजी ॥ कांकणवाद्यांईरयो ॥ २ ॥ टेर ॥
जेवरपहरचढ्योघोडीपरजी ॥ बागोपहरयांईरयो ॥ ३ ॥ टेर ॥
डुपटो ओढ बण्योतुंबनरोजी ॥ कीलंगीटांग्यांईरयो ॥ ४ ॥
॥ टेर ॥ त्रिभुवनपतीकोकरीवराबरजी अंगसुंवाऱ्यांईरयो ॥
॥ ५ ॥ टेर ॥ मेरोकहणोषारो लाग्योजी ॥ ईबरुक्मणविना
क्यूंरयो ॥ ६ ॥ टेर ॥ पदमभणेंप्रणमैंपायेलागाँजी ॥ लाज
गमायांईरयो ॥ ७ ॥ होशिसपाला० ॥ रागसोरठ ॥ जलि
यानैंकाँईजलावोहोभावजजालिया० ॥ टेक ॥ तैंवरज्यौंम्हैं
माँनीनांहीं हौनींकौंनामिटावै ॥ १ ॥ क्षोहणपिचाणूँसबदल
खपियौमेराईमनपिस्तावै ॥ २ ॥ पदमभणैंभाभीकेचरणाँ
सिसपालौसीसनवावै ॥ ३ ॥ रागकाफीआसावरी ॥ तैंतो
मोरीमाँनीनहींसिसपाला ॥ जोथाकहाँगयेरखवाला ॥ टेक॥

त्रिभुवनपतिकीकरीबराबरचाल्यौचालकुचाला ॥ तैंतोमो
री० ॥ १ ॥ कहाँगयेतेरेसाँहणबाँहणकहाँगयेऊँठरसाला ॥
कहाँगयेसिरपेचकिलंगी कहाँगइमोतियनमाला ॥ तैंतोमो०
॥२॥ कहाँ गयेबसनपागसहिजामौ कहाँगयेसालदुसाला ॥
पदमभणैंभाभीयूंबोलेतीनलोक प्रतिपाला ॥ तैंतोमो० ॥३॥
अथकुंदनपुरकीकथा ॥ रुकमणीमाता अंदेसौकरै ॥ छंद ॥
कोटभाँणप्रकाससुंदर ग्वालकेसंगकावणैं ॥ देवजिनकालेख
लिखिया येहवचनराणीभणैं ॥ १ ॥ अंबकाम्हेघरपुजाती
जाणदेतीम्हेंनहीं ॥ येहीअंदेसौरह्योमनमैंचलतरुकमणनाक
हीं ॥ २ ॥ प्रीतकीयेकबातसजनी रुकमणीहमसेंकही ॥ द्वा
रिकासेंकृष्णआये वाकेसंगरुकमणीगई ॥ ३ ॥ माँडवौम्हारो
रह्योकँवारौअबकहोकैसीबनैं ॥ दासपदमविचारकेमनरुदन

कररांणींभनैं ॥४॥ रागमारू ॥ रांणींभणैंसुनौंराजाजीअब कछुकरोविचारौ ॥ कृष्णदेवरुक्मणिनैंलेगयो माहौरह्योकँवारौ ॥ १ ॥ राजाभणैंसुणोरांणीजी म्हारोकांईसारो ॥ कृष्णचंद्रथारेदायनआयौडाहललागौप्यारो ॥ २ ॥ रांणींभणैंसुणौमहाराजा हौंणहारकुंणमेटे ॥ म्हेतौहाँपडद्रारामाणस करमांकियाथाँरेबेटे ॥ ३ ॥ थाँरेकह्येसुणौरांणीजीम्हेतोहरिगुणगायौ ॥ केसवकृष्णद्वारिकावासीभगतजाँणहरिआयौ ॥ ॥ ४ ॥ आगेभीऊंचचढ्याभगतांकीपणप्रहलादकोराख्यौ ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूंवेदपुरांणाँभाख्यौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ अबहीकौकौकँवरनै, मनकौकपटनिवार ॥ दीनानाथदयाल हैं, बिगडीलेतसुधार ॥ १ ॥ कँवरसताबीकौकियौ, भींवराव औरांणी ॥ जायपहूंतौहरिहलधरकूं, निम्रतकरमृदुबाणी ॥२॥

म्हारीकहज्यौवंदनाँ, हरिहलधरसमजाय ॥ दासभींवकीवी नतीं, दरसणदेताजाय ॥ ३ ॥ भगताँकारजवपुधरचौ, भलौ सुधारचौकाज ॥ अबहरिपरणपधारज्यौ, रखियौम्हारीलाज ॥ ४ ॥ लघूकँवरलघुताकरी, बेगपहूँतौजाय ॥ हातजोड हरिसाम्हनै, ऊभाअरजसुनाय ॥ ५ ॥ छोटाकँवरकीबीनती, सुणज्यौजादूराय ॥ व्यावरचावाँकँवरिकौ, परणघराँलेजाय ॥ ६ ॥रागमारू ॥ कामनिंकहैकँवारीजायाँ होयम्हाँरीहल काई ॥ भींवसेनकीपतराखीज्यौम्हेरुकमणिकाभाई ॥ १ ॥ बाइरुकमणिंको॰व्यावरचावाँ तोरणथाँबगडास्याँ ॥ साहण वाहणहस्तीघोडा भलीभाँतमूकलास्याँ ॥ २ ॥ कुँवरकही सोविनतीमानींत्यारीसबैकराई ॥ कौठारचाँनैआग्यादीन्हीं मनसावस्तुभराई ॥ ३ ॥ छपनभाँतकासीधाआया औरघ

णींइधकाई ॥ भाँतभाँतकीलईमिठाईडेरांद्यौपहुँचाई ॥ ४ ॥
कुँदनपुरश्रीकृष्णपधारयाभींवकेरैमनुहारी ॥ खानपानपक
वानमिठाईसबविधकरीतयारी ॥ ५ ॥ सीधाक्रोडजच्यारम
णींजै गुंझाफीणीलाडू ॥ बहुप्रकारकीकरीतयारी करैंकलेवो
जादू ॥ ६ ॥ अगवाणींसारीविधदीन्ही कंचनथालीझारी ॥
पदम भणैंप्रणमैंपायेलागूंमंगलकरीतयारी ॥७॥ रागमारू ॥
बिसकरमानैं तुरतबुलावौ बोल्यात्रिभुवनराई ॥ जैसाकुंद
नपुरभींवरायका यासैंअधिकरचाई ॥ १ ॥ सिरीकृष्णकी
आग्यालेकरकंचनपुरीबनाई ॥ सुंदरसुंदरमहलबनाया नी
काचित्रमँडाई ॥ २ ॥ रवितलदूजाऔरनकोई श्रीपति
कीसरबराई ॥ ऊंचीऊंचीबनीअटारीखंभारतनजडाई ॥
॥ ३ ॥ हीरापन्नालाललगायामोतियनचौकपुराया ॥ राजा

भींवकोसवहीपरकरमाधौपुरमैंआया ॥ ४ ॥ रुकमणिकी
मातासँगसखियाँ हिलमिलमंगलगाया ॥ चौरासीदरवाजा
दीरघ मणिमाणकजडवाया ॥ ५ ॥ सातजोजनअरुकुंदना
पुरकीयेसीसोभालाई ॥ कंचनपौलबनीअतिनीकीरतनाँ
कीचितराई ॥ ६ ॥ सरसवाटिकामइचंदनकी गंधरहीम
हकाई ॥ घरघरतोरणध्वजापताकाबांदरमालबंधाई ॥ ७ ॥
बैठकमध्यबनीअतिसुंदरआनंदउरनसमाई ॥ अठारेभारब
नासपतीले चहूंओरलगवाई ॥ ८ ॥ सुंदरकूपतलावबावडी
पंछीबेनसुहाई ॥ माधौपुरकीअदभुतसोभाजनपदमइयेगाई
॥९॥ दोहा ॥ कंकनबाँधौसुंदरी, भींषमराजकंवार ॥ मांगनि
हारेनित्तही, दरसणहोयमुरार ॥ १ ॥ भींवनृपतघरमाँढवो,
जादूपतकीजाँन॥दुलहनिराणीरुकमणी, दुलहौस्यामसुजाँन

॥ २॥ दुलहोउतरचौबागमैं, सवहीसाजवनाय॥कुंदनपुरकी काँमणीं, हरजीनैंदेखणजाय ॥३॥पगाँजुबाजैपैंजुनीं, निरखत चालेछाँह ॥ झुणझुणबाजैबीछिया बाजैअणवटमाँह ॥ ४ ॥ मूँगफलीसीआँगलीं, बेलणवेलीबाँह ॥ दरसणपायेस्यामके, पापप्रलैहोयजाँह ॥ ५ ॥ अतिउमग्योउरनिरखिकै, नैनमि लेजदुराय ॥ पदमइयोस्वामीभणैं,मंदमंदमुसकाय ॥ ६ ॥ रागबरवाकीठुमरी ॥ चलोसखिदेखनजाइये स्यामसायजा देवनां ॥ टेक ॥ मालिनलाईसेहरोदुलहाकेसीसपैरानां ॥१॥ बागोसोहैकेसरयाँ सायजादेवनां ॥ २ ॥ बाकेमाथेपँचरँगपा गरी सेहरौअतिसोहनां ॥३॥ याजोरीकेऊपरेथारोदासपदम बलिजानां ॥४॥दोहा ॥ महलांमहलांरंगहुया,सजसोलासि णगार ॥ डेरेचालेकृष्णके,बडेघराँकीनार ॥१॥ रागमारू ॥

कंचनथारलियोमिलिसखियांभोजनसरसघलावो ॥बूराभात मिश्रीकोसीरो हरिनेजायजिमावो ॥ १ ॥ सोलासहस्त्रसह लीचालीबिडदथालकीत्यारी ॥ लालरेशमीलहँगासोहैंचाल चलैमतवारी ॥ २ ॥ चोवाचंदनऔरअरगजाभरिगंगाजल झारी ॥ कृष्णबनाकेडेरचालो शैनभगतकीनारी ॥३॥ जाय जानकेडेरेठाडी भोजनदियोजिमाई ॥ पदमभणैंप्रणमैंपाये लागूँहरिनिरखणनैंआई ॥४॥ गीतयुवतियाँको ॥टेर॥ गोपा ललालम्हेतोथाराडेरानिरखणआईजीवसुदेवजीरालाल ॥म्हे तोथाराडेरानिरखणआईजीगोपाल ॥टेर॥ गोपाललालम्हेतो थारीजन्मजन्मरीदासीजी वसुदेवजीरालाल ॥ म्हेतोथारेज न्मजन्मरीदासीजीगोपाल ॥ १ ॥ गोपाललालवृजपरइन्द्र कोपचढो अतिभारीजी वसुदेवजीरालाल ॥ राखलईवृजक

रपरगिरवरधारीजी ॥ २ ॥ गोपाललालघरपंडुवाके आमलडो
सोलायोजी वसुदेवजीरालाल ॥ कृपाभईजदमूंधो बीजउगा
योजीगोपाल ॥ ३ ॥ गोपाललालपदमभगतथारा हितकरके
जसगावेजी वसुदेवजीरालाल ॥ म्हेतोथाराडेरानिरखण
आईजी गोपाल ॥ ४ ॥ रागदेस ॥ कुंदनपुरकीनारमोही
थेकुंदनपुरकीनार ॥ टेक ॥ टूनाँसाकछुकीयाम्हाँपर नैनन
सुरमाँसार ॥ १ ॥ हिलमिलकेबोहो सखियाँ आई दरसण
कियानिहार ॥ २ ॥ रूपबिलोकतभईबावरी कुंदनपुरकी
नार ॥ ३ ॥ पदमभणैप्रणमैंपायेलागूं बसरह्योहियेमँझार
॥ ४ ॥ दोहा ॥ राजासुतभेलाहुआ, कोवयामंत्रीसार ॥
साम्हेलासाकतिकरो, बिलमनल्यावोबार ॥ १ ॥ इंद्राय
णबाजाभीवके, राजलोकरूणकार ॥ सातजोजनअरुकुंदन

पुर, घरघरमंगलाचार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ धूपदीपआरती
उतारे सखियनमंगलगावै ॥ रागछतीस अलापेगंध्रवजाझाँ
पारनपावै ॥ १ ॥ नौछावरनाँनाँविधकरियेसुभवायकबाहो
वानें ॥ चौरासीदरवाजादीरघ सकलबंध्याकेसानें ॥ २ ॥
हाटवाटचौहटासिंगारे औछाडेरवजाराँ ॥ कनकमहलराजा
भीषमके जडियानंगजुहाराँ ॥ ३ ॥चोवाचंदनऔरअरगजा
मृगमदकेसरघोरी ॥ रुकमकंवरखेलणनैंलागो छपनकोटसूं
होरी ॥४॥ बाजैनौपतघुरैंदमाँमाँभींवकराअसवारी ॥ तीसं
लाखमखनाँकेऊपर मेलहीअंबावारी ॥ ५ ॥छडीदारदरवाँन
खिजमती सहनाईरणतूरा ॥ पृथ्वीरंजागिगनकेलागी दीखण
रहगयासूरा ॥ ६ ॥ भींवरायमिलबानैंचाल्योपाँचूंपुत्रबु
लाया ॥ छोडपालखीहुंयापयादा जबजादवबतलाया ॥ ७ ॥

भींवरायनेआंवणदीज्यौ केसौथूँबतलाया ॥ छप्पनकोटभीं
वराजाकै जादूवसनमखआया ॥ ८ ॥ तेजीलाखतुरीअहरा
खीकिरडाकाछीलीनाँ ॥ रुकमइयेराजाभीषमकै जायसाम्हे
लेदीनाँ ॥९॥ गौडकरेघूमंतागाजेअरुमहमंताहाती ॥ सात
हजारहाथीभीषमजीदीहतण्यांमदमाती ॥ १० ॥ भींवराय
तबपायेलागौदेवपुष्पबरषाया ॥ उग्रसैंनवसुदेवरायनैंगादी
लेवैठाया ॥ ११ ॥ जादूतखतभयादेख्याँतैं भींवरायकासा
जा ॥ नैंमनाथहलधरबतलायाबडौधजाबंधराजा ॥ १२ ॥
छपनकोटजादूजुडबैठा साम्हेलेसबराजा ॥ पदमभणैंप्रणमैंपा
येलागूँ बाजैंनौपतबाजा ॥१३॥ दोहा॥साम्हेलाकीसाखती,
तौरणकीताकीद ॥ सावाकरसाँगोधलू, घोडीचढावोबींद ॥
॥ १ ॥चंचलच्चपलचमक्कणीं, चालतअटपटचाल ॥ मनमोह

नमनमोहियौ,उचकच्चढेनंदलाल ॥ २ ॥ रागठूमरीकाफी ॥
बनौंघोडीखूबनचावैहे ॥ बोलोधूँमम्मचावैहे ॥ टेक ॥ पगपैं
जुनठुमठुमकरैंहो रुमझुमघूँघरमाल ॥ चाबकसूंचिमकेघ
णीं ओतोअलबालियौनंदलाल ॥ बनौं० ॥ १ ॥ मसतकति
लकसुहावनोंहेचंचलनैंनचकोर ॥ तैंमनमोहनबसकियौआ
लीचितवनमैंचितचोर ॥ बनौं० ॥ २ ॥ आंटपलेटकुंडियेहो
नागरनखरेचाल ॥ ठेकाभरेउँतावलीयातोकूदतनौंनौंताल ॥
॥ बनौं० ॥ ३ ॥ धिनकुंदनपुरधिनघडीजीधिनघोडीतुजभा
ग ॥ पदमस्यामशिवकरणमनोहर नृत्यनिरखअनुराग ॥
॥ बनौं० ॥ ४ ॥ दोहा ॥ सहलेसबमेलाहुवा,घरमानिसाणव
जाय ॥ जाँनसिंगारीरावनैं,बागाजरीबणाय ॥ १ ॥ राग
मारू ॥बागाजरीसावटूचीरा शस्त्रवस्त्रआतिल्याया ॥ साम्हे

लेराजाभीषमजीधरमनिसाणवजाया ॥ १ ॥ दोनूँदलजबभे
लाहूवा गाजहुईअतिभारी ॥ हलधरखुरीरलावज्यौंजीभींवत
णींअसवारी ॥ २ ॥ छपनकोटजादूचढचाल्या जानींबासेआ
या ॥ ब्रह्माँआयरलियौसहेलौसाजनकरबैठाया ॥ ३ ॥ आ
छौदूधधेनुधौलीकौ हरिकाचरण धुवाया ॥ कनकथालरवँग
वालीझारी बडेबडेरेबधाया ॥ ४ ॥ उडतगुलालअंबरनहिंदी
खे बांहभरीभरजौरी ॥ कहैपदमहीरतोरणआया भींवरायकी
पौरी ॥ ५ ॥ रागसोरठ ॥ तोरणआवियाब्रजराज ॥ टेक ॥
चढदलदेवविमाणाँमाँहींपुष्पांबिरखालाय ॥ १ ॥ कुंदनापुर
कीकामनिहरिकौसुंदरवदनलुभाय ॥ २ ॥ प्रहलादकीतंग्या
राखीनरसिंघरूपबनाय ॥ ३ ॥ बलराजाकेद्वारपधारे बावन
रूपधराय ॥ ४ ॥ घुरैंनिसाँणत्रमागलगाजै रँगभीनींछवि

छाय ॥ ५॥ तोरणचढसिरिकृष्णपधारे दासपदमजसगाय
॥ ६ ॥ रागमाड ॥ सखियारेतोरणआयाहैं नंदकिसोर॥टेक॥
तौरणरतनजडाविया मींवसेनजीरीपौर ॥ चिरियातोसोहैं
सोवनीं सौहै सुवरणमौर ॥ तौरण० ॥ १ ॥ हरीडारिहाजर
कारि पुष्पां कलौरेरुहमोर ॥ हरकलिवीहरहातमैंउरआनंद
जोर ॥ तौरण० ॥ २ ॥ पुरनारीचहुँओरतैं आईमिलकरदौ
र ॥ निरखतमाँनूँ चित्रसी जैसेचंदचकोर ॥ तौ० ॥ ३ ॥
जरकसबागौपागपैं सौवैमोतियनमौर ॥ पदमभणैंपुरकाम
णीलीनैंचित्तचिकौर ॥ तौ०॥४॥ रागपरवाकाफी ॥ सखीरं
गीलाबनानैंआघौआबादीज्योंहे ॥ टेक ॥ पुरनारीचढमहल
अटारी निरखतनैंनसराबादीज्योंहे ॥ १ ॥ माधोरीमूरतबसी
उरमेरेंटुकियेकयाकौंबिलमाबादीज्योंहे ॥ २ ॥ पदमभणैंप्रण

मैंपायेलागूं आवागवनमिटाबादीज्यौहे ॥ ३ ॥रागसोरठ॥ समदणआगीआवो काजलसार त्रिभुवनऊमाथारेहार ॥ ॥ टेक ॥ दाँताँमिसीसोहनीं मोतियनद्विपैलिलार ॥ चूंपांसौ हैंबमुक्कणीं नथसोहैभलकार ॥ १ ॥ चुडलौहस्तीदांतकौपह र्‍यौबाँहपसार ॥ कंकनरतनजडावका उरपरहारहजार ॥२॥ छपनकोटजादवजुडया आयाकृष्णमुरार ॥ नैणांरसलूटैपद्म कुंदनपुरकीनार ॥ ३ ॥ रागकालिंगडो ॥ कांमणकरवा आई लाडाजोवाँबाटतुमारीराज ॥ थेसाकांमणम्हाराजादू वरनैसोहै ॥ टेक ॥ जिणकामणहिरणाकुसमारयो नखसूंऊ द्रविडारयोराज ॥ जलसूंराखअगनसूंराख्यो जनप्रह्लाद उबारयोराज ॥ १ ॥ जिणकामणतैलंकातोरी सागरासिला तिराईराज ॥ कुम्भकरणमहरावणमारयोफेरीरामदुहाई

राज ॥२॥ जिणकाँमणसूँसमँदबिलोयौबालकनेताकीन्हारा
ज ॥ चवदेरतनकाढकरल्याया बाँटसबनकौदीन्हाराज ॥३॥
जिणकामणसूँछलबललीन्हौतीनपैंडभरलीन्हाराज ॥ चंदा
सूरफिरेजितनींपैं दोयपैंडकरदीन्हाँराज ॥ ४ ॥ जिणकाम
णसैंकंसपछारचो जीत्यौमल्लअखाडौराज ॥ कुबलियापी
डकुंजरकूमारचौजमलाअरजुनपाड्यौराज ॥ ५ ॥ सातना
ळकौतागौल्याईसातसहेलीआईराज ॥ सिरीकृष्णकूंनापण
लागी नापतदेहबधाईराज ॥ ६ ॥ येकसहेलीयेसैंबोलीसुण
म्हारीरुकमणबाईराज ॥ येसाँकामणकराँकृष्णपैहाजररहे
सदाईराज ॥ ७॥ दूजीसहेलीयेसैंबोलीसुणम्हारीरुकमण
बाईराज ॥ येसाकामणकरूंकृष्णपैंदिनादिनमुलकतजाई
राज ॥ ८ ॥ तीजीसहेलीयूंउठबोलीसुणम्हारीरुकमणबाई

राज ॥ मातापिताकबहूंनहिंचावैचावैम्हारीबाईराज ॥ ९ ॥
चोथीसहेलीकुंदनपुरकी नीचीनीचीआईराज ॥ कृष्णखडा
चहुँदिसनैजोहैं बंदतौडलेजाईराज ॥ १० ॥ बंधबंधमैंकाँम
णबाँधैंतोबाबलकीजाईराज ॥ इतनींबातकृष्णजीसुणकर
चुटकीदेरउडाईराज ॥ ११ ॥ ऊपरऊपरलेचकफेरातुंइतुंइ
करतीआईराज ॥ थारेकामणकुंणकरेंथारीतीनूंलोकदवाई
राज ॥ १२ ॥ चरखीमोरहवाईछूटेत्रिभवनतौरणआया
राज ॥ सबसखियनमिलमंगलगाया कुंभकलसबँधवाया
राज ॥ १३ ॥ ब्रह्माजीनैंवेगबुलाया मोतियनचौकपुरा
याराज ॥ ब्रह्माइंद्रआदिलेमुनिजनऊभौचँवरढुरायाराज ॥
॥ १४ ॥ गणपतिसरिखेचढबरातीजैसैंमाँणाढिपावैराज ॥
सुरतेतीसूंहरखहुवाजबपुष्पब्रषावरषावैराज ॥ १५ ॥ सब

जादूवनरथेबरातीदुलहौकँवरकन्हाईराज ॥ कंचनथालध
रयौकरऊपरतोरणसीकपुगाईराज ॥ १६ ॥ राणीसाजआर
त्यौआईदिवलेजोतसवाईराज ॥ पांचपदारथादेयेआरत्येप
दमभगतवालिजाईराज ॥ १७ ॥ रागकालिंगडाकीठूमरी ॥
जादूवरनैकामणकरस्यां ॥ करस्याहेम्हेतोनाहिंडरस्यां ॥
अंतरालिखापेचरंगपगरीमेंसाहियोहेमेधरस्यां ॥ टेर ॥ कामनि
याशिरपेचाकिलंगीझुकतेतुर्रेसोहैं ॥ कामानियांनासाकोमो
तीभालतिलकमनमोहैं ॥ अंजनजुतखंजननैननमेंमुखबीरी
मधुरीबैननमैं ॥ काननकुंडलसोभाभारीछूटरहीलरघूंघरवा
रीं ॥ कामनि० ॥१॥ कामानियाहीरेकीकंठीओरमोतीनकी
माला। कामनियांगरुडासनसोहैऔरबनैसुखपाला ॥ धनुष
बानकरकमरकटारेलखिमाहिदीलालनछबिवारे ॥ तनुझीणे

केशरीयेवागेफेंटदुपटेघुलघुललागे ॥ कामनि० ॥ २ ॥
कामणियांअतलसकीसुथनरेसमनाडेछाजैं ॥ कामणियांज
रजोधाजोडीपावनपरछाविछाजैं ॥ अबजदुनंदनतोरणआये
करांसहेल्यौमनकाच्चाये ॥ अतिसुंदरभायाँकीजोडी बाँधूस
वालाखकी घोडी ॥ कामनि० ॥ ३ ॥ कामणियाँसुरनाल
पालखीऔरघोडासबहाथी ॥ कामनियाँरथबाहनसोहैऔर
बनडैकेसाथी ॥ सुरनरमुनिजनप्रोहितघरकेकुलकेदेवसभी
जदुवरके ॥ औरसबैई डेरेठाडेसन्नवस्त्रऔरखेडखाँडे॥काम०
॥ ४ ॥ कामनियाँफूलनपरसोहैजैकोईगुंथपरावै॥कामनियाँ
चोवामैंभीनाजैकोईअतरलगावै ॥ नानी मामी भाभी
काकी जंत्रमंत्रमैंसबहीपाकी ॥ औरसुहेल्याँकीगतिन्यारी ॥
स्रोदीखैसोकामणगारी ॥ कामणि० ॥ ५ ॥ नवलबनीकीभू

वाबाईकरडाकामणजाणै ॥ रतनजडितकंचनकेपिंजरैसूवा करवैठाणै ॥ बनडेकीगतिबनडीजाणै महलाँबैठीमंत्रच लावै ॥ पावपडंतोबनडोआवैतोकामनकोपरचोपावै ॥ काम नि० ॥ ६ ॥ रतन पदारथदिया आरतै जादूडैरैआया॥ सखी सहेलीअन्दरआईमनमैं हरषसवाया ॥ कुंदनपुरसबकामण गारो पदमस्यामअबतुमहिडवारो ॥ जोयहकामणसुनैरुगा वै वसैवैकुंठमोरनाहिंआवै ॥ कामनि० ॥ ७ ॥ रागकालिंग डो ॥ काँमणियाँम्हेनहिंजाणाँ ॥ टेक ॥ काँमणगारीबनीकी भवाजिनसैंकरज्यौअरजी ॥ नंदकँवरब्रजराजबनाँपरकामण रीकाँइमरजा॥१॥ सातसुईलेसातसवागणलीलोडोरोल्याई॥ इणडोरामैंवसकरराखाँ रीझेरुकमणबाई ॥ २ ॥ इणडोरैजा दववसकरस्याँइणरोइचरजभारी ॥ इणडोरामैंयहसकलाई

बसकरस्याँगिरिधारी ॥ ३ ॥ सटपटमहँदीमौलीगटपटगुली
सिंदूरमँगाये ॥ चटपटकाँमणकराँबनाँपर झटपटवसहोयजा
ये ॥ ४ ॥ रतनजटितमादलियौल्याई डेरौमाँहिंमरावाँ ॥
मदछकियाब्रजराजबनाँनैं कानपकडकरल्यावा ॥ ५ ॥ भीं
वपुरीअतिआनँदउपज्यौ कविजनकहतनआवै ॥ तानलोक
केनाथबनाँपरपदमभगतबलिजावै ॥ ६ ॥ दोहा ॥ काँकण
बाँधेसुंदरी, भीषमराजकँवार ॥ माँगेनिरंतरजौहिये, हरिप
तिप्राणअधार ॥ १ ॥ कुंदनपुरकोमाँढवौ, जादूपतकीजाँन॥
दुलहनिराणींरुकमणीं,दुलहौस्याँमसुजाँन ॥ २ ॥ छंद॥ रुक
मणिमलौउबटणौमैलछुडाइये॥ हँससीदुरजनलोगतिन्हैंनाहिं
पाइये ॥ १॥सबसखियनकौंसिंगारकपनघटजाइये॥कुम्भक
लसभरवाय भवनमैंल्याइये ॥२॥ बनितात्याईदौडचऊँहत

लीजिये ॥ तेलफुलेलरलायमिलूनाँकीजिये ॥३॥ मलियागि
रकोपाटअँगनमैंबिछाइये ॥ गंगजमुनकानीररुकमणींन्हवा
इये ॥४॥ सझसोलासिणगारखुलीचंपाकली॥उरमालकिसो
भानिरखिनैंनहरकीअली ॥ ५ ॥मंगलगावैंनारहराखिकेरंगर
ली ॥ पदमइयौंछबिरुचिररुकमनींकीअतिभली॥६॥दोहा॥
उछबभयौमाधौपुरी, घरघरमंगलचार ॥ कुंदनपुरकोका
मणीं,सझसोलासिणगार ॥ १ ॥ रागमारू ॥ सबसखियन
मैंनारसयानींनृपभीषमकीनारी ॥ बहुदीपककीसाजआरती
राणींकरीतयारी ॥ १ ॥ नृपभीषमम्हारोकरौंआरत्यौ जिनप
रवप्रीतपिछाणीं ॥ नंदग्वालकौंकरतआरत्यौलाजमरेगीराणी
॥ २ ॥ पडदेरुकमणयेसींविनवैसुणियौंजादूराई ॥ राजाभीष
मकीपतराखौ याछैम्हारीमाई॥३॥तुमतौंऔगुणकौं गुणकी

न्हैंसाखवेदमैंगाई ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामींचरणकमलबलि
जाई ॥४॥ दोहा ॥ डेरॉंआपपधारिया,त्रिभुवनतोरणबॉंन ॥
घूमतडागेबरघणॉं,घुडलासोहैजॉंन ॥ १ ॥ भींवनकीनखि
नाइया, जादववेगपधार ॥ करौसताबीजॉंनमैं, फेरांहोयअँ
वार ॥ २ ॥ रागमारू ॥ ब्रह्माइंद्रदेवसबसोहैं उद्धवचंवरढु
लावै ॥डेरॉंसूंप्रभुहरकरुचाल्याराजद्वारेआवै ॥ १ ॥ चंदन
कीचौकीबिछवाईऊपरस्यांमचढाया ॥भींवकँवरीनैंबाहरल्या
या फेराबाहरदिरायार॥ब्रह्माजीनैंबेगबुलाया मोतियनचौकपु
राया ॥कलसगनेसपुजावैंनीकाविधिसैंव्यावरचाया ॥ ३ ॥
दोहा ॥ छपनकोटजादूजुडे,उग्रसेनवसुदेव ॥ गारीगावैंकॉं
मणीं,कहिकहिन्यारोभेव ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ जाचकजुडे
अपारा ॥ सबगावैंमंगलचारा ॥ टेक ॥ ब्रह्माजीवेदउचारे ॥

करसरवोल्लेघृतझारे ॥ १ ॥ तहाँकलसगणेसपुजावै ॥ जहाँसो वनसूतफिरावै ॥ २ ॥ ब्रह्माजीवेदपढावै ॥ जबादिछणाँकल सघलावै ॥ ३ तहाँसतमात्रिकाध्यावै ॥ हतलेवैहातादिरावै ॥ ४ ॥जबवेदिमंत्रअहुताये ॥ तबसाखियनमंगलगाये ॥५ ॥ रागमारू ॥ पहलौफेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँअरबअपारा॥ दूजौ फेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँकुंजरसँवारा ॥ १ ॥ तीजौफेरौलीन्हौं जादूदीन्हाँरथझणकारा ॥ चौथौफेरौलीन्हौंजादूदीन्हाँरतन अपारा ॥ २ ॥ बावैंअंगजबलेबालागारुक्मणिनाहिंजआवै ॥ बावैंअंगहमजबहीआवैं वचनस्यामकौपावैं॥ ३ ॥ जनमजन मकानाथहमारा म्हैंअरधंग्याथाँरी ॥ सोलासहसमैंजायामि लावो नितउठधूंगीगारी ॥ ४ ॥ तुमजिनजानौऔरबराबर येसीवाततुमछाडौ ॥ सोलासहसकेपायलगावो तोसुंहमग

ताँकीकाढौ ॥ ५ ॥ जोयेबातकहीसोमानी कह्यौतुमारौकी
न्हौं ॥ सोळहसहससिैरपटराणीं राजपाटतोयदीन्हौं ॥ ६ ॥
जबजीवणाँसूँडावाआया अंतरपटकरवाया ॥ बीरसेवरामामे
ळुचकर ब्रह्माजीदिखाया ॥७॥ खूँटी पूजीधूपुजवाया पुन्या
हवाचनकीया॥सतपदीब्रह्माजबबोलेपदमदाँनहारिदीया॥८॥
दोहा ॥ परणायाजादवपती, ब्रह्माँमाँगैभूर ॥ लागतलागदि
रावज्यौ, विप्रादालिददूर ॥१॥ रागसोरठ ॥ ब्रह्मानैभूरदि
रावौ॥सबजानींकौकबुलावौ ॥टेक॥ जहाँअगिणतभूरदिवाई॥
जान्याँकीकरैबडाई ॥ जान्याभरझोरीदीन्हीं ॥ ब्रह्माजीथाल
मैलीन्हीं ॥ १ ॥भूरतोसुरतेतीसादीन्हीं ॥ तातैइधकीकीरत
कीन्हीं ॥ शिवमाँढौभलबरषावे ॥ जाकूंजनपदमइयोगावै ॥
॥ २ ॥ दोहा सिंधू ॥ भींवरायकूंब्रह्माबोल्या, हतळेवौरछु

डावौ ॥ सवालाखधेनूजबदीन्हीं, हतलेवौछुडवायौ ॥ १॥ पर
णपधारेजदूपती,घडलांघुरेनिसांण ॥ जाचकमांगैजौडलादौ,
औलागियांनैंदान ॥ २ ॥ भींवभंडारीकौकिया, चलेजानमैं
आय ॥ जादूपतसौंभींवनैं दईअरजगुदराय ॥ ३ ॥ कँवरहो
यजोजांनमैं, दीज्येसंगखिनाय॥ कँवरकलेवभींवजी, बेगाँबेग
बुलाय ॥४ ॥ हरिहासिकेयेसैंकही, गणपतकूंलेजाय ॥ येहकँ
वरहैजानमैं,याकूंभूखसताय ॥५॥ रागमारू ॥ शुक्रशनिश्चर
लारलीन्या मुलकतमाढेआवै ॥ भींवरायकीपोलपहूंच्याफू
ल्योअंगनमावै ॥ १॥ करिमनुहारघणीगणपतकी देआसनबै
ठाया ॥ जाजमजरीगलीचांऊपरसुवरणथालधराया ॥ २ ॥
कंचनथालभरचोपकवानागणपतजीमणलाग्या ॥ देखसता
बीपुरसणवालालावैंभाग्याभाग्या ॥ ३ ॥ सखियाँकरीमनुहा

रन रिकीगणपतकियोनकारो ॥ म्हानैंतोभोजनहींभावैथारो
नीरनिवारो॥ ४ ॥पाचूंकँवरपरोसणलाग्याभरभरलावैंचंगेरी॥
कहै गणपतजीसुणरुकैमैयाठीकनलागीमेरी ॥ ५ ॥ मेराक
होबचनथेमानोमतनाखेचलखावौ ॥ जोसामानकरयोहैथारै
सोम्हानैंदिखलावौ ॥ ६ ॥ कराकिलकारचढयोभंडारां अनप
रहछिउठाई ॥ तीनथालसारीकाकरगयो औरनबचीमिठाई
॥ ७ ॥ भाजगयोसारीनगरीमैंभूखहिभूखपुकारै ॥ दोदोअं
गलजमीचाटगयोपाथडभोलेकिवाडे ॥ ८ ॥ टगटगमहलच
ढयोसुवरणकैराणीसैंबतलायो ॥ बासीकूसीधरयोढक्योडो
सारोभोजनखायो ॥ ९ ॥ बोलैराणीसूणरेगणपतथेथारै
घरजावो ॥ मातगौरजापितासदाशिवदोन्यानैभखजावो ॥
॥ १० ॥ राणीकहैसुनोराजाजीअबकेहुरमतजासी ॥ एंका

बडापड्याडेरामैंवैकुणानैंखासी ॥ ११ ॥ राजाअरजकरी
प्रभुजीसैंमैंतोदासतिहारो ॥ बालकबालकरलबतलायाइनको
दोषनिवारो ॥१२ ॥ आग्यादीनीविशकरमानै सबभंडारभ
राया॥पदमकहैसबसखीसहेली गणपतिकाजसगाया ॥१३॥
रागखरवा ॥दोहा ॥ साखियाँकासुणकेवचन, मिल्योजानमें
आय ॥तबजादूवरपूछियो, अपनेपासबुलाय ॥ १ ॥राग
मारू ॥ माडेजीमगणपतिजीचाल्या जादूजानमैंआया ॥मु
लकंताजादूपतिपूछा भूखारयाकघाया ॥ १ ॥ हँसकेकहीकृ
ष्णसैंगनपतिनाभूखानाघाया ॥ थारेभातदूसरोहोसभींवभं
डारमिठाया ॥ २ ॥ इतनीबातबालप्रभुआगे शिवकोसरणो
लीनो ॥ इसकेंगलेकेंव्यावणआयानहींकलेवादीनो ॥ ३ ॥
आंगलटूकचलूपाणीकोशिवशंकरजीदीनी ॥ बोठाकुरथाती

नलोकका सभीभूखहरलीनी ॥४ ॥ हलधरकैहैगौरजानन्द
नजीमतलाजनआई ॥ पदमकैहैसबजानीबूझैं हँसरयाजादू
राई ॥५ ॥ सुणगणपतजीमहाराजकदेनहींतूंघायौ ॥टेक ॥
थारोपिताजुसंकरदेवगौरज्याहदजायौ ॥ १ ॥छोडदियौकै
लालद्वारकाकूंधायौ ॥२ ॥ गयौजांनमैंरूसमनायरकुंणल्या
यौ ॥ ३ ॥ सौमणखायामूंग साठमणघीखायौ ॥ ४ ॥ अल
डबलडकासागकखुरचणखुरचायौ ॥५॥नहींछोडयाचूराबूरा
तोहीतूंनाहिंघायौ ॥ ६ ॥ कियौमौकलौमाल सबीतौतैंखायौ
॥ ७ ॥फाटतपेटअपारपारकिनहुंनपायौ ॥ ८ ॥ पदम
भगतबलिजायसरव्यौंयूंजसगायौ ॥ ९ ॥ ॥ दोहा ॥ रुक
मणिकृष्ण बिहायकै, हरख्यौभीषमराय ॥ जानजिमावण
जादवाँ, लीन्हाबेगबुलाय ॥ १ ॥ रागसोरठ ॥ जादूजीमवा

नैआया ॥ राजाभीषमकेमनभाया ॥ टेक ॥ ल्यावोजाजम
जरीबिछावौ ॥ वाकौंआदरदेबैठावौ ॥ चंदनकीचौकीमंगा
वौ ॥ दुलहाकेपासमेल्हावौ ॥ १ ॥ कंचनकाथालमंगावौ ॥
जादवाँकीपाँतमिल्हावौ ॥ भींवजीनैंबेगबुलावौ ॥ वसुदेवजी
केपाँवधुलावौ ॥ २ ॥ अबरुकमकँवरनेल्यावौ ॥ दुलहा
केपासबिठावौ ॥ मेवापकवानमँगावौ ॥ बोहोभाँतजलेबी
ल्यावौ ॥ ३ ॥ ल्यावोघेवरफींणीखाजा ॥ जीमैतीनभवनकौ
राजा ॥ ल्यावोमूंगभातमँगवावौ ॥ पाणींज्यूँघिरतबहावौ ॥
॥ ४ ॥ जादूरुचरुचभोजनकीज्ये॥ योभातदियोसोलीज्ये॥
ल्यावौकैरकरैलीताजी ॥ बनौदालकढीसूंराजी ॥५॥ छत्ती
सूंविंजनल्यावै ॥ येतोसबहीकेमनभावै ॥ थाँरोदासपदमज
सगावै ॥ सखियनजबभातबँधावै ॥ ६ ॥ रागमारू ॥ बांधाँ

कुलवसुदेवदेवकी नंदजसोदामाई ॥ बहनभुवाअरुकाकी
मामीं बाँधाँधायरुदाई ॥ १ ॥ काँनफूँकअरुनालामोड्या
जिणथाँनैढ़िथान्हवाई ॥ छपनकोटजादूसबबाँधाँ बाँधाँहल
धरभाई ॥ २ ॥ पंथपयाणाँवाँहणबांधाँजिणथेबैठाआया ॥
बाँधातालसरोवरकूवा जठेतठ्यन्हाया ॥ ३ ॥ रथसिवकास
बसाकतबाँधाँ बाँधाँघोडाहाती ॥ जानबाँधजनवासोबाँधाँबाँ
धाँसबैबराती ॥४॥ बाँधाँदंतबतीसीकीलाँमंत्रफुराँवाँनीका॥
शस्त्रसिंगारबस्त्रसबबाँधाँरंगरंगीलाटीका ॥ ५ ॥ बाँधाँथाल
प्रीतकरपुरस्यौ भोजनसरसमिठाई ॥ चटनीऔरअथाणाँ
बाँधाँ बाँधामिरचीराई ॥ ६ ॥ बाँधाँपाककपकोरीपूरीअरु
सबपोईराँधी ॥ छप्पनभोगछतीसूंव्यंजन जोपुरसीसब
बाँधी ॥ ७ ॥ जलबाँधाँजलझारीबाँधाँचौकीथालबँधाया ॥

पद्मभक्तशिवकर्णमनोहरसखियनमंगलगाया ॥ ८ ॥
अबनारदजीभातछुडावै ॥ छंदरेखता ॥ श्रीकृष्णकाध्या
नधरौरी ॥ पातलछूटनकहूंसुनौरी ॥ १ ॥ तुमरेभव
नव्याहनकूंआये ॥ राजाभींवबहुमांनवधाये ॥ २ ॥ जो
तुमबाँध्यौयहपकवानैं ॥ मुगतहोयसुनौंदेकानैं ॥ ३ ॥
छूटापेडामीठीफैंणी ॥ बाँधूंसीसगुथीजोवैंणीं ॥ ४ ॥ छूटी
सीरौधायौघीकौ बाँधूंबोरजडाऊटीकौ ॥ ५ ॥ छूटीसाबूनीं
उजरीरूपक ॥ बाँधूंकरणफूलजडाऊझूंबक ॥ ६ ॥ छूटीखी
रपुरीजूकेसर ॥ बाँधूंनाकरहीज्यूंबेसर ॥ ७ ॥ छूटाबडासा
लूणांसज्जाल ॥ बाँधूंचमकैनैनकेकज्जल॥ ८ ॥ छूटीबरफीकं
दरवाँकी ॥ बाँधूंदंतचूँपसोनांकी ॥ ९ ॥ छूटापूबाघ्रतमैं
साजू ॥ बाँधूंजुगलबाँहकेबाजू ॥ १० ॥ छूटीजलेब्याँघ्रतमैं

रली ॥ बाँधूँकाँकणछन्नपछेली ॥ ११ ॥ छूटापापडपुरीक
चौरी ॥ बाँधूँकसपीरकरकेदौरी ॥ १२ ॥ छूटेमूगसवाद
दाल ॥ बाँधूँतिमण्यौंमोतियनमाल ॥ १३ ॥ छूटौरायतौअरु
आचार ॥ बाँधूँदूलरीतिलरीजार ॥ १४ ॥ छूटामोदकसाग
कघेवर ॥ बाँधूँचरणबाजतानेवर ॥ १५ ॥ छूटौरायतौबहुर
सछाकिया ॥ बाँधूँअणवटचिटुडीबिछिया ॥ १६ ॥ इतकेस
बछूटेपकवान ॥ बाँधूँसमदणसुणौसुजान ॥ १७ ॥ छप्पय ॥
बँधेगूँघरूपायबँधेनाडौकसकम्मर ॥ बँधेसीसपरबोरओढणीं
मेघाडंबर ॥ बँधेबाजुबँदबाहबंधेकाँचूकसकाठी ॥ बँधेतिम
णियौंकंठसीसपरबंधेआटी ॥ सबासिंगारसोहैसरसतूटातार
नसंधिये ॥ पातालमहाप्रसादकीभोजनकबहुनबंधिये ॥ १ ॥
पावडावकरबंधपीवगहणाँपहिराया ॥ कमरबंधकररूरडोर

रेसमकीलयाया ॥ कांचूबंदकसीसमौरबंधसैंठालागा ॥ हत
संकलाँसूहातबांधमरमटनांहिंभागा ॥ नाककाँनदोउबींधके
चोटीबांधीतांनके ॥ बंधीबंधाईबंधरहीभोजनछूटजांनके ॥
॥ २ ॥ कहैकान्हपरवांनबंधेसिरसायरपाजा ॥ कहैकाँ
न्हपरवानबँधेसांकलगजराजा ॥ कहैकान्हपरवाँनबंधेहरिहे
ताविचारा ॥ कहैकान्हपरवाँनबँधेवचनांजुगसारा ॥ जांनाजि
माँवणजुगतसूँगावौरंगबधावणाँ ॥ पातलमहाप्रसादकीबोहो
रनबंधीजावणाँ ॥ ३ ॥ आरोगौरघुनाथसियावरस्यामहमा
रा ॥ आरोगौजगनाथजगतकेरक्षणहारा ॥ आरोगौइणभाँत
रुकमणीप्राँणरंगीला ॥ आरोगौमाहाराज छत्रअवतारछबी
ला ॥ जाँनांजिमावणजुगतसूं सगपणहेतबधावणाँ ॥ पातल
महाप्रसादकीरुचरुचभोगलगावणाँ ॥ ४ ॥ छंदरेखता ॥

अतिमनुहाराँजीमीजान ॥ मौछनदईसुपारीपांन १ ॥
जातजीमआसीसाँहुई ॥ समधिनकेबहुकन्याथई ॥ २ ॥
जेतेजानीबरातीआये ॥ येकयेकसबकूद्यौन्याये ॥ ३ ॥ ये
सौमंत्रफुरचौहैमेरौ ॥ पदमभगतचरणाँकौचेरौ ॥ ४ ॥ राग
सोरठकीकाफी ॥ गारीगावैकैसेंलालकौंगारीदीज्ये ॥ याह
रिकौचरणोदकलीजे ॥ टेक ॥ जान्याँजीहरिजान्यां ॥ मथु
रातैंगौकुलआन्याँ ॥ कोईजानैंजाननहारा ॥ नवरंगानेहतु
मारा ॥ १ ॥ हरिनीकारीहरिनीका ॥ जिनतौरचाब्रजकाछी
का ॥ हरिनटवररीहरिनटवर ॥ येतौगुजरियाँआंगननचवर ॥ २ ॥
याकेदोयबापयेकमाई ॥ यानैसबहीसिष्टउपाई ॥ हरिआदूरी
हरिआदू ॥ याकेमनभावैसबजादू ॥ ३ ॥ याकेकुलकौकार
णनाँहीं ॥ मिलणींकेबौरखवाहीं ॥ याकेजातपाँतनहिंन्यारौ ॥

याकेभगतिकरसोहिप्यारी ॥ ४ ॥ कान्हाँकुंताँभुवातिहारी॥
जिनजायोकरणकँवारी ॥ कान्हाँबहनसौदराथारी ॥ सोतो
अरजुनसंगसिधारी ॥ ५ ॥ गारीदेतकृष्णकीसारी ॥ वोतो
भरजोबनमतवारी ॥ गारीदेतकृष्णकीसासू ॥ जाकेपडेप्रेम
काआँसू ॥ ६ ॥ गारीगावैंसातसहेली ॥ वेतोभरजोबनअल
बेली ॥ थारोजसपदमइयोगावै ॥ कुछरंसबधाईपावै ॥ ७ ॥
पाछीगारीनारदगावै ॥ रागबरवौतालठूमरी ॥ सांवरियौमो
योहेरंगीलीनथवारी टेक ॥ घुमघुमालौलहँगौअतलसीज
रकसेरसमींसारी ॥ कुचकठौरपैआंगियाँसोहै उरपरहारहजा
री ॥ १ ॥ मोतियनमालगले बिचसौहैं दुलडीअजबसंवारी॥
रतनजटितभुजबाजूसोहैं काँकणसबविधकारी ॥ २ ॥ भँवर
कबाँणतणींभुवबंकीनैननौखिअणियारी ॥ निरखतलगेबाँन

उरवेधे सुंदरकाँमणगारी ॥ ३॥ स्यामसुंदरकुँहितकरजोवौ
भरलोचनयेकबारी ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायलागूं उबरचौसर
णतिहारी ॥ ४ ॥ पाछीगारीसख्याँगावैं ॥ रागसोरठ ॥ जा
ण्याजाण्याकृष्णजीजाण्याँथाँनैंजाण्याँहौनवरंगलालवनाँ ॥
॥ टेक ॥थाँरीमाईजसोदाजाणीं ॥ थाँनैंऊखलबाँधरताणीं॥
थाँनैंकंसतणाँडरलागा ॥ थेतोरातअंधेरीभागा ॥ १ ॥ थाँ
रीभूवाभरमगमायौ ॥ वातोकरणकँवारीजायौ ॥ थाँरीबहन
सौदराजानीं ॥ वेतोअरजुनरूपलुभानीं ॥ २ ॥ थेतोबिन्या
यकनैंल्याया ॥ म्हाराटाबरसबडरपाया ॥ तूंतोनंदमहरको
धोटौ ॥ तैंतौठिणकरमांग्योरोटौ॥ ३॥थेकाराकृष्णजीकारा॥
थेतोदोयबापनकाप्यारा ॥ थेतोबनमैंछाकमँगाई ॥ थेतोकु
लकीलाजगमाई ॥ ४ ॥ थेतोजीमोकृष्णजीलपसी ॥ थाँरे

साथीमहादेवतपसी ॥ थेतोजीमौक्रुष्णजीखाजा ॥ थाँरेजा
नींउग्रसैनराजा ॥ ५ ॥ थेतोजीमौक्रुष्णजीलाडू॥थाँरेजानीं
पाँचूपाँडू॥ जीमौजीमौक्रुष्णजीसीरौ ॥ थाँरेजानींहलधरवी
रौ ॥ ६ ॥ जीमौजीमौक्रुष्णजीचावल ॥ थाँरेजानींनारदराव
ल॥ थेतोनारदनैंक्यूँल्याया॥म्हाराटाबरियाभरमाया॥७ ॥
गारीगावैंक्रुष्णजीकीसारी ॥ वैतोसदाकँवरमतवारी ॥ गारी
गावैंकुंदनपुरनारी ॥ थाँनैंदीज्यौपानसुपारी ॥ ८ ॥ गारीस
बहीकेमनभावैं ॥ दुलहाकौमनहरखावैं ॥ येसैंपदमभक्तपद
गावैं ॥ कुछरैंसबधाईपावैं ॥ ९ ॥ रागकल्याँणकीठुमरी ॥
मुगटधरमहरकाहौ, कान्हाँदोयबापनकौजाँम ॥ टेक ॥ येक
बापमथुरावसेजी थाँरौदूजोगोकुलगाँम ॥१॥ नंदकोकहूंकव
सुदेवकौजी बाला कांइकांइकहवतलावाँ ॥२॥ हिलमिलफूंदी

देगयोजीकान्हा, बरसाणाँकेमाय ॥ ३ ॥ गोराईवसुदेवजी होकान्हाँ, गोराहीनँदराय ॥ ४ ॥ स्यामवरणकेसूँभयोजी बाला, जाकोठीकनठाय ॥ ५ ॥ देवकीकीकूखमेंजनमियाँजी कान्हाँ, जसोदागोदखिलाय॥ ६ ॥भुवाथारीकुंतिकाहौ,वाता जाय्योकरणकँवारि ॥ ७ ॥ बेनडथारीसोदराहो, अरजुनलेग योरथबेठार ॥ ८ ॥ पदमइयोस्वामीभणेंजी,गावेंकुंदनपुरनार ॥ ९ ॥ पाछीगारीनारदगावै॥ रागआसावरी॥ मोरीव्यायण तूंसमदणमतवारी ॥टेक॥पहलीतोदुलहाकूँमोह्योपीछेजान जुसारी ॥ १ ॥वेदउचारतब्रह्मामोहे,संकरनेजाधारी॥सिंगी रिषसेबनमेंमोहे, मोहेपांचहजारी ॥ २ ॥अरजुनसेरथवारी मोहे, नारदसेब्रह्मचारी॥सबहीदेवद्वारपैंमोहे, रुकमकँवरकी नारी ॥३॥ आयेजितनैंसबहीमोहे,करडीनिजरपसारी॥धिन

थारिकमरबजरकीछाती,काहूसैंनहिंहारी ॥४॥ छैलछबीली
अजबरँगीली, काजररेखसँवारी ॥ पदमइयौस्वामीजुगतब
खाणैं, आँखियाँकामनगारी॥५॥ समदणकीसख्याँउवाच ॥
रागबरवौ तालठूमरी॥काहाबाजतकरतगुमांन मुरलीयारं
गभरी ॥ टेक ॥ टूनांसोकरगोपियनमोही, कितगईबौबं
सरी ॥१॥ मोहेदेवनारनरसारे, येसेकृष्णहरी ॥ २ ॥ ब्रजमं
डलनचवायौउसने, तनकासिक्यालकरी ॥ ३ ॥ पदमभगत
बलिजायबनांपर,श्रीमुखआपधरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रैंनबिता
ईरंगमें, जादवजीम्याभात ॥ हरकतडेरांआविया,पोहोपीरी
परभात॥ १ ॥सख्याँमिलीसबओरकी, निरखणजादवराय॥
कँवरकलेवाकारणै,लेगईस्यांमबुलाय ॥ २ ॥ रागखट ॥ बैठै
स्यामसिंघासनऊपर कँवरकलेवआयेजी ॥ टेक ॥ कंचन

थालबहुभोजनलेकर सखियनमंगलगायेजी ॥ १ ॥ लडूज
लेबीघेवरखाजा भोजनबेगकरायेजी ॥ २ ॥ जबश्रीकृष्णजी
हातनघाले रुकमकँवरबुलवायेजी ॥ ३ ॥ रुकमकँवरजब
आयेबैठायाजीमेत्रिभुवनरायेजी ॥ ४ ॥ पूरणब्रह्मपदमके
स्वामी सखियनगारीगायेजी ॥ ५ ॥ राग कल्याण ठुमरी ॥
सख्यांगारीगावै ॥ चतुरभुजचोराटाजी आयाकुंदनापूर
किणकाम ॥ टेक ॥ चीरचोरतरवरचढयाजीबालाजलमें
नागीबाम ॥ बंसीमैंचितचोरियोजीबाला गोप्यांपूरणकाँम
॥ १ ॥ छींकेमाखणचोरियोहो बालाऊँखलबांध्योपाम ॥
नरकूबरउरझाबियाजी लालातुरतगयासुरधाँम ॥ २ चोर
नखत्तरजनमियाँहोबाला कालाकपटीस्याम ॥ चोरीकररु
कमणहरीजीबाला भलौलजायौनाम ॥ ३ ॥ कुंदणापुरकी

कामणींहौवाला जाणैंभेदतमाम ॥ पदमस्यामशिवकर्ण कैहैजीवालाकियोपवीतरगाम ॥४॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागपरजकौकहरवौ॥मोहनमुलकरह्यो गारीगावैंछबीलीनार नटवरानिरखिरह्योगारीगावैं ॥ टेर ॥ बिंदलीभलकैचूँपाँचिल केझीणौंकाजलसार ॥ मोह० ॥१॥ जोबनझलकैनथडीहलकै बागाँपकीअनार ॥ मोह० ॥२॥ झींणोंझींणों सादसुघरमुख सोहै कोकिलमयनाँसार ॥ मोहन० ॥ ३ ॥ मनशिवकरण पदमछबिनिरखत नारदवचनउचार ॥मोहन० ॥ ४ ॥ राग परज ॥ येजीकुंदनाँपुरकीनार मोहनमोहलियौ ॥ टेक ॥ मीठेमीठेबैंणमुसिकमुखमोरे नैंणचलावतधार ॥ १ ॥जरक सझौलासबतनझलकैं तीखेनैंनकटार ॥ २ ॥ रुमकझमकस जभूषणसोहैं गजमोतियनकोहार ॥ ३ ॥ चपलाचतुरचको

रचारुमुख दिविजीमोहनींडार ॥ ४॥ पद्मस्यामशिवकरण
सरावै महिमाबिदितअपार ॥ मोहनमो० ॥ ५ ॥ पाछीगारी
सख्यांगावैं ॥ रागठुमरी ॥ आयौआयौबिरजकोकान्हमाख
णचोरलियौ० ॥ आयौ० ॥ टेक॥ मोरमुकुटियाहातलकुटिया
गावैअनोखीतान ॥ १ ॥ वृंदावनमेंगऊचरावै मांग्यौमहीकौ
दान ॥२॥ संगगवाल्याकुबडाकाल्या मांगबणाईजान ॥३॥
रुकमणचोरभग्यौयेकछिनमैंपरीजनमकीबांन ॥४॥ पद्मभ
णैंप्रभुस्यांमसलोनाँ पलपलवारूंप्रान ॥ ५ ॥ रागकाफी ॥
खेलैहैंप्रीतमप्यारी जुवामिल ॥ टेक ॥ इतवसुदेवभूपकेनंद
नउतनृपभींवकुँवारी ॥ १ ॥ सुघरसखीमुँदरीकरलेकेरुकम
णिकेढिगडारी ॥ २ ॥ झपटलईजबरुक्मणिमुद्री सख्यांह
सीदेतारी ॥ ३ ॥ वसुदेवनंदनहारिगयेहैं जीतीभींवकँवारी ॥

॥४॥ पदमभक्तनैंणाँरसलूटे कुंदनपुरकीनारी॥५॥रागसोरठ
देस ॥ कँगनाँखोलेजादूराज खुलावैकामणी॥ ब्रह्मादोन्हींगाँ
ठघुलायखुलेनहिंडोरडौं ॥ १ ॥ चाहेकुंताँभुवाबुलाय ॥
चाहेबहनसोदराबुलाय ॥ चाहेनंदजसोदाबुलाय ॥ २ ॥चाहे
गणपतकूंरेबुलाय ॥ वोतोमोदकमिसरीखाय॥वोतोडुडबुडडु
डबुडजाय ॥३॥चाहेबाबावसूदेवबुलाय ॥ चाहेमायदेवकीबु
लाय ॥ चाहेहलधरबंधुबुलाय ॥ ४ ॥ चाहेपाँचूंपांडुबुलाय॥
चाहेव्रजकीसखीबुलाय ॥ थेसैंपदमभगतबलिजाय ॥ ५ ॥
दोहा ॥ जाकरपरगिरिवरधर्यौ, राखल्यौव्रजसाथ ॥ बोव
लभुजकोकहाँगयौ, अबकहाकंपावैहाथ ॥ १ ॥ कछुमाख
णकोबलभयौ, कछुगोपियनकीसाय ॥ कछूसायबलवीरकी,
परबतालियौउठाय ॥ २ ॥ व्रजवासीकौनामसुण ,छातीरोम

भरआय ॥ अनंतकोटब्रह्मंडमैं,त्रिविधातापनसाय ॥ ३ ॥
रागमारू ॥ सोवनकलसफटिकमणिंकँगनामुल्कतमोरवु
लायौ ॥ ब्यावपरमसुखविसरगयाजद नैणानीरभरआयौ॥
॥ १ ॥ काँपैहातडोरनहिंखूलेऊधौजीवतलावै ॥ नखसेधनुष
तिनकज्यूँतोरयो अवक्यूंलोगहँसावै ॥ २ ॥ यहसुणहँसेकृ
ष्णमनमाहींकंकनतुरतखुलावै ॥ पदमभणैंप्रणमैंपायेलागूं
ब्याहभलोरसआवै ॥ ३ ॥ रागधनासरी ॥ आवोनैंचंदसेंण
जीरापूत भींवकरोपहरावणीं ॥ टेक ॥ पहरावणींसजनमिला
वणीं ॥ थाराहोग्याजीमनचीत्याबैनभींवकरोपहरावणीं॥१॥
पहरावणींकृष्णरिझावणीं ॥ राजा० ॥ आवैनैंभींवसेनजीरा
पूत रुकमकरोपहरावणीं ॥ २ ॥ कहपदमभक्तकरजोरकेप्रभु
दासजानके ॥ कीजामेहेर द्योभक्तिअनुपावनी ॥ ३ ॥ राग

मारू ॥ राजाभींवभंडारीकौक्या भींवभँडारखुलाया ॥ इन्च
रजाकियास्यामअवतारी जादूकौकवुलाया ॥ १ ॥ करअस्त
तआदकीपूजा चौकीबेगमँगावौ ॥ गणपतजीनैंपहलबुलावौ
कनकमालपहरावौ ॥ २ ॥ वसुदेवजीनैंसुखपालमँगावौचो
खीचदरओढावौ ॥ आछीचादरजडेजडाऊ नंदकेहातदिवा
वौ ॥ ३ ॥ हलधरनैंहलमूसलदीज्यौ वडीडोरिकाहाथी ॥ नें
मनाथनैंअसगजदीज्यौअहिरावतकेसाथी ॥ ४ ॥ चंचलजा
तकीमेल्हनगरजा तिवरणजलकेहोडा ॥ राजाभींवदियापड
वाँनैंआपचढणकाघोडा ॥ ५ ॥ दसदससहसासिरोपावस
झिया साझसोहणींकीन्हीं ॥ रुकमकँवरराजाभीषमके छपन
कोटनैदीन्हीं ॥ ६ ॥ बहुतकवाहनचेराचेरीसंगसखाउरधा
री ॥ सालूसहितसावटूबागा पाटपटंबरधारी ॥ ७ ॥ कबलग

रचूंपारनहिंपाऊँ दीन्हांबोहोपरकारी ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वा
मी याविधजानसिंगारी ॥ ८ ॥ दोहा ॥ हरिहलधरकूंतेडि
या,भाईत्यागचुकाय ॥ देसदेसकाबंदिजन, दालिद्रदेवौनु
हाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बागाजरीजरीकाफैंटा चीराचीरमँ
गाया ॥ सरसदुसालासरसपागडी जाचकजनपहिराया ॥ १ ॥
हलधरनैंमिलत्यागचुकाया नैंमनाथमनभाया ॥ केसौतणी
बधाईऊपरडेराइंद्रलुटाया ॥ २ ॥ सोभाग्यासोसबहीदीन्हां
दालिद्रदूरभगाया ॥ पदमस्यामसुखदायकनायक याविध
त्यागचुकाया ॥ ३ ॥ दोहा ॥ हरीपधारेहेसखी, गहराघुरै
निसाँण ॥ सैन्यांचढिजादूचले, आवोकराँबखाँण ॥ १ ॥ ये
कबारहेमावडी, मैंलोदेरीआय ॥ नदीबिहूणाँबाहला, कबअ
वसरामिलजाय ॥ २ ॥ रागकालिंगडौ ॥ म्हारायेमिझल्यौरु

णझुण्यौझुरझुरपिंजरहोय ॥ रुकमणचालीबाइसासरेमिल
णौकबहोय ॥ म्हारो० ॥ १ ॥ मायमिलूँबापमिलूँ मि
लमामौमूसाल ॥ भूवाभतीज्याँरैलमिलूँ मासीबालगुपाल॥
म्हारो० ॥ २ ॥ काकानैंकाकयाँमावडी भावजअरुबड
बीर हिलमिलकेसबसूँमिलूँ आँसूभीज्योजीचीर॥म्हारो०
॥ ३ ॥ डौडामिलूँपरवारसूँ मिलताँखुलैहनबाथ ॥ छोटा
माईभावजामिलूँ साथणियाँरैसाथ ॥ म्हारो० ॥ ४ ॥ पदम
मणैशिवकरणथूँ बीरारुकमकँवार ॥ वेगीसीमुकलावज्योकी
ज्यौमतीजीअँवार ॥ म्हारोये० ॥ ५ ॥ दोहा ॥ हुलरहुलरडु
सकयाँभरै, बिलखीराजकँवार ॥ नारदकहरथपरचढौ, सुगनां
होतअँवार॥ १ ॥रागकालिंगडौकहरवामें ॥ म्हारोयेमिज
न्यौरुणझुण्योसोवैराजदवार ॥ रुकमणचालीसासरै भलभ

लसुगनमनाय ॥ टेक ॥ हातलियाँहलकोरहैथारियाँभारज
लाख ॥ आल्यौहेम्हारीदुलहडीज्याँनैंनीकीराख ॥ १ ॥ आवौ
सखीसहेलियाँ मिलौभुजाहेपसार ॥ अबकाबिछडयाकब
मिलाँ दूरबसैंगेजाय ॥२॥मनजाणैंमायडमिलाँ गलदेभुजाहे
पसार ॥तनजाणैंहरिरथचढा देपिजणपरपाय ॥३॥मनजाणैं
बाबल मिलूँ बाँहडल्याँगललाय ॥ अबकेबिछडेकबमिलैं दूर
द्वारकाजाय ॥४ ॥ पदमकहैरुकमणभणैंविनतीयेकयेमाय॥
बगलामैंम्हारीदूलिया थेतोसम्हालौनींजाय॥ ५ ॥पदरागमा
ड॥ अमाँम्हारीदूलियाँकोसिणगार ॥टेक॥ झिरमिटियाडाबा
महीमा बाहिरनहींछैलगार ॥ रतनजटितनखसिखतणोमा
राखोजीवअधार ॥अमाँम्हाँ०॥ १ ॥साथणियाँसँगखेलतीमा
बाबलकेदरबार॥आँजुँहूँखेलणआवसूँमाजी कीज्यौ सारसं

भार ॥ अमाँम्हाँ ॥ २ ॥ भावजनैंमतभेदद्योमाकीज्योज
तनअपार ॥ खेलणरीमनमैंरहीमाकहुंछूँहुलारहुलार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥ ३ ॥ दूरातोदेसाँथेदिवीमाजीसमद्दारियाकेपार ॥
पाछीतौकदमुकलावस्यौमाजी कद्दामिलसीपरवार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥४॥ सासनणदाँदिवराणियाँमाजीसौकडाल्याँरोजी
साल ॥ काहाजाणुंकिसविधराखसीमाजी वेगीकीज्यौसार॥
अमाँ० ॥ ५ ॥ ज्यूंकहसीज्यूंइँचालस्याँमाजी दुलखाँनाहिंजी
लगार ॥ बासीखूसीजोमिलैमाम्हारेतोअमृतसार ॥ अमाँ
म्हारी० ॥६॥ पदमभणैंशिवकर्णथूँजीहुलरेराजकँवार॥पाछी
फिराफिरबीनवेमाजी वेगीकीज्यौसार ॥ अमाँम्हारीदुलियाँ
कोसिंणगार ॥ ७ ॥ रागकहरवौ॥बंधबनौमायामोहकौमाय
डघराँसिधाय ॥ तुमबिनाँबाईम्हारीरुकमणीकाँइकराँघरमाँ

य ॥ १ ॥ जिणअंगणाँमैंखेलतीसोअंगणाँनाहींसुहाय ॥ अ
नपाँणीकीरुचामिटीनैंणाँनींदनआय ॥ २ ॥ रुक्मणचालीसा
सरे नवनिधिलीनीलार ॥ खाजाफींणींकौडसेलाडूकौडहजार
॥ ३ ॥ गाडाभरियाखोपराँसौलाकौडसुहाय ॥ मिसरीमेवा
सूखडीदीज्यौनग्रबँटाय ॥४ ॥ मुडमुडदेछेबाइआसलिसाँचि
रंजीवौपरवार ॥ काकाबाबासुबसबसौभाइजीवौकौडहजार
॥ ५ ॥ आडाडूंगरकिणकियाकिणरोपीबणराय ॥ आडा
डूंगरहरिकियाविधरोपीबणराय ॥ ६ ॥ आजरहेगीबाइरुक्म
मणींकाहुबनमैंजाय। प्रातद्वारिकाजायगीपदमइयौंजसगाय।
बंधनबनौमाया० ॥ ७ ॥ दोहा ॥ राजाभींवकीबीनती, सा
म्हालियौभगवान ॥ गुणमाँनौंऔगुणतजौ, रुक्मइयौअनजाँ
न ॥ १ ॥ सैन्यालेजादूचढे,साथचलेसबभूप ॥ दासीदीनद

यालकी,रुक्मणिंरूपअनूप ॥ २ ॥ मांढेम्हारेजसरह्यौ, सुत
सरह्यौमहरवाय ॥ फूल्यौमरवौकेवडौ,औरसुगंधसुहाय॥३॥
पुरजनसबहरखितभये,घरघरमंगलचार ।पाटंबरसबपहरिके,
करतबधावानार ॥४॥ परणचलेप्रभुरुक्मणी,पंथद्वारिकाली
न।पद्मभक्तशिवकर्णकह,दौरबधाईदीन।५।टेर राग धनाश्री।
सखिसबगावैंमंगलचार जादूवंसकीनार ॥उडतगिरदलालभ
योअंबर आयेकृष्णमुरार ॥ ऊंटनपरजुजरबाछूटेढोडेचलतक
हार ॥ १ ॥ येदलौअनदीखणलागे भालाफेरैंअसवार ॥ रथ
झणंकारपरीश्रवणनमैं जाँझणराझणकार ॥२॥ बडेबडेराजा
जादू सोहैं हाथिनलगीकतार ॥ रथ्थनकीकछुगिनतीनाही
घोडाअनतअपार ॥ ३ ॥झालरदारपालखीसोहैझलके मुक्कट
अपार ॥ सुरनरमुनिजनक्रोडदेवता रंगकीपडतफुँहार ॥४॥

हरख्यौलेरबधाईनाईखबरकरोदरबार ॥ पदमकेस्वामीपरण
धारे रुकमणिकेभरतार ॥५॥छंद॥तबनग्र नरसझिआरत्यो
घनघोरनादबजावहीं ॥ सबपौरि तोरणकलसकंचनमोतिन
थालसजावहीं ॥ १ ॥ येकयेककेआगेचलेनरदौरकेसनमुख
गये ॥ हिलमिलहिंजायबरातभेटपरसपरपरसतभये ॥ २॥
कुसलातसबबिरतांतपूछरु सुनतसबराजीभये ॥ करआरती
करपूरबाती संखजलस्वातिकलये ॥ ३ ॥ औछारसकलबजा
रकरतजुहारनौछावरघनीं ॥ छिरकायअंत्रप्रहारपुस्पसुदुंद
भीदेवनहनीं ॥४॥ परदाउघारबिराजैंरथपरकृष्णबरअरुरुक
मनीं ॥ पद्मधनाशिवकर्णनिरखत सकलजननवलीबनीं ॥५॥
दोहा ॥ साम्हेलौश्रीकृष्णकौ, रुकमणिल्यायापर्ण ॥ जादव
हर्खबधाविया,पद्मभक्तशिवकर्ण ॥ १ ॥ रागमारू ॥ पदम

भक्ताशिवकर्णबधावैजादववजाँनपधारी॥ नवलानेहनिरखनरी कूँमंगलगावैंनारी ॥ १ ॥ केतिकनारझरौखनझाँकत केइचढ झाँकअटारी॥केइपरदेचिकओटनिहारें ॥ केतिकझाँकतजारी ॥ २ ॥ नवलबनींकेलेतवारणां पलपलप्राँणजुवारी ॥ पदम भक्ताशिवकर्णनिरखिछबि चरणकँवलबलिहारी ॥ ३ ॥ राग मारू ॥ दैत्यबिडारेदेवउबारे आयेहरिअस्थानां ॥ बहनडरो क्योवारणोंजीघरआईसबजानाँ ॥ ४ ॥ बहनडबोलीकृष्णसूं भाईमोहनबारछुडाई ॥ कान्हकँवरजबदिवीछाबडीरतनादियै बहुताई ॥ ५ छंद ॥ पैसारौसबसाझमोहारतभीतरभवन पधारिया ॥ सुभद्रामिलद्वाररोक्योपौरीकृष्णपलाविया॥१॥ आवोहेमातादेवकीजीरुक्कमणिमुखदिखलाविया ॥ देवकी जीगोदलेकेघीगुडहातघलाविया ॥ २ ॥ राणीरुक्कमणिपाय

लागीसुरनपुष्पवर्षाइया ॥ द्वारापुरीआनंदभयौदासपदमज
सगाविया ॥३॥ रागजंगलौ॥मिलसखियनमंगलगावैं ॥ देव
कीजीलाडलडावैं॥ १ ॥ देवकीजीनेंउराबुलावौ॥ घीगुडमैंहा
तघलावौ॥२॥देवकीजीलाडलडावैं ॥ घीगुडमैंहातघलावैं॥
॥३॥वसुदेवजीआघाआवौ॥रुपियाँरीथेलील्यावौ ॥ ४॥ जद
दुलहनमुखदिखलावै ॥ शिवकर्णपदमजसगावै ॥ ५ ॥ राग
मारू ॥ सातसवागणसातसखीमिलस्वागथालपरुसावै॥नृप
तसुतासातूंजुडबैठी प्रथमग्रासकुंणपावै ॥१ ॥ आँटपडीकोंइ
हातनघालैहरजीबोल्याबाणीं ॥ सातांसिरैसँहससोलापर
भींवसुतापटराणीं ॥ २ ॥ नभस्वरपुस्पदुंदभीबाजी तीनलोक
जयकारा॥मेराभगतभींवरीकँवरीरुकमणिप्राणअधारा॥ ३ ॥
हरिकरहेतबडापणदीन्हौं रुकमणिपाटबिठावै ॥ भनैशिवकर्ण

भगतरीमहिमांजनपदमइयौगावै ॥ ४ ॥रागकाफीकीहोरी॥
बाँटतस्वागबनीं ॥आँगनियाँमैबजतबधाई बाँटत० ॥टेक ॥
छोटेछोटेहातरूनरमकलइयाँ भरधौबारूधनी ॥ सुनसवदौरी
नवलनागरी जुडगइभीरघनी ॥ आंगनि० ॥ १ ॥ मिलमिल
अमरात्रियेसबदौरी निरखतभींवजनी ॥ बरषैंपुष्पहरखत्रिहु
पुरमैं दुंदुभिदेवहनी ॥ आंगनि० ॥ २ ॥ यहछबिहरखप्रा
नपतीनिरखतपरखततिरछीअनी ॥ ब्रह्मांवदाविरदबंदीजनम
हिमाँरटतफनी ॥ आँगनियाँमैं० ॥ ३ ॥लघुकरअतुरअतुराप्रि
यबाँटताविखरतधाँजिंघनी ॥ पदमस्यामाशिवकर्णसम्रेटतहम
रेतोखूबबनीं ॥ आँगनियामैं ० ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ पुरानहीं
द्वारावतीसमनदीगोमतीसारी ॥ कृष्णसमाँनदेवनाहिंदूजा
भृगुलताउरधारी ॥ १ ॥ सोलासहँसयेकसौअबला भौमासु

रगाहिल्यायौ ॥ सगलीयेकमोहौरतपरणीं पारब्रह्मवरपायौ॥
॥ २ ॥ रुकमणिजामवतीसतभामानागजितिभद्राराणीं॥
कालिंदीश्रीलक्ष्मी वृंदायेआठूँपटराणीं ॥ ३ ॥ दसदसपुत्रये
कयेककन्याँयहतरुणीं बरदीनाँ ॥ निराकारनिरलेपनिरंतर
यौरंगमायाभीनाँ ॥ ४ ॥ अपनींअपनींपौलिअभूखनभजन
करतसबनारी ॥ पदमस्यामसुखदायकनायकदरसनकीब
लिहारी ॥५॥ राग ॥ चरणरजबंधूजी म्हैंरहूँचरणलौलाय ॥
चरणरजबंधूजीकेसौकहांबधाय ॥ १ जिनभगतनश्रवणाँ
सुण्यौं जानेंबिघननव्यापैकोय ॥ २ ॥ पदमइयौस्वामींभणैं
भगतिदानद्यौमोय ॥ चरणरज०॥ ३ ॥ रागसोरठ ॥ जोया
मंगलकूँगावै ॥ ज्याँकापापप्रलैहोयजावै ॥ १ ॥ जोयामंगल
कूं सुनिहैं ॥ जाकेकोटजनमकेपूनहैं ॥ २ ॥ दोहा ॥ द्वारा

वांतिआनंदभयौ, सुरनरदेतअसीस ॥ कहपदमइयौवैरययूं, कौसिंघासनजगदीस ॥ १ ॥ रच्यौवैरयपदमालयह,रुकम णिमंगलसार ॥ सुद्धकियौशिवकर्णजन, तुकसबदईसुधार॥ ॥ २ ॥ विजयव्यावश्रीकृष्णकौ, रुकमणिल्यायापर्ण॥रामर- तननिजकरलिख्यौ, शुद्धकियौशिवकर्ण ॥ ३ ॥ कछुपदनये बनायकै, टूटकसंधिमिलाय ॥ कियौसंकलावंदसब, अरथाँ अंकरिलाय ॥ ४ ॥ मूलचंदसुताशिवकरण, दरकमूंडवेवास॥ मुरधरडीडुमहेस्वरी इंद्रपुरीसुखवास ॥ ५ ॥ परातिइग्याराये खटी करसभकाढचौसार ॥ तुकटूटीमेटीअमिल अरथाँलि यौसुधार ॥ ६ ॥

इति रुक्मिणीमंगल भक्तपद्मदासकृत समाप्त ।

अथ बारामासियो रुकमनीको ।

गोबरधनधारी राषोपरतंग्या दासीआपकी ॥ टेर ॥ लग्यो महीनो चैत्र चावसैं गौरीनंदमनाऊं ॥ दुर्गामाई करोसहाई हितचितसेतीध्याऊं ॥ दीज्योबुद्धिवरदानआनमोये तुमसैं अरजलगाऊँ ॥ विद्रभदेशसुहावणो भीषमघरअवतार ॥ पांचपुत्रप्रगटयाराजाके छट्ठीराजकुँवार ॥ लक्ष्मीरूपपधारी ॥ ॥ १ मासवैसाखद्वारपरमारैनारदमुनीपधारा ॥ आदरभावकियौबहुतेरोदेआसनबैठारा ॥ चरणधोयचर्णामृतलीन्योतबरिषिवचनउचारा ॥ रुकमनिकोवरसाँवरो, जदुपति दीनदयाल ॥ दुष्टसंहारणभक्तउबारण,करुणासिंधुगोपाल॥ रचीजिनसृष्टीसारी ॥ २ ॥ ज्येष्ठमासबंधूरुक्मैयोमातासेबतलाधो ॥ कागदलिखकरदियोभाटनैंचंदेरीपहुंचायो ॥

पत्रीवांचचढ्यौशिशपालोकुंदनपुरमैंआयो ॥ संगराजानि
नानवैं, सोभाअनंतअपार ॥ देषीजानगोरवै आई, हरष्यो
रुकमकुँवार ॥ जानभलिभांतिउतारी ॥ ३ ॥ साडमा
समातामेरकूँअपनेपासबुलाई ॥ सजवरातशिशपालोआ
योनिरषोरुकमनिबाई ॥ जरासिंधसेकाकाजिनके दूता
धरसेभाई ॥ चवदाभवनकेबीचमें, ऐसोराजानाथ ॥
काल्योबाल्योगऊचरावै, डोलैबनकेमाय ॥ उसीमेंकेगुण
भारी ॥ ४ ॥ सावणसोचकरैभीषमजीअबप्रभुजीकबआ
वै ॥ आडीभौमद्वारकाकुणम्हारोसंदेशोपहुंचावै ॥ डाहलपं
नगयोकुंदनापुरयहकोईजायसुनावै ॥ बिरदउधारणआपहो,
कीजैवेगसहाय ॥ जोसिसपालरुकमनींपरणैं, मरूंकटारी
खाय ॥ योहिनिश्चयमनधारी ॥ ५ ॥ भादुभगवतवेगपधारो

अबमतदेरलगावो ॥ सेनालेआयोअभिमानी तिसकोगरभ
हटावो ॥ रामरूपहोयपहलीपरणीअबक्यूंलोगहँसावो ॥ पुरी
अयोध्याजान्मिया,दशरथघरअवतार ॥ तोडोधनुषकियादो
टुकडा,अबक्यूंदईबिसार ॥ कहोक्याचूकहमारी ॥ ६ ॥ आ
श्विनअरजकरूंकरजोडाँ लगरहीचिंताभारी सरवरन्हाताको
लकियाथाक्यूंभूल्यागिरधारी ॥ डूबतडीनेबाहरकाडीअब
किणदोषबिसारी ॥ डाहलदीषैकालसो,जमसीलगैबरात ॥
मेरीटेरसुनीनाहिंकाना,कूनरीतकीबात ॥ बिनंतीकिरकरहारी
॥ ७ ॥ कार्तिकमासचायभगवतको जोसीपासबुलायो ॥
हाथजोडपरकंम्यादीनी आसनदेबैठायो ॥ पतियालिखदीनी
करसेतीबहुतभाँतसमुझायो ॥ तुमद्विजजावोद्वारिका, श्रीकृ
ष्णकेपास ॥ हमरीमातभ्रातकेआगे,मतना दीज्योजास ॥

इदं पुस्तकं मुम्बय्यां क्षेमराज-श्रीकृष्णदासश्रेष्ठिना स्वकीये "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-यन्त्रालयेऽङ्कयित्वा प्रकाशितम् ।

संवत् १९८१, शके १८४६.

पुस्तक मिलनेका पता—
खेमराज श्रीकृष्णदास,
"श्रीवेंकटेश्वर" स्टीम्-प्रेस बम्बई.

तथा—
गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,
"लक्ष्मीवेंकटेश्वर" स्टीम् प्रेस कल्याण--बम्बई.

इस पुस्तकको खेमराज श्रीकृष्णदासने बम्बई खेतवाडी ७ वी गली खम्बाटा लेन स्वकीय "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम् प्रेसमें छापकर प्रकाशित किया ।

अन्य पुस्तकें–भाषाकाव्यादि–ग्रन्थ।

नाम.	की. रु. आ.
अनेकसंग्रह–भाषा–इसके पढनेसे सर्वशास्त्रका सिद्धांत जाना जाता है.	३–०
कृपाचरित्र–भाषा–उर्दूके रसीले शेरों व गजलोंमें बना है	०–४
काव्यनिर्णय–भाषा–छन्दोबद्ध।(भिखारीदासकृत) मनोहर छन्दोंमें कठिन अलंकार वर्णन है.	१–१२
काव्यरत्नाकर–इसमें–समस्यापूर्ति अपूर्व है.	०–१२
काव्यसंग्रह–प्रथमभाग। इसमें–षट्ऋतुवर्णन, श्रीराधाकृष्णजीके विहाररहस्यका वर्णन अतिललित पद्योंका अनुपम संग्रह है.	०–१२
कामधेनु–एक गोभक्तद्वारा लिखित	०–१
खैरासाकी बारामासी.	०–१
गोपीगीत–कुमावनीभाषामें–बालविधवा गोपीदेवीके स्वप्नका अद्भुत आशय.	०–२
गोविनय.	०–१॥
गोविनती.	०–१
गौका चित्र–यह दर्शनीय तथा कांचमें मढाके घरमें रखने योग्य है.	०–१
चौतालचन्द्रिका.	०–६

सम्पूर्ण पुस्तकोंका बडा सूचीपत्र अलग है मँगा लीजिये।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना–खेमराज श्रीकृष्णदास,

"श्रीवेंकटेश्वर"–स्टीम्–प्रेस–बम्बई.

इति बड़ा रुक्मिणीमंगल समाप्त ।